■ 6 वर्ष से बना रहे थे सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल, अधिकारी बोले- आतंकवाद की रणनीति में बदलाव चिंताजनक - 12

■ अमेरिका के नए प्रतिबंधों से भारत में रूसी तेल का आयात प्रभावित होने की आशंका - 12

■ निवेश और महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्र में सहयोग बढ़ाएंगे भारत और अफ्रीका - 13

■ दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में राहुल संभालेंगे भारत की कप्तानी, जडेजा की हुई वापसी- 14

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

अमृत विचार

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

| कानपुर नगर |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष चतुर्थी 09:22 उपरांत पंचमी विक्रम संवत 2082

सोमवार, 24 नवंबर 2025, वर्ष 4, अंक 94, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

एक और टी- 20 क्रिकेट वर्ल्ड कप भारत के नाम

अब दृष्टिबाधित बेटियों ने फहराया देश का परचम

कोलंबो। एक और टी-20 क्रिकेट वर्ल्ड कप भारत की झोली में आया है। इस बार दृष्टिबाधित बेटियों ने देश का परचम दुनिया में फहराया है। रविवार को पी सारा ओवल मैदान में हुए फाइनल में बेटियों ने नेपाल को सात विकेट से हराकर यह खिचाब जीता। दृष्टिबाधित महिलाओं के लिए टी-20 क्रिकेट विश्व कप का यह पहला आयोजन था। ...विस्तृत खबर खेल पेज पर

एआई का दुरुपयोग रोकने के लिए वैश्विक समझौते की जरूरत

- जी 20 शिखर सम्मेलन के तीसरे सत्र को किया संबोधित

मोदी ने जोहानिसबर्ग में कहा- वित्त केंद्रित के बजाय मानव केंद्रित बनाई जाएं महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियां

जोहानिसबर्ग, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का दुरुपयोग रोकने के लिए वैश्विक समझौते का रविवार को आह्वान किया। इसके साथ उन्होंने महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों को वित्त केंद्रित के बजाय मानव केंद्रित बनाने पर भी जोर दिया।

जोहानिसबर्ग में जी20 शिखर सम्मेलन के तीसरे सत्र को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग राष्ट्रीय के बजाय वैश्विक होने चाहिए और इन्हें विशिष्ट मॉडल के बजाय ओपन सोर्स पद्धति पर आधारित होना चाहिए। ओपन सोर्स पद्धति का मतलब सभी के लिए मुफ्त में उपलब्ध होने से है। मोदी ने कहा कि इस दृष्टिकोण को भारत के प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र में एकीकृत किया गया है और इसके परिणामस्वरूप महत्वपूर्ण लाभ हासिल हुए हैं, फिर चाहे वह अंतरिक्ष अनुप्रयोग हों या फिर एआई या डिजिटल भुगतान, जहां भारत दुनिया में अग्रणी है।

जी20 शिखर सम्मेलन का तीसरा सत्र सभी के लिए एक निष्पक्ष और न्यायपूर्ण भविष्य-महत्वपूर्ण खनिज सभ्य कार्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता विषय पर आधारित था। प्रधानमंत्री ने कहा, हम सभी को यह सुनिश्चित करना होगा कि एआई का इस्तेमाल वैश्विक भलाई के लिए हो और इसका दुरुपयोग रोका जाए।

सिरिल रामफोसा और लुईस इनासियो लूला दा सिल्वा के साथ मोदी।

यूएनएससी में सुधार अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता

जोहानिसबर्ग। प्रधानमंत्री मोदी ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सुधारों की जोरदार वकालत करते हुए कहा कि भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका (इब्सा) के त्रिपक्षीय मंच को साफ संदेश देना चाहिए कि इस वैश्विक संस्था में बदलाव अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता है। मोदी ने इब्सा नेताओं के शिखर सम्मेलन में कहा कि ऐसे समय में जब दुनिया विभाजित दिखती है, इब्सा एकता, सहयोग और मानवता का संदेश दे सकता है। उन्होंने तीनों देशों के बीच सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने के लिए इब्सा एनएसए स्तरीय बैठक को संस्थागत बनाने का भी प्रस्ताव रखा। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा और ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा की मौजूदगी में मोदी ने कहा, आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में हमें करीबी समन्वय के साथ आगे बढ़ना होगा।

ब्रीफ न्यूज

सीजेआई के रूप में आज शपथ लेंगे न्यायमूर्ति सूर्यकांत

नई दिल्ली। न्यायमूर्ति सूर्यकांत सोमवार को भारत के 53वें प्रधान न्यायधीश के रूप में शपथ लेंगे। वह न्यायमूर्ति बीआर गवई की जगह लेंगे, जिनका कार्यकाल शाम को समाप्त हो जाएगा। गत 30 अक्टूबर को न्यायमूर्ति सूर्यकांत को अगले सीजेआई के रूप में नियुक्त किया गया था। वह इस पद पर लगभग 15 महीने तक रहेंगे और 65 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर नौ फरवरी, 2027 को सेवानिवृत्त होंगे। हरियाणा के हिसार जिले में 10 फरवरी, 1962 को मध्यमवर्गीय परिवार में जन्मे न्यायमूर्ति सूर्यकांत एक छोटे शहर के वकील से देश के सर्वोच्च न्यायिक पद तक पहुंचे हैं और जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा प्रदान करने वाले अनुच्छेद 370 को निरस्त करने संबंधी फैसले, बिहार मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण, पेगासस स्पाइवेयर मामला सहित कई ऐतिहासिक फैसलों और आदेशों का हिस्सा रहे हैं।

वांगचुक की हिरासत के खिलाफ याचिका पर सुनवाई आज

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय सोमवार को जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की पत्नी की अर्जी पर सुनवाई करेगा जिन्होंने दायर की गई अर्जी में आरोप लगाया है कि उनके पति को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत गैरकानूनी रूप से हिरासत में रखा गया है और यह उनके बुनियादी अधिकारों का उल्लंघन करने वाला एक मनमाना कदम है। शीर्ष अदालत ने 29 अक्टूबर को वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे अंगमो की अर्जी पर केंद्र और लद्दाख प्रशासन से जवाब मांगा था। वांगचुक को 26 सितंबर को रासुका के तहत उस समय हिरासत में लिया गया था, जब लद्दाख को राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर हिंसक प्रदर्शन हुए थे।

भारत जोड़ने वाली संस्कृति का देश बांटने वालों से रहें सावधान : भागवत

संघ प्रमुख ने दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव में धर्म-संस्कृति के मुद्दों पर दिया कड़ा संदेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को यहां आयोजित 'दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव' में समाज, धर्म, संस्कृति और राष्ट्रहित से जुड़े संवेदनशील मुद्दों पर कई कड़े संदेश दिए। संघ प्रमुख ने कहा कि भारत जोड़ने वाली संस्कृति का देश है और बांटने वालों से सावधान रहना होगा। उन्होंने श्रीमद्भगवदगीता के महात्म्य के साथ वर्तमान हालात की चर्चा करते हुए कई दृष्टांत सुनाए और कहा कि गीता जीवन का विज्ञान भी है और मृत्यु का समाधान भी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी मंच पर भागेदारी की।

मोहन भागवत ने समाज की एकता, हिंदू संस्कृति के वैश्विक प्रभाव और देश की दिशा पर विस्तार से विचार रखे। उन्होंने कहा कि भारत की शक्ति उसकी विविधता और सामूहिकता में छिपी है। लोगों से आग्रह किया कि वे समाज को जोड़ने वाली परंपराओं को अपनाएं और विभाजनकारी एजेंडों से दूर रहें। जो भी विचार समाज को बांटने का काम करते हैं, वे भारतीय मूल्यों के अनुरूप नहीं हैं। भागवत ने कहा कि भारत आज दुनिया में नई पहचान बना रहा है। हमें अपनी जड़ों से जुड़ना होगा। उन्होंने कहा कि आज जब पूरी दुनिया अव्यवस्था, संघर्ष और नैतिक भ्रम से गुजर रही है, ऐसे समय में गीता ही वह शाश्वत मार्गदर्शक है जो मानवता को संतुलन और धर्म के पथ पर पुनः स्थापित कर सकती है। इससे पहले संघ प्रमुख मोहन भागवत और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वामी ज्ञानानंद की संस्था 'श्रीकृष्ण कृपा जियो गीता परिवार, उत्तर प्रदेश' की ओर से जनेश्वर मिश्र पार्क में आयोजित 'दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव' की शुरूआत दीप जलाकर और श्रीमद्भगवदगीता की पूजा से की। इस अवसर पर गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज, श्रीमद्भगवत गीता वैदिक न्यास के अध्यक्ष डॉ. उमेश पालीवाल, परमानन्द शुक्ल, कमल त्रिवेदी, श्रीअमर नाथ, अशोक तिवारी, महेन्द्र सिह, हिमांशू मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव में संघ प्रमुख मोहन भागवत और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

युद्ध का मैदान भी हमारे लिए धर्मक्षेत्र... जहां धर्म और कर्तव्य वहीं जय : योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि युद्ध का मैदान भी हमारे लिए 'धर्मक्षेत्र' है और जहां धर्म व कर्तव्य होगा, वहीं जय होनी है। योगी ने कहा, पूरे भारत को हमने धर्मक्षेत्र माना, इसलिए युद्ध का मैदान भी हमारे लिए धर्मक्षेत्र ही है। मुख्यमंत्री ने कहा, कर्तव्यों से जुड़ा क्षेत्र है और धर्मक्षेत्र में जो युद्ध लड़ा जा रहा है, वह कर्तव्यों के लिए लड़ा जा रहा है। यही भाव सामने आता है तो अंत में परिणाम यह होता है कि जहां धर्म और कर्तव्य होगा, वहीं विजय होगी। मुख्यमंत्री ने कहा, किसी को गुरुर नहीं पालना चाहिए कि अधर्म के मार्ग पर चलकर विजय प्राप्त हो जाएगी। यह भारत के सनातन धर्म की परंपरा है कि प्रकृति का अटूट नियम है, सदैव से यही होता आया है। मुख्यमंत्री ने भागवत को निष्काम कर्म का प्रेरणास्रोत बताते हुए कहा कि आरएसएस ने 100 वर्षों की यात्रा में सेवा को कभी सौदेबाजी का माध्यम नहीं बनने दिया। संगठन समाज के सहयोग से खड़ा हुआ है, न कि ओपेक देशों या किसी अंतरराष्ट्रीय चर्च की फंडिंग से। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने दुनिया में सेवा को ही सौदे का औजार बना लिया।

- संघ समाज के सहयोग से खड़ा हुआ है, अंतर्राष्ट्रीय फंडिंग से नहीं

डीएम रखेंगे चुनाव आयोग के खिलाफ अफवाहों पर नजर

- गलत सूचनाएं फैलाने वालों पर कार्रवाई और फौरन वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने के निर्देश
- आयोग ने जिलाधिकारियों को जारी किए निर्देश, सोशल मीडिया टीम बनाने को कहा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश में सभी जिलाधिकारियों को वोटर लिस्ट या चुनाव आयोग के कामकाज को लेकर फैलने वाली अफवाहों पर सीधे नजर रखने को कहा गया है। चुनाव आयोग ने जिलाधिकारियों से उम्मीद जताई है कि वे खुद निगरानी के साथ एक सोशल मीडिया टीम भी बनाए ताकि आम लोगों के बीच चुनावी प्रकिया को लेकर कोई गलत संदेश प्रसारित न हो।

चुनाव आयोग ने कहा है कि अगर ऐसा कोई गलत संदेश फैलाया जाए तो न केवल उसे प्रसारित करने वाले पर कार्रवाई हो बल्कि जिलाधिकारी अपने एक्स अकाउंट से उस अफवाह का खंडन कर वास्तविक स्थिति को भी स्पष्ट करें। आयोग ने बताया है कि राज्य में एसआईआर पर नजर रखने के लिए राजनीतिक दलों के भी 4 लाख से अधिक बीएलए तैनात किए गए हैं ताकि अफवाह फैलाने की गुंजाइश न रहे। इस बीच उत्तर प्रदेश में अभी तक 3 करोड़ से अधिक गणना प्रपत्रों का संग्रह एवं डिजिटाइजेशन का कार्य बीएलओ कर चुके हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा के मुताबिक, प्रदेशभर के जिला निर्वाचन अधिकारियों को यह स्पष्ट निर्देश हैं कि वे यह सुनिश्चित कर लें कि उनके जिले के सभी गांवों के सभी मजरों और नगरीय क्षेत्रों में रहने वाले प्रत्येक मतदाता को गणना पत्र अवश्य उपलब्ध करा दिया जाए। जिला निर्वाचन अधिकारी यह फीडबैक लें कि उनके जिले का कोई भौगोलिक क्षेत्र बीएलओ के भ्रमण से छूट न गया हो।

रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन करें सहयोग

कहा गया है कि नगरीय क्षेत्रों में अक्सर बीएलओ स्थानीय कर्मचारी नहीं होता है इसलिए नगरीय क्षेत्रों में बीएलओ का काम ग्रामीण क्षेत्रों के मुकाबले कठिन होता है। ऐसी स्थिति में रेजीडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों से उम्मीद की गई है कि वे भी अपने क्षेत्र के बीएलओ के साथ सहयोग करें। रिणवा ने बताया कि सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को अधिक से अधिक हेल्प डेस्क स्थापित करने के निर्देश हैं ताकि कॉन्टैक्ट सेंटर और हेल्प डेस्क पर एसआईआर प्रक्रिया से पूरी तरह जानकार एवं प्रशिक्षित कर्मी मौजूद रहें।

दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क का भंडाफोड़ 262 करोड़ के ड्रग बरामद, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

- एनसीबी का दिल्ली में अब तक की सबसे बड़ी ड्रग्स बरामदगी होने का दावा

दिल्ली में एक फ्लैट पर छापा मारकर 262 करोड़ रुपये कीमत के मेथामफेटामाइन ड्रग्स बरामद किए गए हैं और नगालैंड की एक युवती समेत दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है।

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) और दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की काउंटर इंटेलीजेंस की इस कार्रवाई को ड्रग तस्करों के अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क का भंडाफोड़ बताया जा रहा है। पुलिस ने दावा किया है कि दिल्ली में यह अब तक की सबसे बड़ी ड्रग्स बरामदगी है। छतरपुर में एक किराए के फ्लैट से कुल 328.54 किलोग्राम मेथामफेटामाइन नाम की ड्रग्स बरामद की गई है। एनसीबी के मुताबिक एक सूचना पर शाने वारिस नाम के तस्कर को 20 नवंबर की सुबह दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया था जो अमरोहा (यूपी) के मंगरौली गांव का रहने वाला है। इसके बाद छतरपुर में फ्लैट पर छापा मारा गया जहां भारी मात्रा में ड्रग्स की बरामदगी हुई। यह फ्लैट नगालैंड की रहने वाली युवती एस्थर किनिमी ने किराए पर लिया हुआ था।

प्रदेश में अब ठिठुराने वाली सर्दी के लिए तैयार रहें

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- तापमान में जारी गिरावट इस सप्ताह तेज होने की संभावना
- कई जिलों में कोहरा पड़ना शुरू, मौसम विभाग ने जारी की एडवाइजरी

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश में लोगों को जल्द ही ठिठुरने वाली सर्दी से जूझना पड़ेगा। तापमान में जारी गिरावट आने वाले दिनों में और तेज होने का पूर्वानुमान है।

मौसम विभाग ने कहा है कि अगले 4-5 दिनों के अंदर न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट हो सकती है। इस बीच अलीगढ़, आगरा, कानपुर और अमेठी में मध्यम कोहरा दर्ज किया गया है। राजधानी लखनऊ समेत अयोध्या, कुशीनगर, वाराणसी, आजमगढ़ और गोरखपुर में भी सुबह और रात का कोहरा पड़ने लगा है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में ठंडी पछुआ और उत्तर-पश्चिमी हवाओं के प्रभाव से तापमान में शुरू हुई गिरावट आने वाले दिनों में और तेज हो सकती है। राज्य में कोई सक्रिय मौसम तंत्र न होने के कारण ठंडी हवाओं का प्रभाव दिख रहा है। अगले 4 से 5 दिनों के अंदर न्यूनतम तापमान गिरावट के साथ 2-3 डिग्री सेल्सियस तक नीचे जा सकता है। अनुमान है कि नवंबर के आखिरी सप्ताह तक प्रदेश में सर्दी की जोरदार दस्तक हो सकती है। तमाम इलाकों में पारा गिर रहा है तो वहीं कुछ स्थानों पर बारिश की संभावना भी बनी हुई है। मौसम विभाग ने लोगों से सुबह घर से निकलते वक्त सावधानी बरतने धुंध के समय वाहन धीमी रफ्तार से चलाने की सलाह दी है। ठंडी हवा चलने से प्रदेश में अगले कुछ दिनों में सुबह-शाम की ठिठुरन बढ़ेगी।

ज्यादा जिलों में प्रभावित होगी दृश्यता

लखनऊ। आने वाले दिनों में प्रदेश में न्यूनतम तापमान 11-15 डिग्री सेल्सियस रहेगा। 26-28 नवंबर के बीच तापमान में 2-4 डिग्री सेल्सियस की और गिरावट की संभावना है। सुबह कोहरा और धुंध छाए रहने से जिलों में दृश्यता प्रभावित होगी। मौसम विज्ञान विभाग ने सुबह के समय हल्के कोहरे के साथ मुख्य रूप से धूप खिली रहने और उसके बाद दिन में धुंध भरी धूप रहने का अनुमान जताया है।

चीन एलएसी पर महिला योद्धा भी संभालेंगी मोर्चा

नई दिल्ली/जम्मू, एजेंसी

- एलएसी पर अपनी 10 महिला चौकियां स्थापित करेगा आईटीबीपी

भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) चीन से लगी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर महिला कर्मियों वाली 10 चौकियां स्थापित कर रही है। 5 वर्ष पहले चीन के साथ झड़प के बाद आईटीबीपी एलएसी पर अग्रिम मोर्चे की सीमा चौकियों की संख्या 180 से बढ़ाकर 215 कर चुकी है।

आईटीबीपी के महानिदेशक प्रवीण कुमार ने शनिवार को कहा, हमने अग्रिम तैनाती योजना पर काम करते हुए अग्रिम मोर्चे की सीमा चौकियों की संख्या अब 180 की तुलना में 215 कर दी है। इसके साथ सात नई बटालियन और एक सेक्टर मुख्यालय की स्थापना ने अग्रिम क्षेत्रों तक हमारी पहुंच और निगरानी को बढ़ाया है।

महानिदेशक ने कहा कि आईटीबीपी निकट भविष्य में चीन एलएसी पर सुरक्षा और समन्वय को मजबूत करने के लिए 41 और ऐसी अग्रिम चौकियां स्थापित करेगा। महिला योद्धाओं की भूमिका बढ़ाने के लिए, आईटीबीपी लद्दाख के लुकुंग और हिमाचल प्रदेश के थांगी में महिला कर्मियों वाली दो सीमा चौकियां स्थापित करने की प्रक्रिया में है।

ध्वज स्थापना समारोह

प्रधानमंत्री मोदी पहली बार प्रथम तल पर राम दरबार की करेंगे आरती

विवाह पंचमी पर स्वर्ण जड़ित पीतांबरी वस्त्र धारण करेंगे राजा राम

- दक्षिण भारत की परंपरा के आधार पर तैयार किया गया पीतांबरी वस्त्र

सत्य प्रकाश, अयोध्या

अमृत विचार: विवाह पंचमी तिथि पर 25 नवंबर को राम मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण कार्यक्रम के दिन रामलला और प्रथम तल पर विराजमान राजा राम और माता सीता भी स्वर्ण जड़ित पीतांबरी वस्त्र धारण करेंगे।

इसे मशहूर डिजायनर मनीष त्रिपाठी ने तैयार कर राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को सौंप दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहली बार यहां रामदरबार की आरती उतरेंगे। मशहूर डिजायनर मनीष त्रिपाठी के मुताबिक भगवान के वस्त्र पीतांबर है, जिसे सोने के धागों से पिरोया गया है। यह पूरा कार्य दक्षिण भारत की शैली पर तैयार कराया गया है। उन्होंने बताया कि यह वस्त्र एक वर्ष पूर्व से ही बनाए जाने की प्रक्रिया प्रारंभ की गई थी। रामलला और राम दरबार के भी वस्त्र पीतांबरी है जिसमें माता सीता के वस्त्र को पीले और लाल रंग को मिश्रित करता हुआ वस्त्र हैं। उन्होंने बताया कि इसे दक्षिण भारत पहुंचकर वहां की डिजाइन पर तैयार किया गया है जिस पर रामायण के चिह्न अंकित किए गए हैं।

भव्य ध्वज स्थापना समारोह से पूर्व रंग बिरंगी रोशनी से जगमगाता भव्य राम मंदिर।

विशेष प्रवेश पत्र पर होगा अतिथि का फोटो

अयोध्या। राम मंदिर परिसर में ध्वजारोहण कार्यक्रम में आमंत्रित अतिथियों को आमंत्रण पत्र के साथ एक विशेष प्रवेश पत्र दिया गया है, जिसे देखकर उन्हें आयोजन में शामिल होने के लिए प्रवेश दिया जाएगा। समारोह स्थल तक पहुंचने के लिए दोहरी जांच की जाएगी। इस दौरान किसी भी वीवीआईपी को अंगरक्षक को भी साथ नहीं जाने दिया जाएगा। अतिथियों को दिए गए प्रवेश पत्र पर उनका सारा ब्योरा अंकित है, इस पर उसकी फोटो, मोबाइल नंबर के साथ क्यूआर कोड भी लगा है जिसे स्कैन करने पर आमंत्रित सदस्य की संपूर्ण जानकारी प्राप्त हो जाएगी। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि आमंत्रित अतिथि जिनके साथ निजी या सरकारी सुरक्षाकर्मी व उनके सहायक होंगे, उन्हें भी समारोह में जाने की अनुमति नहीं मिलेगी। यहां उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी विशेष सुरक्षा अधिकारी के जिम्मे रहेगी।

अमृत विचार

कानपुर, सोमवार, 24 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

गुरु का ताल गुरुद्वारा का 2 करोड़ से होगा विकास

अमृत विचार, लखनऊ : सिख धर्म के नौवें गुरु, गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी वर्ष पर राज्य सरकार ने सिख विरासत को विशेष सम्मान दिया है। आगरा स्थित गुरु का ताल गुरुद्वारा के पर्यटन विकास के लिए दो करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की है। यह राशि मुख्यमंत्री पर्यटन स्थलों के विकास मद के तहत जारी की गई है। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने रविवार को दी है। उन्होंने बताया कि गुरु तेग बहादुर वर्ष 1665 में आगरा आए थे और उन्होंने यहां 'गुरु का ताल' स्थल पर नौ दिन प्रवास किया था। यहीं से जुड़ी कई ऐतिहासिक कथाएं आज भी श्रद्धालुओं में आस्था का केंद्र हैं।

चयनित 1329 नर्सों को कॉलेज आवंटित

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) द्वारा चयनित 1183 महिला और 146 पुरुष नर्सों को उनके पसंद के अनुसार मेडिकल कॉलेज आवंटित कर दिए गए हैं। इनमें से जिन 23 अभ्यर्थियों ने मनपसंद कॉलेज की प्राथमिकताएं नहीं दी थी, उन्हें विभाग द्वारा स्वत: कॉलेज आवंटित कर दिए गए हैं। चिकित्सा शिक्षा महानिदेशालय ने कुल 1329 अभ्यर्थियों की आवंटन सूची अपनी आधिकारिक वेबसाइट dgme.up.in पर जारी कर दी है। साथ ही अभ्यर्थियों को ई-मेल के माध्यम से भी आवंटन की जानकारी भेजी गई है। चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक के निर्देशानुसार सभी चयनित अभ्यर्थियों को 24 से 28 नवम्बर के बीच अपने आवंटित राजकीय मेडिकल कॉलेज या चिकित्सा संस्थान में उपस्थित होकर मूल प्रमाण पत्र और शपथ पत्र जमा करने होंगे। दस्तावेजों के सत्यापन के पश्चात अभ्यर्थियों को अस्थायी नियुक्ति पत्र जारी किए जाएंगे।

बिजली आपूर्ति में क्वालिटी लाने की हिदायत

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार महंगी बिजली दरों से राहत देने के बीच आपूर्ति की स्थिति भी सुधारने जा रही है। विभागीय अधिकारियों को बिजली आपूर्ति में 'क्वालिटी कंट्रोल' की हिदायत दी गई है। इसके बावजूद भी अगर उपभोक्ताओं की शिकायतें बढ़ीं तो न केवल अफसरों की जवाबदेही तय होगी बल्कि दोषी पाए जाने पर उनपर सख्त कार्रवाई भी की जाएगी। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे बिजली आपूर्ति और सेवाओं की गुणवत्ता में और सुधार लाएं। इससे पूर्व राज्य सरकार के लगातार छठवें साल बिजली दरें न बढ़ने के फैसले से प्रदेश के साढ़े तीन करोड़ से ज्यादा उपभोक्ताओं को राहत मिली है। बिजली दरें बढ़ाने को लेकर पावर कॉरपोरेशन की तरफ से प्रस्ताव दिया गया था। लेकिन नियामक आयोग ने बिजली दरें न बढ़ाने का निर्णय लिया।

महापरिनिर्वाण दिवस मनाएगी बसपा

अमृत विचार, लखनऊ : 2027 के विधानसभा चुनावों और आगामी पंचायत चुनावों की तैयारियों को रफ्तार देते हुए बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने मैदान में पूरी दमदारी से उतरने की रणनीति बना ली है। पार्टी डॉ.आंबेडकर की पुण्यतिथि 6 दिसम्बर को मंडल स्तर पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर संगठन को गति देने की तैयारी में है। जानकारी के अनुसार, बसपा में इन दिनों बूथ और सेक्टर स्तर तक अपनी पकड़ मजबूत करने के साथ-साथ पंचायत स्तर पर भी पार्टी कार्यकर्ताओं को सक्रिय किया जा रहा है। सभी जिलों में नेतृत्व को निर्देश दिए गए हैं कि वे जमीनी स्तर पर जनसमस्याओं को उठाते हुए संगठन को विस्तार दें और नए मतदाताओं से जुड़ें। बसपा के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल सिंह का कहना है कि बाबा साहेब की पुण्यतिथि पर विभिन्न मंडलों में पुष्पांजलि देने के लिए कार्यक्रम निर्धारित किए गए हैं।

सेवा को सौदेबाजी बनाने वालों पर किया सीधा प्रहार

सरसंघचालक मोहन भागवत और मुख्यमंत्री योगी ने दुनिया को दिया सामाजिक और राजनीतिक संदेश

धीरेंद्र सिंह, लखनऊ

- बदलती डेमोग्राफी पर जताई चिंता, छद्म संगठनों और आश्रयों को चेताया

अमृत विचार : दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव मंच भले ही आध्यात्मिक था, लेकिन उसका संदेश पूर्णत: सामाजिक और राजनीतिक रहा। सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने समाज को एकता की सीख दी, तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सेवाकार्य को बेचने वाले छद्म संगठनों और उनके राजनीतिक आश्रयों को सीधा संदेश दिया। साफ था कि भारत की आत्मा के साथ सौदा अब स्वीकार नहीं।

जनेश्वर मिश्र पार्क में दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव का मंच रविवार को केवल आध्यात्मिक विमर्श का नहीं रहा, बल्कि उस पर समाज, संस्कृति, धर्म और राष्ट्र के संवेदनशील सवालों पर दो सबसे प्रभावशाली नेताओं सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्पष्ट और तीखा संदेश गूंजा। दोनों ने जिस अंदाज में परंपरा व राष्ट्रहित के प्रश्न उठाए, वह इसे एक सामान्य समारोह से आगे बढ़ाकर देश ही नहीं विश्व के लिए भी संकेतक बना। डॉ. मोहन भागवत ने गीता को 'जीवन का विज्ञान और मृत्यु का समाधान' बताते हुए समाज के भीतर चल रहे विभाजनकारी नैरेटिव पर तीखी चिंता जताई। यह वक्तव्य ऐसे समय में आया है, जब देश में धार्मिक-सामाजिक बहसों को लेकर ध्रुवीकरण चरम पर है। उन्होंने स्पष्ट इशारों में कहा कि देश के वर्तमान हालात महाभारत की युद्धभूमि जैसे हैं- भ्रम, मोह और नैतिक लड़खड़ाहट बढ़ रही है। ऐसे समय में गीता मानवता के लिए दिशा-दर्शक है। उनका यह संदेश केवल आध्यात्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक-राजनीतिक चेतावनी भी था कि भारत को जोड़ने की संस्कृति पर आघात करने वाले कारकों से सावधान रहना होगा।

मुख्यमंत्री योगी का संदेश और अधिक राजनीतिक था। उन्होंने ओपेक देशों की फंडिंग और इंटरनेशनल चर्च का हवाला देकर लोभ और दबाव से भारत की डेमोग्राफी बदलने की कोशिश करने वाले संगठनों पर कड़ा प्रहार किया। हालांकि उन्होंने किसी संगठन का नाम नहीं लिया। हालांकि योगी धर्मांतरण गैंग, विदेशी फंडिंग वाले एनजीओ, राजनीतिक इस्लाम की गतिविधियों जैसे शब्दों पर पहले भी निशाना साधते रहे हैं। राजनीतिक संरक्षण के संदर्भ में इशारा उन दलों की ओर रहा, जिन्हें वह पहले भी जनसंख्या संतुलन बिगाड़ने और वोट-बैंक आधारित संरक्षण देने का आरोप लगा चुके हैं।

राष्ट्रीय विमर्श में और प्रमुख होंगे मुद्दे

भागवत और योगी का संयुक्त संदेश इस बात का संकेत है कि आने वाले चुनावों में धर्म, संस्कृति और डेमोग्राफी, विदेशी फंडिंग और सेवा-संस्थाओं की भूमिका और समाज को बांटने बनाम जोड़ने की अवधारणा जैसे मुद्दे राष्ट्रीय विमर्श में और प्रमुख होने जा रहे हैं।

शुभकामना संदेश

दैनिक **अमृत विचार** को सफलतापूर्वक 6 वर्ष पूर्ण करने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

जनसरोकारों, विकास कार्यों और सामाजिक मुद्दों को निष्पक्षता व विश्वसनीयता के साथ जनता तक पहुंचाने में अमृत विचार ने अपने दायित्वों का सराहनीय निर्वहन किया है। सकारात्मक पत्रकारिता और तथ्यपरक खबरों की इसकी पहचान ने इसे प्रदेश के प्रमुख मीडिया संस्थानों में प्रतिष्ठित स्थान दिलाया है।

मुझे विश्वास है कि आने वाले वर्षों में भी अमृत विचार इसी ऊर्जा और प्रतिबद्धता के साथ प्रदेश की विकास यात्रा का सशक्त भागीदार बना रहेगा तथा जन-मानस की आवाज को और मजबूती देगा।

ईश्वर से प्रार्थना है कि अमृत विचार परिवार निरंतर उन्नति करे और अपनी निष्पक्ष पत्रकारिता में समाज को मार्गदर्शन देता रहे।

भूपेंद्र सिंह चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष
भारतीय जनता पार्टी, उप्र.

भारतवासियों के लिए दिव्य मंत्र है श्रीमद्भगवदगीता : मुख्यमंत्री

दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव में बोले योगी, भगवान श्रीकृष्ण ने दी निष्काम कर्म की प्रेरणा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि श्रीमद्भगवदगीता 140 करोड़ भारतवासियों के लिए दिव्य मंत्र है। यह जीवन में सफलता का मार्ग प्रशस्त करने के साथ ही जीवन जीने की कला का मार्ग है। हर व्यक्ति को इसे अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए।

मुख्यमंत्री और गोरक्षपीठाधीश्वर महंत योगी आदित्यनाथ ने जनेश्वर मिश्र पार्क में रविवार को 'दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव' में स्वामी ज्ञानानंद का अभिनंदन करते हुए कहा कि उन्होंने गीता को जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में बहुत छोटे-छोटे उदाहरण के माध्यम से प्रस्तुत करने का प्रयास किया है। श्रमिक, किसान, महिला, छात्र, नौजवान, नौकरीपेशा, चिकित्सक, अधिवक्ता, व्यापारी, योद्धा, सैनिक के लिए गीता की प्रेरणा क्या है, उन्होंने इसे संस्था जियो गीता के माध्यम से प्रस्तुत किया है। उनकी छोटी-छोटी पुस्तकें अत्यंत प्रेरणादाई होती हैं। श्रीमद्भगवदगीता केवल जेल के कैदियों के लिए नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतवासियों के लिए दिव्य मंत्र है।

योगी ने कहा कि श्रीमद्भगवदगीता के 18 अध्यायों के 700 श्लोक को भारत का हर सनातन धर्मावलंबी जीवन का मंत्र मानकर आदर भाव के साथ आत्मसात करने का प्रयास करता है। श्रीमद्भगवदगीता नई प्रेरणा देती दिखाई देती है। श्रीमद्भगवदगीता धर्म से ही शुरू होती है और अंत में भी उसी मर्म के साथ विराम लेती है। श्रीमद्भगवदगीता धर्म की वास्तविक प्रेरणा है। भारत की मनीषा ने धर्म को कर्तव्य के साथ जोड़कर देखा है। हमने धर्म को उपासना विधि मात्र नहीं माना है। उपासना विधि उसका छोटा-सा भाग है। हर व्यक्ति अपने पंथ, संप्रदाय, उपासना विधि के अनुरूप आस्था को तय कर लेता है, लेकिन मुख्य रूप से धर्म हमारे यहां जीवन जीने की कला है। हमने इसे ही 'वे ऑफ लाइफ' के रूप में कहा है।

इस दौरान अखिल भारतीय आचार्य महासभा के महासचिव स्वामी परमात्मानंद, गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद, श्रीधराचार्य, संतोषाचार्य 'सतुआ बाबा', स्वामी धर्मेंद्र दास, रामचंद्र दास, स्वामी शशिकांत दास, जी, श्रीमद्भगवत गीता वैदिक न्यास के अध्यक्ष उमेश पालीवाल, परमानन्द शुक्ल, कमल त्रिवेदी, अमर नाथ, अशोक तिवारी, महेन्द्र सिंह, हिमांशू मिश्रा रामलाल, राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा, कार्यक्रम संयोजक मणि प्रसाद मिश्र आदि मौजूद रहे।

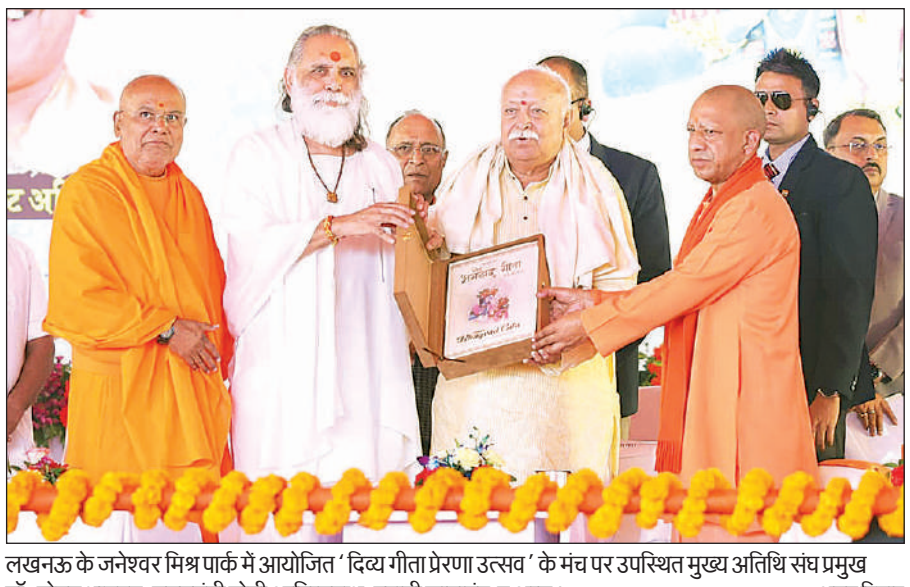

लखनऊ के जनेश्वर मिश्र पार्क में आयोजित 'दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव' के मंच पर उपस्थित मुख्य अतिथि संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, स्वामी ज्ञानानंद व अन्य। अमृत विचार

आज के हालात महाभारत की युद्धभूमि जैसे : भागवत

मुख्य अतिथि संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि दुनिया आज जिस तरह से डगमगा रही है, जिस प्रकार मूल्य, नीति और मानवता लड़खड़ा रही है, वैसा ही दृश्य महाभारत के युद्धभूमि में अर्जुन के सामने था। अर्जुन भी भ्रम, शोक और मोह से विह्वल होकर युद्ध छोड़ने की स्थिति में पहुंच गया था, लेकिन भगवान श्रीकृष्ण के गीता ज्ञान ने अर्जुन के भीतर धर्म, साहस और कर्तव्य की प्रचंड ज्योति प्रज्ज्वलित कर दी। भागवत ने कहा कि जीवन के अत्यंत विपत्ति क्षणों में भी गीता वह दिव्य शास्त्र है, जो मनुष्य को अंधकार से बाहर खींचकर दृढ़ता, समाधान और निर्भयता प्रदान करती है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि गीता केवल पढ़ने की वस्तु नहीं, बल्कि जीने की प्रक्रिया है। जो गीता को अपनाएगा, वही संकट से उबरेगा।

एसआईआर में बांग्लादेशी-रोहिंग्या पर बड़ी कार्रवाई की तैयारी शुरू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अवैध झुग्गी-झोपड़ी वालों को कहां से मिला आधार और राशन कार्ड होगी जांच
- अधिकारियों की टीमें बनाई जा रहीं, डिटेंशन सेंटर की तैयारी में जिलाधिकारी

अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान बांग्लादेशी और रोहिंग्या नागरिकों पर कड़ी कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। जिलाधिकारियों ने मुख्यमंत्री कार्यालय से डिटेंशन सेंटर बनाने के स्पष्ट निर्देश के बाद शहर-शहर अवैध झुग्गी-झोपड़ियों की पड़ताल के लिए अधिकारियों की टीमें बनानी शुरू कर दी है। ये जांच करेंगे कि 2003 की मतदाता सूची में सरकारी जमीन पर बसने वाले इन लोगों के नाम थे या नहीं, बाद में जोड़े गए तो आधार क्या था। खासकर किस दस्तावेज से आधार कार्ड, राशन कार्ड, बिजली कनेक्शन, वोटर कार्ड आदि बनता गया और इसके लिए शुरुआती दोषी कौन है।

पहले भी जांच एजेंसियों ने कई जिलों में ऐसे खानाबदोश और भ्रमणशील समुदाय चिन्हित किए हैं, जो वर्षों से झुग्गी-झोपड़ी, टीन-तिरपाल और मिट्टी की बस्तियों में रह रहे हैं। न उनका वहां कोई पुश्तैनी जमीन थी, न ही परिवार। आश्चर्यजनक रूप से इन परिवारों के पास न तो वैध नागरिकता प्रमाण हैं और न ही स्थायी पते का कोई रिकॉर्ड, लेकिन फिर भी इनके पास आधार कार्ड, राशन कार्ड और वोटर लिस्ट में नाम दर्ज मिले हैं। सूत्र बताते हैं कि पहचान पत्र जारी करने की स्थानीय प्रक्रियाओं में अनियमितताओं का लाभ उठाकर कई विदेशी नागरिक सामान्य भारतीय के रूप में दर्ज हो गए। एसआईआर प्रक्रिया में अब शासन का विशेष निर्देश है कि हर संदिग्ध परिवार से वर्ष 2003 की वोटर लिस्ट में दर्ज अपने घर नंबर, पता और मतदान क्षेत्र की जानकारी देनी होगी। यदि कोई व्यक्ति या परिवार यह साबित नहीं कर पाता कि उसका नाम या उसके माता-पिता का नाम 2003 की वोटर लिस्ट में दर्ज था, तो उसे संदिग्ध नागरिकता सूची में रखा जाएगा।

अस्थाई झुग्गी-झोपड़ी से शुरू हुआ खेल

अस्थाई झुग्गी-झोपड़ी, तिरपाल और अस्थायी बस्तियों में रहने वाले बांग्लादेशी और रोहिंग्या परिवारों को पहले स्थानीय स्तर पर रहने की अनुमति दी गई। कुछ प्रभावशाली स्थानीय लोगों ने इन्हें मजदूरी, सफाई और छोटे कामों में लगवाया, जिससे इलाके में स्थायी उपस्थिति दिखने लगी। ज्यादातर मामलों में आधार कार्ड स्थानीय लोगों द्वारा दिए गए गलत पते पर बनाया गया। कई जगहों पर आधार एनरोलमेंट कैंपों का दुरुपयोग हुआ, जहां बगैर किसी सख्त दस्तावेज के कहीं पार्षद तो कहीं सभासद या ग्रामीण इलाकों में प्रधान से फोटो के साथ प्रमाण पत्र बनवाकर आधार जारी कर दिए गए। आधार मिलने के बाद पहचान साबित करना और आसान हो गया।

राशन कार्ड से ले रहे सरकारी लाभ

आधार कार्ड के जरिये पर राशन कार्ड बनवाया गया, जिसमें पूरा परिवार शामिल कर दिया गया। राशन कार्ड से इन परिवारों को सरकारी योजनाओं और पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम (पीडीएस) में जगह मिल गई। प्रशासनिक रिकॉर्ड में नाम दर्ज हो जाने से स्थायी निवासी होने का भ्रम और मजबूत हुआ। कई जिलों में अवैध बस्तियों में घरेलू बिजली कनेक्शन जारी हुए। बिजली बिल में दर्ज ग्राहक संख्या और पता अक्सर वोटर लिस्ट में शामिल किए जाने का आधार बना। बिजली से जुड़े रिकॉर्ड ने इन्हें पिछले कई साल से रहने वाले परिवार दिखाकर चुनावी लाभ कराया। स्थानीय स्तर पर दबाव और सिफारिशों से इन्हें सामान्य नागरिक बताकर वोटर लिस्ट में नाम जोड़ गए। कई जगहों पर बूथ लेवल ऑफिसर की जांच औपचारिक रही, जिससे फर्जी पते पर भी वोटर आईडी बन गए।

एंटी कैंसर दवाओं की अवैध बिक्री में तीन तस्कर गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उप्र.(एफएसडीएस) और गाजियाबाद पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में एंटी-कैंसर दवाओं की कालाबाजारी करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश हुआ है। एफएसडीए की आयुक्त डॉ.रोशन जैकब के निर्देश के बाद छापेमारी कार्रवाई में दवाओं का अवैध व्यापार करने वाले तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। उनके कब्जे से लगभग 19 लाख रुपये मूल्य की इंपोर्टेड जीवन रक्षक दवाएं तथा 8.85 लाख रुपये नगद बरामद किए गए हैं। जांच में खुलासा हुआ कि यह गिरोह सरकारी (सीजीएसएस) औषधियों के डायवर्जन और नकली दवाओं के व्यापार में सक्रिय था। कार्रवाई के दौरान विश्वास त्यागी (गाजियाबाद), आकाश शर्मा (आगरा) और प्रिंस त्यागी (गाजियाबाद) को गिरफ्तार किया गया हैं।

सरल हुई भू-उपयोग प्रक्रिया टाउनशिप प्रोजेक्ट पकड़ेंगे गति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्राधिकरणों को कृषि भूमि को सीधे आवासीय भूमि में बदलने का मिला अधिकार

अमृत विचार : प्रदेश में भू-उपयोग प्रक्रिया का सरकार ने सरलीकरण किया है। इससे राज्य के तमाम जिलों में चल रहे टाउनशिप प्रोजेक्ट तेज गति पकड़ेंगे। अब प्राधिकरणों को भी कृषि भूमि को सीधे आवासीय भूमि में बदलने का अधिकार मिल गया है। इसके लिए पहले की तरह शासन की अलग से मंजूरी लेने की जरूरत नहीं होगी।

दरअसल, मुख्यमंत्री शहरी विकास व नये शहर प्रोत्साहन योजना के तहत गाजियाबाद, मेरठ, आगरा, मथुरा-वृंदावन, कानपुर, झांसी, बरेली, मुरादाबाद, बुलंदशहर-खुर्जा, हापुड़-पिलखुवा, बागपत-बड़ौत-खेकड़ा सहित 18 प्राधिकरणों की परियोजनाओं को पहले ही 2025-26 रोडमैप में मंजूरी दी जा चुकी है। अब भूमि-उपयोग परिवर्तन की प्रक्रिया सरल होने से इन क्षेत्रों में भी बड़े टाउनशिप प्रोजेक्ट तेज गति पकड़ेंगे। राजधानी की बात की जाए तो इस फैसले के बाद तीन प्रस्तावित टाउनशिप-वरूण बिहार 2664 हेक्टेयर, नैमिष नगर की 1085 हेक्टेयर जमीन अब सीधे प्राधिकरण बोर्ड की मंजूरी से आवासीय घोषित की जा सकेगी।

लखनऊ बना स्काउट्स-गाइड्स की वैश्विक राजधानी

आज राज्यपाल करेंगी 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी का उद्घाटन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : भारतीय स्काउट्स एंड गाइड्स की 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी का डायमंड जयंती समारोह राजधानी लखनऊ में इतिहास रचने जा रहा है। देश-विदेश से पहुंचे हजारों युवाओं की मौजूदगी ने रविवार को जंबूरी मैदान को वैश्विक सांस्कृतिक संगम में बदल दिया है। सोमवार को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल उद्घाटन करेंगीं।

19वीं राष्ट्रीय जंबूरी की शुरुआत के साथ ही लखनऊ का विशाल मैदान स्काउट्स एंड गाइड्स की विश्व राजधानी में बदल गया है। देश के हर राज्य और विदेशों से आए स्काउट्स के रंग-बिरंगे टेंट्स ने एक जीवंत नगरी का रूप ले लिया है, जो 'विविधता में एकता' के भारतीय मूलमंत्र को सजीव रूप में दर्शा रही है। प्रतिभागियों की सांस्कृतिक वेशभूषा, लोक कला और पारंपरिक शैली ने पूरे परिसर का माहौल उत्सवधर्मी बना दिया है।

युवा स्काउट्स में जोश और ऊर्जा साफ दिखाई दे रही है। कैंपिंग गतिविधियां, टीमवर्क के प्रदर्शन, अंतरराष्ट्रीय स्काउटिंग मूल्यों का आदान-प्रदान और अलग-अलग राज्यों की सांस्कृतिक झलकियां इस आयोजन को वैश्विक पहचान दे रही हैं। आयोजन समिति के अनुसार, यह जंबूरी भारतीय स्काउटिंग को एक नए पटल पर ले जाने वाला है, जहां दुनिया भारत की स्काउटिंग परंपरा, अनुशासन और सेवा भावना को करीब से समझ सकेगी।

पहले दिन स्काउट्स ने सोमवार को होने वाले उद्घाटन समारोह की रिहर्सल की।

लखनऊ में आयोजित जंबूरी में हिस्सा लेने आए युवा प्रतिभागी।

कल सांस्कृतिक संध्या में शामिल होंगे योगी

मुख्य कार्यक्रम सोमवार को दोपहर 3 बजे आयोजित होगा, जिसमें प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल जंबूरी का औपचारिक उद्घाटन करेंगी। इस अवसर पर स्काउट्स की परेड, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और रात में राष्ट्रीय प्रतीकों पर आधारित ड्रोन शो विशेष आकर्षण होंगे। 25 नवंबर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सांस्कृतिक संध्या में शामिल होंगे और स्काउट्स एंड गाइड्स को मार्गदर्शन देंगे। 29 नवंबर तक चलेगी, जिसमें विभिन्न प्रतिस्पर्धाएं, कार्यशालाएं और सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित होंगी।

उप मुख्यमंत्री ने किया हॉस्पिटल का उद्घाटन

रविवार को उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने 100 बेड के सुसज्जित जंबूरी हॉस्पिटल व ब्लड डोनेशन कैंप का उद्घाटन किया।

जीएनएम की खाली सीटों पर कॉलेज कर सकेंगे दाखिला

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 30 तक प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करना अनिवार्य

अमृत विचार : प्रदेश के नर्सिंग कॉलेजों में जीएनएम पाठ्यक्रम की खाली सीटों पर अब कॉलेज प्रशासन को स्वयं प्रवेश प्रक्रिया पूरी करने की अनुमति दे दी गई है। उप्र. स्टेट मेडिकल फैकल्टी के सचिव डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने इस संबंध में निर्देश जारी करते हुए स्पष्ट किया कि कॉलेजों को 30 नवंबर तक अपने स्तर पर प्रवेश परीक्षा आयोजित कर दाखिले की प्रक्रिया पूर्ण करना अनिवार्य है।

फैकल्टी सचिव ने बताया कि निर्धारित अवधि में प्रवेश लेकर कॉलेजों को 5 दिसंबर 2025 तक सभी अभ्यर्थियों की सूची कार्यालय को भेजनी होगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि 30 नवंबर के बाद किए गए किसी भी प्रवेश को मान्य नहीं माना जाएगा। इसके बाद उम्मीद है कि नर्सिंग कॉलेजों की रिक्त सीटें भर सकेंगी और अधिक से अधिक छात्र-छात्राओं को जीएनएम प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। मालूम हो कि अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय द्वारा प्रदेश के नर्सिंग कॉलेजों की लगभग 24 हजार जीएनएम सीटों पर दाखिले के लिए केंद्रीकृत प्रवेश परीक्षा आयोजित की गयी थी।

उपलब्धि | कौशांबी शीर्ष पर, अमरोहा दूसरे और हापुड़ तीसरे स्थान पर

एनीमिया मुक्त अभियान में 24 जिले बने मिसाल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उप्र. ने एनीमिया मुक्त भारत (एएमबी) अभियान में देशभर में मिसाल कायम की है। राज्य सरकार, एनएचएम और समुदाय के संयुक्त प्रयासों से राजधानी लखनऊ समेत 24 जिलों में गर्भवती महिलाओं, किशोरियों और बच्चों के बीच आयरन-फॉलिक एसिड (आईएफए) वितरण में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। उक्त में आंकड़ों में कौशाम्बी जनवरी-मार्च 2025 में प्रदेश में शीर्ष स्थान पर रहा। जबकि अप्रैल-जून 2024 में यह 33वें नंबर पर था।

रविवार को एनएचएम मिशन निदेशक डॉ.पिंकी जोवेल ने बताया कि कौशाम्बी जिले ने गर्भवती महिलाओं, किशोरियों और बच्चों में आईएएफए कवरेज के राष्ट्रीय औसत को पीछे छोड़ते हुए तेजी से सुधार किया है। वहीं अमरोहा दूसरे और हापुड़ तीसरे स्थान पर रहे। लखनऊ भी 18वें स्थान से उठकर छठे पायदान पर पहुंच गया है।

पॉलिसी रिफॉर्म और डेटा-ड्रिवन अप्रोच का असर : एनएचएम की डॉ. पिंकी जोवेल ने बताया कि राज्य का औसत एएमबी इंडेक्स 56.9 है। गर्भवती महिलाओं में आईएफए कवरेज 95 प्रतिशत तक पहुंच गया है। हालांकि 6-59 महीने के बच्चों में कवरेज सिर्फ 4.9 प्रतिशत है, जो शुरुआती बचपन के पोषण पर अधिक फोकस की जरूरत दिखाता है। एनएचएम के जनरल मैनेजर डॉ. मिलिंद वर्धन ने कहा कि एनीमिया से लड़ाई केवल स्वास्थ्य नहीं, बल्कि महिलाओं के सशक्तिकरण और समावेशी विकास की लड़ाई है।

आकांक्षी जिलों में श्रावस्ती नंबर वन

मिशन निदेशक ने बताया कि सीतापुर, गोरखपुर, अयोध्या, कानपुर नगर, प्रतापगढ़, जौनपुर, मथुरा, हरदोई और गाजियाबाद समेत 24 जिलों ने आयरन फॉलिक एसिड सेवन में बड़ी प्रगति की है। आकांक्षी जिलों में श्रावस्ती 86.3 के इंडेक्स के साथ सबसे आगे है, जबकि बलरामपुर और फतेहपुर ने भी खासा सुधार किया है। बिजनौर की 17 वर्षीय अंशु बताती हैं कि स्कूल में हर सोमवार आयरन फॉलिक एसिड की गोली लेने से अब कमजोरी और चक्कर की समस्या नहीं रहती। काकोरी की आशा कार्यकर्ता रूबी घर-घर जाकर टैबलेट वितरित करती हैं और महिलाओं को जागरूक करती हैं। रूबी जैसी कार्यकर्ताओं ने कई जरूरतमंद इलाकों में 90 प्रतिशत से अधिक कवरेज हासिल कराया है।

एसआईआर को हलके में लिया तो टिकट कटा : अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सपा प्रमुख ने पार्टी नेताओं को दी हिदायत

अमृत विचार : मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव बेहद गंभीर हैं, उन्होंने अपनी पार्टी नेताओं को चेतावनी देते हुए कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) प्रक्रिया को जो नेता गंभीरता से नहीं ले रहे, उनका टिकट कटना तय है। साथ ही कहा कि जब तक एसआईआर की प्रक्रिया चल रही है, किसी भी अन्य जिले का नेता लखनऊ में घूमता हुआ नहीं दिखना चाहिए, अन्यथा पार्टी उसके टिकट पर विचार ही नहीं करेगी।

सपा प्रमुख ने रविवार को जारी बयान में कहा है कि भाजपा सरकार ने जनता को एसआईआर में उलझा दिया है। आयोग बिना तैयारी किए एसआईआर करा रहा है। सपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए गए हैं कि सावधानी और सतर्कता के साथ एसआईआर में लोगों की मदद करें। अखिलेश ने कहा कि चुनाव आयोग एसआईआर प्रक्रिया का समय तीन माह बढ़ाये।

न्यूज ब्रीफ

सुप्रिय तिवारी बने सुप्रीम कोर्ट में सरकार के अधिवक्ता

मंगलपुर। संदलपुर क्षेत्र के हिसावा निवासी प्रबोध उर्फ लल्ला तिवारी के सुपुत्र सुप्रिय तिवारी को भारत सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में अपने मामलों का प्रतिनिधित्व करने हेतु अधिवक्ता के रूप में नियुक्त किया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा सौंपे गए इस दायित्व से पूरे क्षेत्र का मान बढ़ा है। प्रबोध तिवारी गांव में खेती किसानी करते हैं। उनके एक पुत्र सुप्रिय तिवारी व एक बेटी लक्ष्मी है। प्रबोध तिवारी की पत्नी सुनीता देवी गृहणी है। सुप्रिय तिवारी की प्रारंभिक शिक्षा जूनियर तक गांव के ही जनता जूनियर हाई स्कूल में हुई इसके बाद उन्होंने 9 से 12 तक की पढ़ाई जय नारायण विद्यालय कानपुर से की। बीएनएसडी से स्नातक किया। उन्होंने एलएलबी व एलएलएम किया व अन्य डिग्री भी हासिल की। वह वर्ष 2022 से सर्वोच्च न्यायालय में प्रैक्टिस करने लगे।

युवक ने फांसी लगाकर दे दी जान

कानपुर देहात। रसूलाबाद कोतवाली क्षेत्र के ग्राम करियावर निराला नगर में 18 वर्षीय शिवम ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। शिवम की मां ने बताया कि वह सुबह खेत पर काम करने गई थीं। शिवम घर पर अकेला था। शाम करीब पांच बजे जब वह खेत से लौटीं, तो उन्होंने अपने बेटे को फांसी पर लटका देखा। उनकी चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया गया कि शिवम इकलौता बेटा था। पुलिस ने बताया कि मृतक का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

किशोरी को बहला फुसलाकर ले जाने वाला आरोपी गिरफ्तार

कानपुर देहात। एक नाबालिग लड़की को बहला- फुसलाकर भगा ले जाने के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। बरौर थाना क्षेत्र की इस घटना में आरोपी ग्राम निगोही थाना बरौर क्षेत्र का कुलदीप है। थाना बरौर पुलिस की सूचना के अनुसार आरोपी 18 नवंबर को किशोरी को बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया था। परिजनों ने काफी खोजबीन की, लेकिन जब कही पता नहीं चला तो अगले दिन वादी के अनुसार 19 नवंबर को पीड़िता के परिजनों ने थाने में मुकदमा दर्ज करवाया था। पुलिस मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर गांव निगोही से गिरफ्तार कर लिया गया था। विवेचना के दौरान पीड़िता के बयान व साक्ष्य आधार पर बीएनएस, पॉक्सो कर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

रोजवुड ने हासिल किए सर्वाधिक मेडल

कानपुर देहात। वामा सारथी के तत्वावधान में रविवार को बाल दिवस-2025 के उपलक्ष्य में पुलिस लाइन परिसर में बच्चों के लिए खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। वामा सारथी की अध्यक्ष सुरभि पांडेय ने उद्घाटन किया। पुलिस परिवार के बच्चों एवं परिजनों को दो ग्रुप प्रथम ग्रुप- ड्रेगन हाउस व द्वितीय ग्रुप- रोजवुड हाउस में विभाजित कर विभिन्न खेल प्रतियोगिता कराई गई। लांग जंप, हाई जंप, 400 मीटर रेस, स्पून-मारबल रेस, थ्री लेग रेस, बच्चों-मां की बेटन रेस का विभिन्न उम्र के ग्रुपों में आयोजन कराया गया। प्रत्येक प्रतियोगिता के प्रथम, द्वितीय व तृतीय प्रतिभागियों को मेडल प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। प्रतियोगिता में सबसे अधिक मेडल रोजवुड हाउस के प्रतिभागियों ने प्राप्त किए। चल बैजयंती ट्राफी रोजवुड हाउस ने अपने नाम की। वामा सारथी अध्यक्षा द्वारा प्रतिभागियों को टीम वर्क, खेल भावना और स्वास्थ्य प्रतिस्पर्धा के महत्व को बताया गया।

प्रोजेक्ट नई किरण में निपटे छह मामले

कानपुर देहात। महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण की दिशा में चल रहे अभियान मिशन शक्ति 5 के अंतर्गत रविवार को रिजर्व पुलिस लाइन माती के सभागार कक्ष में प्रोजेक्ट नई किरण की बैठक हुई। नई किरण में 30 मामले आए जिनमें नई किरण के सभी सदस्यों द्वारा समझाने के बाद 6 परिवारों में आपसी सहमति के आधार पर समझौता कराया गया। पति-पत्नी खुशी-खुशी साथ रहने को तैयार हो गए। शेष प्रार्थना पत्रों में आगे की तिथि दी गई। सुषमा, ज्योति, रीनू, शालू देवी, शिवम पांडेय, पिंकी देवी, कंचन मिश्रा, रामप्रकाश, जिआउल हक आदि रहे।

करंट की चपेट में आने से विधि के छात्र की गई जान

शिवली कोतवाली क्षेत्र के मारग गांव की घटना, परिजन बेहाल

संवाददाता, शिवली

अमृत विचारः इनवर्टर को ठीक करते समय करंट की चपेट में आए युवक की मौत हो गई। युवक की मौत से परिजन बेहाल हो गए। बिठूर के गंगा घाट पर युवक का अंतिम संस्कार किया गया।

मैथा तहसील के अधिवक्ता विनोद अवस्थी के मारग गांव स्थित आवास में इनवर्टर में शनिवार की शाम खराबी आ गई। अधिवक्ता के पुत्र व विधि छात्र शिवा अवस्थी 19 वर्ष उसे ठीक करने लगा। इसी बीच वह करंट की चपेट में आ गया। गंभीर हालत में परिजन उसे इलाज के लिए कानपुर के लिए ले गए रास्ते में उसकी मौत हो गई।

पुत्र की मृत्यु से अधिवक्ता विनोद अवस्थी, मां रमा, बहन कीर्ति का रो रोकर बुरा हाल हो गया। रविवार को बिठूर के गंगा घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। अधिवक्ता के पुत्र के निधन पर लॉयर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राजा तिवारी, महामंत्री धर्मवीर सिंह, पूर्व अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह, सुधीर भदौरिया, रणविजय सिंह, रामप्रकाश गुप्ता, रामप्रताप सिंह, राजीव दीक्षित, शारदा शुक्ला, दुर्गेश त्रिपाठी, उमेंद्र शुक्ला, शिववीर सिंह, गौरव त्रिवेदी, सतीश त्रिवेदी, अशोक गौतम, जयराम कमल ने शोक जताया है।

शिवा।

एकलौता बेटा था शिवा : कुछ दिन पहले गंभीर बीमारी से ठीक होकर अस्पताल से घर आए अधिवक्ता विनोद अवस्थी इकलौते बेटे की मौत से बदहवाश हो गए है। विनोद के एक बेटी कीर्ति है। बीमारी के समय बेटे शिवा ने उन्हें बहुत सहारा दिया था। ग्राम प्रधान अखिलेश राठौर, व्यापारी नेता आशुतोष द्विवेदी, दयालु गुप्ता, पिंकी सिंह ने बताया कि मृतक शिवा बेहद शालीन व मिलनसार था।

सीढ़ियों से गिरकर अधेड़ की मौत

कानपुर देहात। पुखरायां कस्बे में रविवार की सुबह अधेड़ की सीढ़ियों से गिरकर मौत हो गई। परिजनों ने उन्हें गंभीर हालत में निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मालवीय नगर निवासी 55 वर्षीय रमेशचंद्र पुत्र बाबूराम अपने घर की छत पर जाने के लिए सीढ़ियों से चढ़ रहे थे। इसी दौरान वह फिसलकर गिर गए, जिससे उनकी हालत गंभीर हो गई और वे अर्ध बेहोशी की स्थिति में आ गए। परिजनों को जानकारी मिलने पर वे रमेशचंद्र को तत्काल एक निजी अस्पताल ले गए। जांच के बाद चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजन बिना पुलिस को सूचना दिए शव को घर ले गए। मृतक के बेटे अविनाश ने बताया कि उनके पिता रमेशचंद्र ऑटो रिक्शा चलाने का काम करते थे। मृतक के परिवार में उनकी पत्नी नीता और बच्चे पूनम, दीपमाला, विकास तिवारी तथा अविनाश तिवारी शामिल हैं। घटना के बाद से परिजनों में शोक व्याप्त है।

सड़क हादसे में मेडिकल का छात्र घायल, हालत गंभीर

कानपुर देहातः कानपुर-सिकंदरा हाईवे पर खड़े ट्रक से बाइक घुस जाने से बाइक सवार युवक बुरी तरह जख्मी हो गया। वह लखनऊ के मानक नगर मोहल्ले का रहने वाला है। यहां अकबरपुर मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस के बाद इंटर्नशिप कर रहा है। हादसा रनियां में एक वनस्पति फैक्ट्री के पास हुआ।

बताया गया कि एमबीबीएस छात्र गौरव कुमार सिंह दो दिन की छुट्टी पर अपने घर लखनऊ गए थे। अपनी ड्यूटी पर वापस मेडिकल कॉलेज, कुंभी जा रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक रिफाइंड फैक्ट्री के पास पहुंची, हादसे का शिकार हो गए। सड़क पर अनियंत्रित होने के बाद वह हाईवे पर पहले से खड़े एक ट्रक से जा टकराई। इस भीषण टक्कर में गौरव गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही रनियां पुलिस मौके पर पहुंची और हाईवे की एंबुलेंस से घायल युवक को तत्काल मेडिकल कॉलेज उपचार के लिए भिजवाया। मेडिकल कॉलेज में चिकित्सकों ने गौरव कुमार सिंह की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें तुरंत कानपुर के हैलट अस्पताल रेफर कर दिया, जहां उनका उपचार चल रहा है। रनियां पुलिस ने तत्काल उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज भिजवाया।

घटना के बाद घर के बाहर जमा भीड़। अमृत विचार

शाहजहांपुर कस्बे में बंगाली डॉक्टर का लटका मिला शव

संवाददाता, राजपुर

- मूल रूप से पश्चिम बंगाल के रहने वाले थे डॉ. रामपद

अमृत विचारः सट्टी थाना क्षेत्र के शाहजहांपुर कस्बे में संदिग्ध परिस्थितियों में बंगाली डाक्टर का घर के कमरे में फंदे पर रस्सी के सहारे शव लटकता मिला। पड़ोसियों की सूचना पर पुलिस ने फॉरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल पर छानबीन कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

डॉ. रामपद विश्वास मूलरूप से बेस्ट बंगाल के जनपद उत्तर चौबिसपुर जिले के थाना गाईघाटा गांव आंबौला के रहने वाले थे। वह करीब 40 वर्षों से शाहजहांपुर कस्बे में मकान बनाकर परिवार के साथ निवास कर रहे थे। शाहजहांपुर में क्लीनिक में बंगाली पद्धति से लोगों का इलाज करते थे। पत्नी सुचिता की आठ वर्ष पहले मौत हो गई थी। मृतक के छोटे भाई निर्मल ने पुलिस को बताया कि भतीजा शुभंकर कस्बे में जनसेवा केन्द्र चलाता है। भतीजे का कई लोगों से लेन देन है जिसके चलते करीब चार महीने वह शुभकर पिता के साथ मकान में न रहकर दूसरी जगह किराए के मकान में रह रहा था। इधर घटना की सूचना पर मृतक की बेटियां सीमा, शिल्पी, सपना व बेटा शुभंकर घटनास्थल पर पहुँचे और शव से लिपटकर बिलखते रहे। सट्टी थानाध्यक्ष देवनरायन द्विवेदी ने बताया कि परिजनों ने अवसाद में आकर आत्महत्या की बात बताई हैं। मामले की छानबीन की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर कार्रवाई की जाएगी।

घर में चोर घुसने की सूचना से मचा हड़कंप

कानपुर देहातः अकबरपुर के स्टेट बैंक रोड पर एक घर में चोरों के घुसने की सूचना पर हड़कंप मच गया। बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए। पुलिस बुलाई गई। घर के चारों तरफ पुलिस ने मुआयना किया मगर कोई चोर या बदमाश नहीं मिला। लोगों में चर्चा रही कि ऐन वक्त पर शोर मच जाने के बाद संभव है कि चोर भाग निकला हो।

अकबरपुर में स्टेट बैंक के ठीक सामने पवन और राहुल गुप्ता का आवास है। आवास के नीचे दुकानों में पवन हार्डवेयर का काम करते हैं जबकि राहुल कंप्यूटर का शोरूम संचालित करते हैं। शनिवार की रात एक पारिवारिक विवाह समारोह में शामिल होने के बाद घर के सभी लोग कानपुर चले गए। अकबरपुर से पड़ोसी का फोन गया और उसने बताया कि रात करीब दस बजे राहुल गुप्ता के आवास परिसर में किसी को देखा गया है। जानकारी मिलने के बाद राहुल ने तुरंत मित्रों को फोन कर मौके पर पहुंचने को कहा। इधर, जानकारी लगने पर घर के आस-पास मजमा लग गया। कोतवाली पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस पहुंची और घर को चारों तरफ से देखा मगर कोई नहीं मिला। राहुल पहुंचे और उन्होंने भीतर जाकर कमरे देखे। अलमारियां चेक कीं। सब कुछ ठीक था। किसी तरह की अप्रिय घटना न होने पर पुलिस ने भी राहत की सांस ली।

टैलेंट सर्च स्पर्धा में अभिषेक अमन और अनन्या अव्वल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचारः श्री गोपाल सेवा आश्रम रूरगांव में रविवार को टैलेंट सर्च स्पर्धा का आयोजन हुआ। ब्लाक स्तरीय इस द्वितीय प्रतियोगिता में काफी संख्या में बच्चों ने भाग लिया। बच्चों को आगे बढ़ने के लिए जरूरी मार्ग दर्शन दिया गया। अतिथियों ने कहा कि मनचाहा कैरियर बनाने के लिए पूरे मनोयोग के साथ पढ़ाई करनी होगी।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका इंटर कॉलेज औरैया के प्रधानाचार्य सुनील कुमार मिश्रा उपस्थित रहे। अवधेश दीक्षित एडवोकेट, आलोक शुक्ला, मनोज शुक्ला, रमाशंकर शुक्ला आदि भी रहे। स्पर्धा के आर्गनाइजर रोहित कुमार, ऋषभ, और धर्मेंद्र कुमार ने मुख्य और विशिष्ट अतिथियों को मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया।

विश्वास मिश्रा ने प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले अभिषेक पाल कक्षा-12, अमन कक्षा-10 और अनन्या कक्षा-8 को को एक-एक साइकिल एवं ट्रॉफी प्रदान की। द्वितीय स्थान पर प्रशांत, दीपक, कुशल, विकास पाल, स्वाती, समीक्षा, राशी रहे। उन्हें ट्रॉफी एवं मेडल भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विशाल मिश्रा, राम शरण यादव, धर्मेंद्र सिंह यादव, रमन सिंह, विनय सिंह यादव, राम जी, आशुतोष शुक्ला, सींपी सिंह, सतीश मिश्रा, आहिबरन, प्रांजली, दीपांशी, जाह्नवी आदि उपस्थित रहे।

सूने घर से चोरों ने पार किया लाखों का माल

संवाददाता, मुंगीसापुर

अमृत विचारः सर्दी आते ही चोरों का आतंक बढ़ा है। बीती रात मुंगीसापुर कस्बे में चोरों ने सूने घर पर धावा बोला। लाखों रुपये के जेवरात और नकदी चोरी कर ले गए। परिवार के लोग अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए घर से बाहर गए थे। रात को घर का ताला तोड़ चोरों ने वारदात को अंजाम दिया।

मुंगीसापुर निवासी रियाज अहमद पुत्र मोहम्मद आमीन की कस्बे में गैस बिल्डिंग की दुकान है। उनकी पत्नी परवीन की नानी का इंतकाल हो गया था। परिवार के लोग शुक्रवार को घाटमपुर में अंतिम संस्कार में शामिल होने गया था। शनिवार की शाम करीब 9 बजे जब वह घर लौटे तो मुख्य दरवाजे का ताला टूटा देख उनके होश उड़ गए।

चोरी के बाद बिखरा घर का सामान। अमृत विचार

- मुंगीसापुर कस्बे में हुई घटना पुलिस को दी गई तहरीर

घर के अंदर प्रवेश करने पर उन्होंने देखा कि सारा सामान इधर-उधर पड़ा है। कमरे के अंदर रखी अलमारी के ताले भी टूटे हुए थे। अलमारी में पत्नी के सोने चांदी के आभूषण व नगदी गायब थी। घटना के बारे में पुलिस को जानकारी दी गई। मुंगीसापुर चौकी प्रभारी अरविंद तिवारी ने बताया कि तहरीर मिल गई है। बहुत जल्द से जल्द चोरी का खुलासा किया जाएगा।

पीएचसी से सफाई कर्मी नदारद प्राइवेट कर्मचारी कर रहा काम

संवाददाता, राजपुर

अमृत विचारः राजपुर पीएचसी में तैनात सफाई कर्मचारी लम्बे समय से काम पर नहीं आ रहा। इससे अस्पताल क्षेत्र में गंदगी रहती है। कर्मचारी ने अपनी जगह पर एक निजी सफाई कर्मी को ढाई हजार रुपये पर काम पर रखा है।

रविवार को लगभग साढ़े ग्यारह बजे निजी सफाई कर्मी झाड़ू लगाते हुए दिखाई दिया। झाड़ू के दौरान उड़ने वाली धूल से मरीजों और स्वास्थ्य कर्मियों को काफी परेशानी हुई। मुख्यमंत्री आरोग्य मेला में बाहर बैठे स्वास्थ्य कर्मियों को धूल के कारण उठकर अंदर जाना पड़ा। वहीं, मौजूद महिला मरीजों को भी मजबूरन अपनी जगह से हटना पड़ा। मरीजों ने इस संबंध में पीएचसी प्रभारी डॉ. सलिल सचान से शिकायत की। डॉ. सचान ने बताया कि सफाई कर्मचारी के खिलाफ जांच पड़ताल कर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि सफाई कर्मचारी झुग्गी लाल बिना किसी सूचना के अनुपस्थित है। एक ओर मरीज स्वास्थ्य लाभ के लिए अस्पताल आ रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सफाई व्यवस्था की इस लापरवाही से उनके स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। इस संबंध में मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. एके सिंह ने बताया कि पीएचसी प्रभारी डॉ. सलिल सचान को सफाई कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

थाने में हुए झंडा दिवस के कार्यक्रम

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः उत्तर प्रदेश पुलिस प्रतिवर्ष 23 नवंबर को झंडा दिवस मनाती है। 23 नवंबर 1952 को तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने भारतीय पुलिस बल को ध्वज प्रदान किया था। जो पुलिस बल की गौरवपूर्ण विरासत का प्रतीक है।

यह बात कोतवाली परिसर में रविवार को पुलिस झंडा दिवस के अवसर पर थाना प्रभारी सतीश सिंह ने साथी पुलिस कर्मियों को संबोधित करते हुए कही । उन्होंने ध्वज को नमन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने पुलिस बल के इतिहास और महत्व पर प्रकाश डाला। थाना प्रभारी ने सभी पुलिसकर्मियों को ईमानदारी, संवेदनशीलता और निष्ठा के साथ जनता की सेवा करने की शपथ दिलाई। पुलिसकर्मियों ने अपनी वर्दी पर ध्वज भी लगाया। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश पुलिस प्रतिवर्ष 23 नवंबर को झंडा दिवस मनाती है। 23 नवंबर 1952 को तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने भारतीय पुलिस बल को ध्वज प्रदान किया था। इसी दिन पीएसी को भी ध्वज प्राप्त हुआ था।

कार्यक्रम में वरिष्ठ उप निरीक्षक राम सिंह, असालतगंज चौकी प्रभारी मिलन सिरोही, तिश्ती चौकी इंचार्ज राजेश कुमार ,कहिंजरी चौकी प्रभारी योगेंद्र शर्मा, नारखास शिव बहादुर सिंह, बिरूहुन चौकी प्रभारी जेपी सिंह ,प्रमोद कुमार दीक्षित ,कीर्ति प्रकाश कनौजिया , हेड कांस्टेबल राहुल चौधरी, अजय तोमर, विकास राजपूत सहित महिला पुलिसकर्मी भी मौजूद थीं।

फर्जी चरित्र प्रमाण पत्र से शराब ठेका ,रिपोर्ट दर्ज

शिवलीः शराब ठेका आवंटन के समय फर्जी ढंग से कूट रचित चरित्र प्रमाण पत्र लगाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

मैथा तहसील के आबकारी निरीक्षक रामवीर सिंह ने बताया कि देशी शराब दुकान अलियापुर का वर्ष 2025-26 की लॉटरी के माध्यम से गांव सरैया लालपुर शिवराजपुर थाना शिवली निवासी बलबीर सिंह के नाम आवंटन हुआ था। आवंटन के समय लगाया गया चरित्र प्रमाण रजौली थाना अमराहट विवेक कुमार का निकला है। थाना प्रभारी प्रवीण कुमार ने बताया कि कूट रचित व फर्जी तरीके से बलवीर सिंह द्वारा इसे अपने नाम पर जारी कर लिया गया है।

मंगलपुर चौराहे पर जाम, लोग परेशान

संवाददाता, मंगलपुर

अमृत विचारः रविवार शाम करीब 4 बजे मंगलपुर चौराहे पर अचानक लगा भीषण जाम राहगीरों के लिए मुसीबत बन गया। बारात की गाड़ियां, डीजे, बाइक सवार समेत आम जनता लगभग 30 मिनट तक जाम में फंसी रही। इस दौरान एक डीसीएम कंटेनर चालक के साथ मारपीट कर उसे पुलिस के सुपुर्द किए जाने का मामला भी सामने आया।

डेरापुर से मंगलपुर की ओर जा रहा एक डीसीएम कंटेनर डिलवल गांव के पास से गुजर रहा था। उसी समय झींझक कस्बा निवासी धीरू चौहान अपने ट्रैक्टर से ईट उतार रहे थे। आरोप है कि डीसीएम चालक गाड़ी को ट्रैक्टर के काफी पास से निकाल ले गया, जिससे ट्रैक्टर को क्षति पहुंच गई। घटना के बाद डीसीएम चालक आगे बढ़ गया, जिसे बाद में धीरू चौहान व उनके साथियों ने रोककर कथित रूप से गाली-गलौज व थप्पड़ मारे तथा उसे मंगलपुर चौराहे पर उतारकर पुलिस को सौंप दिया। इतनी बड़ी भीड़ और जाम के बावजूद घटनास्थल पर यातायात व्यवस्था संभालने के लिए कोई पुलिसकर्मी मौजूद नहीं था। करीब 15 मिनट बाद मंगलपुर थाना प्रभारी महेश कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जाम खुलवाया। इस बीच बाराती गाड़ियां, डीजे, बाइक सवार ही नहीं, बल्कि सदर विधायक लिखी गाड़ी भी जाम में फंसी रही।

रविवार की शाम को लगे जाम से हलकान होते वाहन चालक। अमृत विचार

ट्रक मालिक के साथ मारपीट के चार आरोपी गिरफ्तार

कानपुर देहात। ट्रक मालिक के साथ लूट करने के चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफतार किया है। रविवार को पुलिस ने बुधौली मोड़ पर आरोपियों दीपक पुत्र रामअवतार निवासी सिलहरा थाना राजपुर, अंकित पुत्र राजेश निवासी सलेमपुर व श्यामू पुत्र शिशुपाल निवासी सलेमपुर व अखन्डे उर्फ भूरे पुत्र अजय महाराज निवासी सलेमपुर थाना राजपुर को गिरफ्तार किया।

कालपी थाना क्षेत्र के आलमपुर बाईपास निवासी रोहित कुमार द्विवेदी पुत्र महेन्द्र प्रसाद द्विवेद्वी ने आरोपियों के खिलाफ मारपीट कर रुपये छीनने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

कार्यक्रम | रसूलाबाद में चल रहा हजरत गुलपीर शाह बाबा का उर्स

उर्स के दूसरे दिन शायरों ने पेश किए नातिया कलाम

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः इश्क मोहब्बत,इश्क मोहब्बत आला हजरत आला हजरत हम बरेली वाले हैं कलाम पढ़कर शायर ए इस्लाम शब्बीर बरकती ने उर्स जलसे के नातिया मुशायरा कार्यक्रम में मौजूद लोगों को इश्क ए रसूल में डुबो दिया।

हजरत गुलपीर शाह बाबा के 57 वें सालाना उर्स के दूसरे दिन शनिवार को ऑल इंडिया नातिया मुशायरा का आयोजन किया गया। जहां प्रदेश सहित पूरे भारत देश से आए मशहूर शायरों ने एक से बढ़कर एक नातिया कलाम पेश किए। वहीं शायर शब्बीर बरकाती के कलाम सुनकर श्रोता गण झूम उठे। मुशायरे का संचालन कर रहे हलचल शिवानी कोलकाता ने शायरों को माइक पर बुलाना शुरू किया। इस पर कोलकाता से आए शायर ए इस्लाम शम्स ने प्यारे आका की शान में कलाम पेश किया तो हज़रत इमाम हुसैन व हसन हुसैन की नात भी पढ़ी। वहीं शायर ए इस्लाम मौलाना मोहम्मद अली चतुर्वेदी राजस्थान ने ख्वाजा गरीब नवाज की शान में कलाम पढ़ा तो पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से भर उठा । देर रात तक नातिया मुशायरा कार्यक्रम चला। इसके बाद फजिर की नमाज से पहले सलाम के साथ मुशायर संपन हुआ। इस दौरान हाफिज इसराईल, हाफिज फरहान रजा,हाफिज नवाज शरीफ, हाफिज साजिद खान,हाफिज शाहिद कुरैशी, असीम खान, तारिक वारसी, बादल मंसूरी सहित कई लोग मौजूद रहे।

उर्स के दौरान मुशायरा कार्यक्रम में शायरी पेश करते शायर। अमृत विचार

सर्दी-जुकाम के मरीजों की संख्या बढ़ी

संवाददाता, राजपुर

अमृत विचारः राजपुर पीएचसी पर रविवार को मुख्यमंत्री आरोग्य मेला का आयोजन हुआ। मेले में बदलते मौसम और ठंड की शुरुआत के चलते मेले में बड़ी संख्या में लोग इलाज के लिए पहुंचे। सर्दी, खांसी, जुकाम, बुखार, खुजली और त्वचा संबंधी अन्य रोगों से पीड़ित मरीजों की भीड़ सुबह से लगी रही। जांच के बाद मरीजों को दवा दी गई।

राजपुर पीएचसी में रविवार को मुख्यमंत्री आरोग्य मेला में इलाज कराने पहुंची राजपुर के अशोक नगर की मरीज सुनीता ने बताया कि उन्हें दो दिनों से तेज बुखार था, इसलिए वह आरोग्य मेला में जांच कराने पहुंची हैं। डॉक्टर हरदीप व डॉ शिव विनायक त्रिपाठी ने जांच करने के बाद दवा दी। वहीं पटेल नगर के अनुराग कुमार ने बताया कि उन्हें तेज सर्दी, जुकाम और लगातार खांसी की समस्या हो रही थी। घर पर आराम के बावजूद स्थिति ठीक न होने पर वह आरोग्य मेला में पहुंचे, जहां डॉक्टर ने दवा और आवश्यक परामर्श दिया। खासबरा की मोहिनी, आकांक्षा, सुधीर व बबीता ने बताया कि उन्हें दो-तीन दिनों से सिर में तेज दर्द की शिकायत है। घरेलू उपचार कारगर न होने पर वह आरोग्य मेला पहुंची, जहां चिकित्सक ने जांच कर दवा दी। बैना गांव के रामकिशोर व विनोद कुमार ने बताया कि उन्हें खुजली और दाद की समस्या हो गई है।

मेला में 93 मरीजों का इलाज और परामर्श दिया गया। सर्वाधिक मरीज 19 बुखार व 18 खुजली के रहे। इस दौरान पीएचसी प्रभारी डॉक्टर सलिल सचान फार्मासिस्ट भोलेंद्र सिंह, वार्ड बॉय राम सिंह मौजूद रहे।

आरोग्य मेले में मरीजों की जांच करते डॉक्टर। अमृत विचार

अमृत विचार

कानपुर, सोमवार, 24 नवंबर 2025

उन्नाव

न्यूज ब्रीफ

सपा संस्थापक की जयंती पर बांटे कंबल

बांगरमऊ। सपा संस्थापक व पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव जयंती पर युवा सपा नेता इमरान सिद्दीकी सीएचसी पहुंच कर मरीजों को फल और ठंड से बचाव के लिए निराश्रित जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए। कंबल पाकर जरूरतमंदों के चेहरे खिल उठे। नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर निराश्रितों को कंबल उढाया। उन्होंने बताया कि यह अभियान श्रद्धेय नेता जी की विचारधारा मानव सेवा ही-सच्ची सेवा है को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास है।

युवक का पेड़ पर लटका मिला शव

उन्नाव। पुरवा कोतवाली क्षेत्र के गांव अजयपुर निवासी अमरनाथ पुत्र हरिशंकर रविवार को सुबह घर से करीब 8 बजे घर से निकला था लेकिन वापस नहीं लौटा। परिजन उसकी तलाश कर रहे थे तभी गांव बाहर बाग में लगे यूकेलिप्टस के पेड़ में रस्सी के फंदे से लटका मिला। दरोगा राजेश यादव ने जांच कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। चर्चा रही कि युवक मानसिक बीमार था।

प्रेम नगर में फागिंग के दौरान चले ईंट-पत्थर

शुक्लागंज। नगर पालिका की ओर से मच्छरों की बढ़ती संख्या को देखते हुए इन दिनों विभिन्न वार्डों में फागिंग अभियान चलाया जा रहा है। शनिवार शाम इसी अभियान के दौरान वार्ड नंबर 14 के प्रेम नगर इलाके में फागिंग टीम पर अचानक ईंट-पत्थर चलाए गए, जिसमें फागिंग मशीन ऑपरेटर सत्यम घायल हो गया। सीताराम कॉलोनी निवासी सत्यम दो पालिका कर्मियों के साथ प्रेम नगर की गलियों में फागिंग कर रहा था। इसी दौरान कुछ शरारती तत्वों ने उन पर ईंट-पत्थर फेंकने शुरू कर दिए। हमले में सत्यम को चोटें आईं, जिसके बाद उसने तुरंत एसबीएम प्रभारी अनूप शुक्ला को घटना की जानकारी दी।

तेज रफ्तार कार बोल्डर से टकराकर पलटी

शुक्लागंज। रविवार सुबह बैराज मार्ग से आ रही तेज रफ्तार कार सरैयां आरओबी के मुख्य द्वार पर रखे बोल्डर से टकराकर पलट गई। अचानक हुए हादसे से मौके पर हड़कंप मच गया। कार में सवार दो युवक शुक्लागंज की ओर आ रहे थे तभी तेज रफ्तार के कारण वाहन अनियंत्रित होकर सीधे बोल्डर से टकरा गया और उलट गया। दुर्घटना होते ही आसपास मौजूद लोग दौड़कर पहुंचे और कार में फंसे दोनों युवकों को सुरक्षित बाहर निकाला।

डांट से बचने के लिए रची थी अपहरण की कहानी

उन्नाव। माखी थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी 17 वर्षीय किशोरी ने 22 नवम्बर को सदर कोतवाली क्षेत्र के कृष्णा नगर मोहल्ले में बदहवाश मिली थी। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस को बताया था कि खेत जाते समय कार सवार लोगों ने उसको अगवा कर लिया था। लगभग 25 किमी दूर किसी तरह भाग कर शहर पहुंची। किशोरी के अपहरण की सूचना पर रविवार को एएसपी प्रेमचंद, सीओ सफीपुर सोनम सिंह ने किशोरी उसके पिता और भाई से गहन पूछताछ की चार घंटे की पूछताछ में किशोरी ने बताया कि घरेलू सामान लाने के लिए घर से गई थी। सामान घर में रख कर वह घूमने निकल गई। जहां काफी देर होने पर उसे घर में डांट पड़ने भय हुआ। इस पर वह उन्नाव आ गई और अपहरण की झूठी कहानी लोगो को बता दी। एसओ योगेश कुमार सिंह ने बताया कि कार से किसी ने अपहरण नहीं किया है। किशोरी घूमते हुए चली गई थी घर में डांट के डर से कार सवारों पर अपहरण की बात बताई है।

महिला ने फंदे से लटक कर दी जान

उन्नाव। पति से हुई कहासुनी के बाद महिला ने फंदे से लटक कर जान दे दी। पुरवा कोतवाली क्षेत्र के सुरजापुर गांव निवासी माधुरी (30) की किसी बात को लेकर पति रविशंकर शुक्ल से शनिवार को कहासुनी हुई थी। इसके बाद पति खेत पर चला गया। तभी माधुरी अपने घर के कच्चे कमरे की छत पर लगी धन्नी में साड़ी के फंदे से लटक गई। देर रात पति वापस लौटा तो पत्नी का शव लटका देख उसके होश उड़ गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच की। जानकारी पर असोहा थानाक्षेत्र के मोहनी खेड़ा निवासी मायके पक्ष से चाचा तेजवंत व अन्य परिजन पहुंचे। चचेरे भाई मूल चंद्र लोध ने बताया कि माधुरी की शादी सोहरामऊ थानाक्षेत्र के आशा खेड़ा में हुई थी लेकिन उसका पति से अलगाव हो गया था। उसकी मां की मौत हो गई थी। इस पर पिता जगदेव ने दूसरी शादी कर ली। दो साल पहले उसके पिता की भी मौत हो गई। लेकिन उसकी सौतेली मां सुखराना से नहीं बनती थी। इस पर उसके एक रिश्तेदार ने उसका संपर्क उसकी उम्र से काफी बड़े विदुर रवि शंकर से कराया। जिसके बाद दोनों साथ रहने लगे थे। उसके कोई संतान नहीं थी। कोतवाली प्रभारी अमरनाथ यादव ने बताया कि पीएम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हाईवे किनारे दुकानों पर बिक रही शराब, आबकारी बेफिक्र

ताक पर नियम और आदेश : दुकान के पास ही शराब पीने वालों का रोज लगता है जमावड़ा

संवाददाता, हसनगंज, उन्नाव

अमृत विचार। सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2017 में सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में राज्य मार्गों के किनारे 220 मीटर के दायरे में शराब की दुकानें संचालित करने पर प्रतिबंध लगाया था। इसका उद्देश्य नशे में वाहन चलाने से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकना था। इसके बावजूद हसनगंज तहसील क्षेत्र में इस आदेश का खुलेआम उल्लंघन हो रहा है। फरहदपुर कंपोजिट, नई सरांय देशी, कंपोजिट, नवई देशी, अजगैन कंपोजिट, गजफ्फरनगर कंपोजिट, शाहपुर तोंदा कंपोजिट, इनायतपुर बर्रा सहित कई स्थानों पर सड़क किनारे सरकारी शराब की दुकानें संचालित की जा रही हैं।

सड़क किनारे अंग्रेजी शराब व बियर की दुकान। अमृत विचार

मार्ग पर बना देशी शराब का ठेका। अमृत विचार

नगर पंचायत मोहान में ठेके के सामने सड़क किनारे गुमटी पर शराब पीते लोग।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इन दुकानों पर रोजाना सरकारी अंग्रेजी, देशी शराब और बीयर की बिक्री धड़ल्ले से होती है। दुकान के पास ही शराब पीने वालों का जमावड़ा लगता है, जो अक्सर नशे में हंगामा करते हैं। इससे न केवल राहगीरों को परेशानी होती है, बल्कि आसपास का माहौल भी बिगड़ता है। नियमों के अनुसार दुकान के पास शराब का सेवन करना प्रतिबंधित है, पर इसका पालन कहीं नहीं दिख रहा। सबसे चिंताजनक स्थिति शाहपुर तोंदा कंपोजिट में है, जहां दुकान से मात्र 200 मीटर की दूरी पर इंटर कॉलेज संचालित है। प्रतिदिन छात्र-छात्राएं इसी मार्ग से गुजरते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहले ही हाईवे किनारे, सार्वजनिक स्थानों और शैक्षणिक संस्थानों के पास शराब की बिक्री रोकने के निर्देश दे चुके हैं। इसके बावजूद विभागीय अधिकारियों पर कागजी हेरफेर कर दुकानों को गलत स्थानों पर आवंटित करने के आरोप लग रहे हैं। जिला आबकारी अधिकारी अनुराग मिश्रा ने बताया कि मामले की जांच कराई जाएगी। यदि दुकानें मानक के विपरीत पाई गईं, तो विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

दीवार गिरने से दूल्हे की मौसी की मौत

उन्नाव। असोहा के गोरिंदा गांव निवासी रामकुमार कश्यप के बेटे सुनील की बारात शनिवार को बाराबंकी जिला के तिलया गांव गई थी। विदाई के बाद बारात रविवार शाम 5 बजे बारात लौटी। दुल्हन के गृह प्रवेश के बाद मंडप के नीचे रश्म निभाई जा रही थी तभी आंगन की कच्ची दीवार भरभरा कर ढह गई। जिसकी चपेट में आकर दूल्हे की मौसी विद्यावती (45) पत्नी राकेश निवासी लखनऊ, काजल पुत्री प्रेमशंकर, उर्मिला पत्नी हनुमान और राकेश मलबे में दब गए। इससे वहां चीख पुकार मच गई। इस पर पहुंचे परिजनों ने पड़ोसियों की मदद सभी को बाहर निकलवाया। घायलों को कालूखेड़ा के एक निजी अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टर ने विद्यावती व उर्मिला को केजीएमयू लखनऊ रेफर किया लेकिन वहां पहुंचने से पहले विद्यावती की मौत हो गई। वहीं उर्मिला की हालत नाजुक बनी है। विद्यावती खबर मिलते परिजनों शादी की खुशी मातम में बदल गई। मां की मौत से बेटा व शिवम व बेटी स्वीटी बेहाल है।

मतदाता सूची सत्यापन अभियान में जमा हुए पांच हजार फार्म

ओपीजेडी केन्द्र में बीएलओ से जानकारी लेते एडीएम और एसडीएम। अमृत विचार

शुक्लागंज, अमृत विचार। निर्वाचन आयोग के निर्देश पर मतदाता सूची के सत्यापन के लिए रविवार को नगर पालिका क्षेत्र में व्यापक अभियान चलाया गया। इस दौरान 72 मतदेय स्थलों पर बीएलओ की तैनाती कर मतदाताओं से एसआईआर फार्म भरवाए गए। अभियान के तहत नगर के करीब पाँच हजार मतदाताओं ने अपनी सूचनाएँ सत्यापित करते हुए एसआईआर फार्म जमा किए।

देशभर के कई शहरों की तरह उन्नाव जनपद में भी मतदाता सूची को अद्यतन रखने और त्रुटिरहित बनाने के लिए यह प्रक्रिया संचालित की जा रही है। निर्धारित बूथों पर सुबह से ही मतदाताओं की भीड़ जुटनी शुरू हो गई। बीएलओ ने मतदाता सूची के आधार पर लोगों को आवश्यक प्रपत्र उपलब्ध कराए और मौके पर ही उन्हें भरवाकर जमा किया। अभियान की प्रगति का जायजा लेने के लिए अपर जिलाधिकारी तथा एसडीएम सुशील कुमार और एसडीएम सदर क्षितिज द्विवेदी ने कई बूथों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बूथों पर तैनात कर्मियों से जानकारी ली और सुनिश्चित किया कि सभी पात्र मतदाताओं को फार्म उपलब्ध कराया जाए।

बेसिक स्कूलों का परीक्षा कार्यक्रम घोषित

उन्नाव। बेसिक शिक्षा परिषद से संचालित प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों की अर्धवार्षिक परीक्षाएँ 28 नवंबर से 3 दिसंबर तक आयोजित की जाएँगी। परीक्षाएँ दो पालियों में होंगीकृप्रात: पाली सुबह 9:30 बजे से 11:30 बजे तक तथा द्वितीय पाली दोपहर 12:30 बजे से 2:30 बजे तक। यह जानकारी बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेश कुमार पांडे ने दी। उन्होंने बताया कि कक्षा एक के विद्यार्थियों की परीक्षा मौखिक रूप से ली जाएगी।

परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार 28 नवंबर को कक्षा 6, 7 और 8 के छात्रों की बेसिक क्राफ्ट, संबंधित कला, कृषि एवं गृह शिल्प की परीक्षा प्रथम पाली में होगी, जबकि खेल एवं शारीरिक शिक्षा की परीक्षा द्वितीय पाली में कराई जाएगी। 29 नवंबर को प्रात: पाली में कक्षा 2 व 3 की गणित, कक्षा 4, 5 और 6 की हिंदी तथा कक्षा 7 व 8 के छात्रों की विज्ञान विषय की परीक्षा आयोजित होगी। द्वितीय पाली में कक्षा 3 से 8 तक के छात्रों की संस्कृत/उर्दू की परीक्षा कराई जाएगी। 1 दिसंबर को प्रथम पाली में कक्षा 3 की हिंदी तथा कक्षा 4 से 8 तक सामाजिक विषय की परीक्षा होगी, जबकि द्वितीय पाली में कक्षा 2 से 8 तक अंग्रेजी की परीक्षा होगी। 2 दिसंबर को प्रात: पाली में कक्षा 2 की हिंदी, कक्षा 3 का सामाजिक विषय और कक्षा 4 से 8 तक गणित की परीक्षा कराई जाएगी।

बस की टक्कर से वाहन चालक की मौत

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव

अमृत विचार। फतेहपुर चौरासी थाना अंतर्गत उन्नाव-हरदोई मार्ग पर बीती देर रात रोडवेज बस व बोलेरो कार में टक्कर हो गई। हादसे में बोलेरो चालक की मौत हो गई। वहीं बस चालक समेत 8 लोग घायल हो गए। हादसे की खबर मिलते परिजनों में चीखपुकार मच गई।

बता दे कि शनिवार को बेहटामुजावर थानाक्षेत्र के रोशनाबाद गांव से फतेहपुर चौरासी के सकतपुर गांव बारात आई थी। अगवानी, जयमाल व भोजन के बाद रात 12 बजे बराती बोलेरो से लौट रहे थे। जिसे बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र के पंचमखेड़ा गांव निवासी अरुण यादव (25) पुत्र बृजेश कुमार चल रहा था। तभी उन्नाव-हरदोई मार्ग पर फतेहपुर चौरासी थाना क्षेत्र के काली मिट्टी चौराहे के पास मोड़ होने से तेज रफ्तार बोलेरो की हरदोई जा रही रोडवेज बस में टक्कर हो गई। इसमें दोनों वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खंती में उतर गए। हादसे में अरुण की मौके पर मौत हो गई। वहीं बोलेरो में बैठी सवारियों में रोशनाबाद गांव के उत्तम (50), ज्ञानेंद्र (32) पुत्र जगदीश, शीतला प्रसाद (28) पुत्र रामऔतार, उसका भाई दीपक (20), अनिल कुमार (30), आशीष (32) सहित एक अन्य युवक घायल हो गया।

अरुण (फाइल फोटो)

हादसे में जालौन जिला के गोहन गांव निवासी बस चालक नीलेश कुमार (40) को भी चोटें आईं। पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस से स्वास्थ्य केंद्र भेजा। जहां से उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया। बोलेरो अरुण के पिता के नाम पर है। उसकी अभी शादी नहीं हुई थी। बेटे की मौत से मां विनीता, पिता, भाई सौरभ, बहन मोनी सहित अन्य परिजनों में चीखपुकार मची रही। एसओ ज्ञानेंद्र कुमार ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। मोड़ होने के साथ बोलेरो की रफ्तार तेज होने से हादसा होने की बात सामने आई है। अभी किसी ने तहरीर नहीं दी है।

ऑटो की टक्कर से दो बाइकें गिराईं, 3 घायल

शुक्लागंज। फोरलेन पर रविवार को तेज रफ्तार ऑटो द्वारा ओवरटेक के दौरान लापरवाही से मारी गई टक्कर में दो बाइकें गिर गईं, जिससे तीन लोग घायल हो गए। कन्हवापुर निवासी गुलजारी निषाद का 17 वर्षीय पुत्र अमित अपने ममेरे भाई मोनू (16), निवासी अकबरपुर कानपुर, के साथ बाइक से घर लौट रहा था। इसी दौरान पीछे से ओवरटेक कर रहा तेज रफ्तार ऑटो अचानक उनकी बाइक से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक अनियंत्रित होकर पास चल रही दूसरी बाइक से जा भिड़ी। इससे दोनों बाइकें सड़क पर गिर पड़ीं। दूसरी बाइक पर पोनी रोड निवासी युवक आशीष सवार था, जो दुर्घटना में घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने तीनों घायलों को तुरंत न्यू प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुँचाया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार किया। गंभीर रूप से घायल मोनू को सिर में गहरी चोट लगने के कारण जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। अन्य दोनों घायलों की हालत स्थिर बताई गई है।

पीएसपीएस ने शिक्षकों की समस्याएं रखीं

बीएसए ने त्वरित समाधान का भरोसा दिया

बीएसए को ज्ञापन देते पीएसपीएस संगठन के पदाधिकारी। अमृत विचार

उन्नाव, अमृत विचार। प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षित स्नातक (पीएसपीएस) एसोसिएशन का प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) शैलेश पांडेय से मिला और शिक्षकों एवं विद्यालय संचालन से जुड़ी विभिन्न महत्वपूर्ण समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने नवागत बीएसए को ज्ञापन भी सौंपा। बीएसए शैलेश पांडेय ने संगठन द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों के शीघ्र निस्तारण का आश्वासन दिया। बैठक में एसोसिएशन ने विद्यालयों में किचन निर्माण की अधूरी स्थिति, मध्यान्ह भोजन योजना में उत्पन्न बाधाएं, वर्कशॉप संचालन हेतु उपयुक्त कक्षों की कमी, जुलाई 2013 में नियुक्त बीटीसी शिक्षकों की गलत इन्क्रीमेंट प्रविष्टि सुधार तथा शिक्षकों की सर्विस बुक में लगातार पाई जा रही त्रुटियों पर चिंता जताई। विद्यालयों में सूचना तंत्र एवं व्हाट्सएप के असंगत उपयोग, बीएलओ कार्य में शिक्षकों पर बढ़ते दबाव, डीबीटी लाभ वितरण हेतु वीआरसी पर आधार मशीन की उपलब्धता, आईसीटी/स्मार्ट क्लास उपकरणों की खराबी तथा खेल सामग्रियों की जरूरत जैसे विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। प्रतिनिधिमंडल में जिलाध्यक्ष संजीव संखवार, जिला महामंत्री प्रदीप कुमार वर्मा, कोषाध्यक्ष अमित तिवारी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शिवदर्शन वर्मा, उपाध्यक्ष मनोज, संरक्षक नरेन्द्र सिंह, जिला मीडिया प्रभारी राजदीप सहित ब्लॉक स्तर से अतुल साहू, दीपेंद्र शर्मा, ज्ञानेंद्र कुशवाहा, नितिन शर्मा, राजेश कुमार, देवराज, सौरभ और सुधीर उपस्थित रहे।

रोटरी क्लब ने आयोजित की प्रश्नमंच प्रतियोगिता

प्रश्नमंच प्रतियोगिता के दौरान मौजूद मुख्य अतिथि। अमृत विचार

संवाददाता, शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार। रोटरी क्लब गंगाघाट द्वारा रविवार को दयानंद इंटर कॉलेज, पोनी रोड में प्रश्नमंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें कक्षा 5 से 12 तक के विभिन्न विद्यालयों के लगभग 534 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आगामी वर्ष 2026-27 के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर इलेक्टेड रो. जसबीर भाटिया रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में असिस्टेंट गवर्नर रो. भक्ति विजय शुक्ला उपस्थित रहीं। दोनों अतिथियों ने सही उत्तर देने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए। कार्यक्रम के दौरान रोटरी क्लब द्वारा पूर्व में आयोजित चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर रोटरी क्लब गंगाघाट के अध्यक्ष रो. अवनीश शुक्ला, सचिव रो. आनंद पाण्डेय, कार्यक्रम संयोजक रो. अभिषेक तिवारी, विद्यालय प्रबंधक रो. संतोष तिवारी, सुधा तिवारी सहित रो. धुरव अवस्थी, रो. रितेश मिश्रा, रो. प्रदीप त्रिपाठी, रो. पारस गुप्ता, रो. अनुराग बाजपेई, रो. रवि शुक्ला तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सिटी डायरी

पुलिस लाइन में एएसपी ने किया ध्वजारोहण

मातहतों को संबोधित करते एएसपी अखिलेश सिंह।

उन्नाव। पुलिस लाइन, पुलिस कार्यालय सहित सभी थानों में पुलिस झंडा दिवस के अवसर पर रविवार को कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान एएसपी उत्तरी अखिलेश सिंह ने पुलिस लाइन में ध्वजारोहण किया। उन्होंने उपस्थित समस्त पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारीगणों को संबोधित करते हुए उन्होंने पुलिस बल के गौरवशाली इतिहास और सेवा, सुरक्षा व सहयोग के प्रति समर्पण की जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने पुलिस महानिदेशक द्वारा भेजे गए संदेश को पढ़कर सुनाया। जिसमें पुलिसकर्मियों के नैतिक मूल्यों और जनसेवा के प्रति उनके दायित्वों पर ज़ोर दिया गया था। पुलिसकर्मियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते रहें और पुलिस ध्वज की उच्च गरिमा को हर हाल में बनाए रखें।

किशोरी ने पेड़ पर फंदे से लटक कर दी जान

उन्नाव। बारासगवर थाना क्षेत्र के बाबा खेड़ा गांव निवासी एक किशोरी का शव जंगल में पेड़ से लटका मिला। जानकारी पर पहुंचे परिजनों ने हत्या का मौखिक आरोप लगाया। दादी की सूचना पर पुलिस ने जांच करा कर शव मोर्चरी भेजा। पोस्टमार्टम में उसकी हैंगिंग से मौत होने की पुष्टि हुई लेकिन जहर की संभावना पर विसरा भी सुरक्षित किया गया है। बाबा खेड़ा गांव निवाड़ी शहीद अली की 16 वर्षीय बेटी साईमा रविवार सुबह गांव के बाहर जंगल की ओर गई थी लेकिन वापस नहीं लौटी। इस पर छोटे भाई उसे देखने गये तो उसका शव जंगल में चिलवल के पेड़ पर दुपट्टे से लटका मिला। जानकारी पर पहुंचे परिजनों ने शव नीचे उतार लिया। गांव के ही एक युवक पर हत्या का आरोप लगाने लगे। दादी जैनब की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच कर शव मोर्चरी भेजा। यहां मिले पिता ने बताया कि वह बैंड बजाने गया था। पत्नी सोनिया मायके मेरठ गई थी। साईमा तीन भाइयों सहीम, शमीम व सान्या से बड़ी थी। उसने भी पुलिस को एक प्रार्थना पत्र देने की बात बताई। जिसमें बेटी की हत्या कर शव लटकाने का जिक्र है। वहीं लोगों में प्रेम प्रसंग की चर्चा है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया जिसमें उसकी हैंगिंग से मौत की पुष्टि हुई है। एसओ धर्मेंद्र नाथ मिश्रा ने बताया कि पीएम रिपोर्ट मिलने पर मौत का स्पष्ट कारण पता चलेगा।

एसडीआरएफ टीम बुलाने को लेकर विधायक से गुहार लगाते परिजन।

शव यात्रा में गया युवक रहस्यमय तरीके से लापता

बांगरमऊ। गंगा तट से तीन दिन पूर्व रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हुए युवक का अब तक कोई पता नहीं लग सका है। परिजनों की आशंका के आधार पर पुलिस द्वारा गंगा में मोटरबोट से व्यापक खोजबीन की गई, लेकिन युवक का कोई सुराग नहीं मिला। रविवार शाम परिजनों की गुहार पर क्षेत्रीय विधायक श्रीकांत कटियार ने सोमवार को एसडीआरएफ टीम बुलाए जाने का आश्वासन दिया है। बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र के झरतेरा गांव निवासी लवकुश उर्फ बबलू 21 नवंबर को शव यात्रा में शामिल होने नानामऊ गंगा तट गया था, जहां से वह अचानक लापता हो गया।

उर्स के मौके पर मांगी मुल्क में अमन चैन की दुआ

उर्स में मौजूद अकीदतमंद। अमृत विचार

बांगरमऊ। गंजमुरादाबाद स्थित मशहूर दरगाह अस्ताना आलिया रहमानियां में हज़रत अफजालुर्रहमान (भोले मियां) का 25वां उर्स मुबारक अकीदत व एहतराम के साथ मनाया गया। कुल शरीफ के मौके पर फातिहा खास में मुल्क में अमन चैन, खुशहाली, तरक्की, भाईचारे और आपसी सौहार्द की दुआएं मांगी गयी। दरगाह फजले रहमानी के साहिबे सज्जादा मारूफुर्रहमान उर्फ मारूफ मियां की जेरे सरपरस्ती व गुलाम रब्बानी मियां की सदारत में हज़रत भोले मियां का 25वां उर्स मुबारक मनाया गया।

रोष | दिल्ली में प्रदर्शन के लिए बस रवाना

टेट की अनिवार्यता वापस लेने की रखेंगे मांग

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। टेट की अनिवार्यता हटाने की मांग को लेकर अखिल भारतीय शिक्षक संघर्ष मोर्चा द्वारा 24 नवंबर को जंतर-मंतर, नई दिल्ली में आयोजित धरने में शामिल होने के लिए उन्नाव जिले के शिक्षकों का बड़ा जत्था रविवार शाम रामलीला मैदान से रवाना हुआ। यह जत्था उत्तर प्रदेश जूनियर शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष अनुपम मिश्रा के नेतृत्व में बस द्वारा दिल्ली के लिए निकला। रवाना होते समय शिक्षक टेट की अनिवार्यता वापस लो के नारे लगाते दिखाई दिए।

जिलाध्यक्ष अनुपम मिश्रा ने बताया कि उन्नाव से बस द्वारा बड़ी संख्या में शिक्षक दिल्ली जा रहे हैं। इसके अलावा सैकड़ों शिक्षक ट्रेन व निजी वाहनों से भी पहले ही दिल्ली पहुंच चुके हैं, जबकि कई रास्ते में हैं। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ शिक्षकों पर टेट की अनिवार्यता थोपना अनुचित है, जिसके खिलाफ प्रदेशभर के शिक्षक एकजुट होकर सड़क पर उतर रहे हैं। महामंत्री राम जन्म सिंह और कोषाध्यक्ष सरल कुमार ने बताया कि शिक्षक सोमवार का अवकाश लेकर इस बड़े आंदोलन में हिस्सा लेने जा रहे हैं। उनका कहना है कि यह संघर्ष शिक्षक हितों की रक्षा और सेवा नियमों में सुधार के लिए आवश्यक है।

नारेबाजी कर दिल्ली में प्रदर्शन के लिए जाते शिक्षक नेता। अमृत विचार

बस से रवाना होने वालों में महामंत्री राम जन्म सिंह, संरक्षक राघवेंद्र सिंह, उमेश मिश्र, अनूप शुक्ला, वरुण सिंह, कर्मवीर सिंह, अजय अवस्थी, नैमिष कुमार, नरेंद्र सिंह, राज किशोर, शशि राज, राजेश कुमार, पंकज दीक्षित, अजय पाटिल सहित कई पदाधिकारी शामिल रहे।

अमृत विचार

कानपुर महानगर

www.amritvichar.com

कानपुर, सोमवार 24 नवंबर 2025

सुविचार

मृत्यु और विनाश बिना बुलाए ही आया करते हैं क्योंकि ये हमारे मित्रों के रूप में नहीं, शत्रुओं के रूप में आते हैं।

- भगवतीचरण वर्मा

कानपुर के प्रमुख समाचार

- शादियों वाले दो घरों में मौत से गूंजीं चीखें - II
- एसआईआर भाजपा की रीढ़, विपक्ष की राजनीति प्रभावित- III
- मुगलों की क्रूरता की झांकियां देखकर भर आईं आंखें - IV

आज का मौसम

आगे आने वाले दिनों रात दिन के तापमान में उतार चढ़ाव की संभावना है ।

अधिकतम तापमान	न्यूनतम तापमान
25.0⁰	14.0⁰

सूर्योदय	सूर्यास्त
06 : 34	05 : 16

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.

•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT

दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में

सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य

117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

शहर में आज

- **धार्मिक आयोजन :** मोतीझील में गुरु तेग बहादुर साहिब जी के गुरु पूरब पर शबद गायन सुबह 6 बजे से।
- **यात्रा :** सरदार पटेल की जयंती पर यात्रा मेजर अविनाश सिंह भदौरिया पार्क गोविंद नगर से सुबह 11 बजे।
- **ज्ञापन :** कांग्रेस पदाधिकारियों की ओर से जिलाधिकारी को ज्ञापन दोपहर 12 बजे।
- **बैठक :** उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल की बैठक व्यापार मंडल कार्यालय लाजपत भवन में शाम 4 बजे।

सिटी ब्रीफ

घर जा रहे युवक को दंबगों ने पीटा

कानपुर। चकेरी में काम से घर लौट रहे युवक पर पहले से घात लगाए बैठे दबंगों ने हमला कर दिया। मारपीट में घायल पीड़ित ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। सेन पश्चिम पारा के पिपरगवां निवासी प्राइवेट कर्मी अतीक आलम के अनुसार वह 19 नवंबर की रात ड्यूटी से घर लौट रहे थे। रास्ते में सनिगवां स्थित शालीमार गार्डेन के पास पहुंचते ही पहले से घात लगाए खड़े सनिगवां निवासी रिशू यादव, जीत व तीन अन्य ने घेरकर गाली-गलौज करनी शुरू कर दी। विरोध पर सभी ने उन्हें सड़क किनारे स्थित खेत में गिराकर पीटा और जान से मारने की धमकी देकर भाग निकले। थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्रा ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

पैसा बचाने के लिए मैदान में फेंक रहे कूड़ा

कानपुर। निराला नगर स्थित रेलवे मैदान में लोग अपने घरों का कूड़ा फेंक रहे हैं। नगर निगम को पैसा न देना पड़े इसको लेकर कई स्थानीय पॉलीथिन में कूड़ा भरकर कूड़ा मैदान में फेंक जा रहे हैं। ठंड के समय रात में यहां कूड़ा जलाया भी जा रहा है।

एनजीओ के खाता धारक व शाहीन के बीच खाता कनेक्शन, पूछताछ के बाद युवती को छोड़ा

डॉ. शाहीन और परवेज के मिले तीन सी पार्टी खाते

आतंक के आका

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

डॉ. शाहीन।

- खातों से रक्षा कर्मियों को भी भेजी गई रकम, हनीट्रैप से भी जुड़ाव
- एनजीओ से जुड़ी थी युवती

अमृत विचार। दिल्ली धमाके में आरोपी डॉ. शाहीन के कई संदिग्ध बैंक खाते मिले हैं। फंडिंग कनेक्शन की तलाश में जुटी सुरक्षा एजेंसी की जांच विंग ने शाहीन के कई बैंक खातों की डिटेल एकत्र की थी। जिसमें पड़ताल में सामने आया कि तीन खाते ऐसे हैं जो शाहीन और एनजीओ के खाता धारकों के बीच के हैं। इन खातों में विदेशों से रकम आई है। उन रुपयों को जिन खातों में भेजा गया, उन खातों का संपर्क शाहीन और डॉ. परवेज से है। इन्हीं खातों से रक्षा प्रतिष्ठानों के कई कर्मचारियों को भी रकम भेजी गई है। इसलिए ही इन खातों को हनी ट्रैप से जुड़ा माना जा रहा है। वहीं हिरासत में ली गई एनजीओ की एक युवती को एजेंसी ने पूछताछ के बाद रविवार को शहर न छोड़ने की शर्त पर छोड़ दिया।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने डॉ. शाहीन को अरेस्ट किया था, उसके बाद ही सुरक्षा एजेंसियों ने शाहीन का फंडिंग कनेक्शन तलाशना शुरू कर दिया था। जांच में मिले यह तीनों खाते एनजीओ के हैं, जो शाहीन के सी पार्टी खाते हैं। यानी शाहीन और एनजीओ के खाता धारकों के बीच के यह बैंक खाते हैं। इसलिए ही जिन बैक खातों में फंडिंग की रकम भेजी गई, उन खाता धारको का कनेक्शन शाहीन से मिला है। पड़ताल में यह भी सामने आया कि इन खातों में एक दो माह से नहीं, बल्कि छह-सात सालों से ट्रांजेक्शन हो रहा है। दरअसल एनजीओ में जो युवतियां काम कर रही हैं वह कट्टरपंथी हैं। कोरोना काल खत्म होने के बाद उनका विदेश आना-जाना भी था। खातों से रक्षा प्रतिष्ठान के कई कर्मचारियों को भी रकम भेजी गई है। लिहाजा इसे हनीट्रैप से जुड़ा माना जा रहा है। सुरक्षा एजेंसियों ने एनजीओ के दस्तावेज, बैंक डिटेल, काम करने वालों को पासपोर्ट, आधार कार्ड समेत तमाम जानकारी एकत्र की है। अब एनजीओ से जुड़े लोगों का स्थानीय कनेक्शन तलाश जाएगा।

वहीं रायपुरवा इलाके में रहने वाली एनजीओ की एक युवती को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही थी। जिससे रविवार को छोड़ दिया गया। एजेंसी के सूत्रों के अनुसार युवती ने अपनी गरीबी और जरूरत की कहानी बताई। एनजीओ में एक बार जाने पर 1300 रुपये मिलते थे। और बैंक खाता खोलते समय भी उसे यह बताया गया कि दूसरे देशों से आने वाले लोगों का रुपया आएगा। लड़कियों को पता ही नहीं था कि उनके खाते में आतंकी फंड आएगा। एक बार खाते में रकम आने और रकम निकलने पर 1000 रुपये लेते। एटीएम और चेकबुक भी युवती को नहीं दी जाती।

युवती ने खुद को अलग बताया। कहा पांच साल में जिन मोबाइल नंबरों का प्रयोग किया उनमें कोई आतंकी कनेक्शन नहीं रहा। एक विधायक की जिम्मेदारी पर उसे इस शर्त पर छोड़ा गया कि शहर से बाहर नहीं जाना है।

कश्मीरी मूल के 150 छात्र संस्थानों में

- सुरक्षा एजेंसियों के सूत्रों के अनुसार मौजूदा समय में कश्मीरी मूल के करीब 150 छात्र शहर के विभिन्न संस्थानों में पढ़ाई कर रहे हैं। इसका पता चलने पर एजेंसी ने जीएसवीएम, आईआईटी को रडार पर लिया। इसके बाद निजी इंजीनियरिंग कालेजों और अन्य संस्थानों पर नजर जमाई। वहीं आईआईटी स्कॉलर के बारे में यह भी बताया गया कि थीसिस जमा करने के बाद संस्थान आने की जरूरत नहीं होती, शायद इसलिए ही छात्र नहीं आ रहा है।

टैक्सी, ओला-ऊबर के चालकों से भी ले रहे जानकारी

- शहर में सुरक्षा एजेंसियों को जो आतंकी कनेक्शन में मिले हैं, उनके बारे में कई माध्यमों से जानकारी जुटाई जा रही है। मोबाइल, बैंक खाता के साथ ही टैक्सी, ओला ऊबर आदि के चालकों से भी डिटेल जुटाई जा रही है। इसमें दिल्ली, लखनऊ, फैजाबाद, आगरा जाने वाले चालक भी शामिल हैं। जिन लोगों को वह शहर से बाहर ले गए, उनके बारे में पता किया जा रहा है। वहीं सुरक्षा एजेंसियों ने कुछ को हरी झंडी दे दी है, बाकी जिनकी बातचीत जारी रही वह रडार पर हैं।

छूटने पर डॉ. आरिफ के अनंतनाग जाने की चर्चा

- डॉ. शाहीन कनेक्शन में हिरासत में लिए गए डीएम कार्डियोलॉजी के छात्र डॉ. आरिफ को जांच एजेंसियों ने छोड़ दिया, इस तरह की चर्चा शहर में रही। हालांकि इस बारे में सुरक्षा एजेंसियों का जवाब है कि जब अरेस्ट नहीं किया तो छोड़ने की बात कैसे हो सकती है। सूत्रों के अनुसार डॉ. आरिफ को छोड़ दिया है और कार्डियोलॉजी न आकर वह अपने घर अनंतनाग चले गए हैं। बता दें कि डॉ. शाहीन का कनेक्शन जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज से होना सामने आया था। उसी नेटवर्क की तलाश में 11 नवंबर को यूपी एटीएस ने डॉ. आरिफ को अशोकनगर से उठाया था। सूत्रों के अनुसार यूपी एटीएस ने डॉ. आरिफ से लंबी पूछताछ के बाद छोड़ा है। आरिफ इसकी सूचना अपने सीनियर्स को देकर सीधे अनंतनाग चले गए हैं। मूलरूप से अनंतनाग निवासी डॉ. आरिफ ने सुपर स्पेशियलिटी नीट परीक्षा 2024 में ऑल इंडिया में 1608 रैंक पाई थी। डीएम के दाखिला के लिए पहली काउंसिलिंग में एसपीजीआई में चयन हुआ, लेकिन वहां नहीं गए और कार्डियोलॉजी में प्रवेश के लिए दूसरी काउंसिलिंग का इंतजार किया।

आईआईटी स्कॉलर थीसिस जमा कर गया घर

- आईआईटी में पीएचडी स्कॉलर के लापता होने के मामले में कुछ जानकारियां सामने आई हैं। खुफिया एजेंसी के अनुसार छात्र थीसिस जमा करने के बाद अपने घर चला गया। जिसके कारण उसके बारे में कोई जानकारी आईआईटी प्रशासन को नहीं है। फिलहाल एजेंसी जांच कर रही है। बतादें कि विस्फोट के बाद डॉ. शाहीन और डॉ. परवेज का कनेक्शन मिलने पर सुरक्षा एजेंसियों ने शैक्षणिक संस्थानों में कश्मीरी मूल के छात्रों और डॉक्टरों की पड़ताल शुरू की थी। उसी के बाद शैक्षणिक संस्थानों में कश्मीरी मूल के छात्रों का सत्यापन शुरू है।

स्पेशल ट्रेनों पर कोहरे का कहर घंटों लेट

कानपुर। कोहरा शुरू हो चुका है, ऐसे में लोको पायलटों के लिए आगे का रूट पूरी तरह दिखाई नहीं देने से मुश्किलें बढ़ गई हैं। कई ट्रेनें 12-12 घंटे देरी से सेंट्रल स्टेशन पहुंच रही हैं जिससे यात्री परेशान हैं। रविवार को सेंट्रल स्टेशन पर ट्रेनों की लेटलतीफी के कारण यात्री परेशान रहे। सबसे अधिक स्पेशल ट्रेनों की हालत खस्ता है जो अनिश्चितकालीन के लिए लेट हो रही हैं। दरअसल नियमित दौड़ रही ट्रेनों को लेटलतीफी से बचाने के लिए रेलवे अधिकारी स्पेशल ट्रेनों की बलि दे रहे हैं।

गाड़ी संख्या 04097 हसनपुर से नई दिल्ली जाने वाली स्पेशल ट्रेन 9 घंटे देरी से पहुंची तो नई दिल्ली से हसनपुर जाने वाली स्पेशल ट्रेन 14 घंटे देरी से आई। इसी प्रकार 120 से अधिक ट्रेनें कोहरे के कारण लेट रहीं जिसके चलते 200 से अधिक यात्रियों ने अपना टिकट वापस करा दिया।

कानपुर-हमीरपुर हाईवे पर सुबह तक जाम का असर रहा। अमृत विचार

घाटमपुर हाईवे पर 50 किमी लंबा जाम

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- हमीरपुर से नौबस्ता बाईपास तक जाम में 10-10 घंटे फंसे रहे हजारों वाहन
- पुल के बीच में डंपर खराब होने से यातायात पूरी तरह ध्वस्त हुआ

अमृत विचार। शनिवार को कानपुर-सागर हाईवे पर देर रात एक डंपर खराब होने के कारण हमीरपुर से नौबस्ता बाईपास तक 50 किमी से अधिक लंबा जाम लग गया। 10-10 घंटे तक हजारों वाहन फंसे रहे। ये जाम रविवार को तमाम कोशिशों के बाद ही छूट सका। कई एंबुलेंस और कई बारातें भी फंसी रहीं।

शनिवार को देर रात संभुआ पुल के पास एक डंपर खराब हो गया जिससे सागर हाईवे पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और कुछ ही घंटों मे यातायात व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो गया। कुछ ही देर में हमीरपुर के आगे तक 50 किलोमीटर तक जाम पहुंच गया। रातभर हजारों वाहन जाम में फंसे रहे। सहालग तेज होने के कारण जाम ने विकराल रूप ले लिया। तमाम बारात अपने निर्धारित समय पर गेस्ट हाउस नहीं पहुंच सकीं। जाम रविवार की भोर में हमीरपुर से नौबस्ता तक पहुंच गया। सुबह पुलिस ने क्रेन की मदद से किसी तरह डंपर को किनारे कराया, तब जाकर यातायात चालू हुआ लेकिन उसके बाद भी दोपहर तक हजारों वाहन 10-10 घंटे फंसे रहे। एसीपी घाटमपुर कृष्ण कांत यादव ने हाईवे पर रूट डायवर्जन लागू कराया।

28 हजार मृत समेत 91 हजार नाम हटाने योग्य

एसआईआर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। रविवार को केंद्रीय एवं राज्य निर्वाचन अधिकारियों ने एसआईआर की ऑनलाइन समीक्षा की जिसमें 91 हजार ऐसे मतदाताओं का जिक्र किया गया जिनके नाम हटाये जाने योग्य हैं। गणना-पत्रों की वापसी में ढिलाई पर चुनाव आयोग ने कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। कार्य में तेजी लाने के लिए सभी 10 विधानसभा क्षेत्र में 10 अतिरिक्त अधिकारियों को तैनात किये जाने का आदेश पारित किया गया है।

कानपुर महानगर में चल रहे मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान की प्रगति जानने के लिए केंद्रीय एवं राज्य निर्वाचन अधिकारियों ने रविवार को ऑन लाइन समीक्षा की। इस दौरान जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी गैर हाजिर रहे जिससे उन्हें नोटिस जारी कर बैठक में नहीं आने का कारण स्पष्ट करने के निर्देश दिये गये हैं। ये भी बताया गया कि जिला पिछड़ा वर्ग अधिकारी वीरपाल न तो बैठकों में उपस्थित होते हैं और न ही कोई प्रगति रिपोर्ट उपलब्ध कराते हैं। आयोग ने चेतावनी देते हुए कहा है कि ऐसी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में निर्वाचन अधिकारियों को बताया गया कि जिले में कुल 3620 बीएओ तैनात किये गये हैं, 4,88, 224 गणना प्रपत्र का डिजीटाइजेशन हो चुका है। ये भी जानकारी दी गई कि जिले में कुल 3538261 मतदाता हैं अब तक बीएलओ 3534962 मतदाताओं के घरों तक पहुंच चुके हैं। बीएलओ अभी तक 3299 मतदाताओं तक पहुंचने में सफल नहीं हुए हैं। अब तक बीएलओ की जांच में 9 हजार डुप्लीकेट मतदाताओं की पहचान हुई है जबकि 28 हजार मतदाता मृत मिले हैं, 49 हजार घर छोड़कर अन्यत्र कहीं चले गये हैं।

कोई एसडीएम मुख्यालय नहीं छोड़ेगा: कानपुर में धीमी चल रही एसआईआर की प्रगति को लेकर चुनाव आयोग काफी सख्त हो गया है, आयोग ने सभी 10 विधानसभा सीसामऊ, कल्याणपुर, बिल्हौर, आर्य नगर, बिठूर, गोविंदनगर, महाराजपुर, कानपुर कैंट, घाटमपुर किदवई नगर में एसआईआर कार्य में तेजी लाने के निर्देश देते हुए सभी उपजिलाधिकारियों को जिलाधिकारी से अनुमति लिये बिना मुख्यालय नहीं छोड़ने का आदेश जारी किया है।

- केंद्रीय एवं राज्य निर्वाचन अधिकारियों ने एसआईआर की ऑनलाइन समीक्षा की
- गणना-पत्रों की वापसी की धीमी प्रगति पर चुनाव आयोग ने कड़ी नाराजगी जताई
- कहा, सभी 10 विधानसभा क्षेत्र में 10 अतिरिक्त अधिकारियों को तैनात करें

3620 बीएओ तैनात किये गये हैं जिले में कुल

3538261 मतदाता हैं कानपुर जिले में कुल

3534962 मतदाताओं के घरों तक पहुंचे बीएलओ

09 हजार डुप्लीकेट मतदाताओं का पता चला

सड़क पर बाजार और ट्रैफिक जाम

शहर की प्रमुख समस्या सड़क पर दुकानों का अतिक्रमण, वाहनों की अवैध पार्किंग से लगता जाम है। महापौर तथा निवर्तमान नगर आयुक्त ने स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त से पूर्व फुटपाथ से लेकर सड़क तक दुकानदारों का अवैध कब्जा हटवाने तथा शहर को अतिक्रमण मुक्त कराने का आश्वासन दिया था लेकिन आज 3 माह के उपरांत भी हालत जस की तस है। यह तस्वीर बड़ा चौराहा से परेड चौराहा जाने वाला मुख्य मार्ग की है। जहां बीच सड़क पर परेड बाजार की दुकानें लगी हैं वहीं पर दुपहिया वाहन खड़े हैं और जाम में वाहनों की कतार के बीच पैदल चलने वालों की भीड़ है।

● मनोज तिवारी

चलन

स्वागत-सत्कार की परंपरा में अब गमछा, पटका और मोतीमाला चलन में, फूलमालाओं का जमाना गया

मोदी की स्टाइल ने गमछा बाजार में गर्दा उड़ाया, बढ़ गई मांग

शैलेश अवस्थी, कानपुर

- बड़े पैमाने पर डिजाइनर गमछे बाजार में, 800 से अधिक कारोबारी कर रहे गमछे का कारोबार
- बिक्री कई गुना बढ़ी, बिहार और तमिलनाडु से सबसे ज्यादा व्यापार होता है यहां

अमृत विचार। कोरोना काल के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वायरस से सुरक्षा के लिए गमछा इस्तेमाल का सुझाव दिया था तो इस बार बिहार चुनाव में इसे लहराकर विपक्ष को निशाने पर लेते हुए तंज कसा कि गर्दा उड़ा दिया। इसके बाद गमछा ट्रेंड कर रहा है और बिक्री भी बढ़ गई। यूं तो गमछा भारतीय संस्कृति की पहचान शुरू से ही रहा है, लेकिन पिछले दो दशक से राजनीतिक दलों की भी पहचान बनता जा रहा है और उन्हीं के मुताबिक इनकी डिजाइन तैयार हो रही है। अब तो डिजाइनर गमछे भी फैशन में हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ही नहीं, हर दल के ज्यादातर नेता और कार्यकर्त्ता गले में गमछे, पट्टे या स्टोल डाले नजर आते हैं। मोदी ने कोरोना काल में मुंह, नाक और कान ढककर इसकी उपयोगिता समझाई थी।

गमछा लहराते नरेंद्र मोदी।

बाजार में कई तरह के गमछे हैं। अमृत विचार

बिहार चुनाव में नरेंद्र मोदी ने गमछा क्या लहराया कि उनकी तमिलनाडु की रैली और उनके स्वागत में हर जगह गमछा लहराये जाने लगे।

असम में तो गमछा वहां की संस्कृति, सम्मान और पहचान का प्रतीक है और इसे जी-1 टैग मिला है। ओडिशा, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और बिहार में गमछे का उत्पादन बड़े पैमाने पर होता है और वहीं से कानपुर के थोक कपड़ा बाज़ार में आता है। अब तो सालाना कोई 20 करोड़ का कारोबार है। इसी तरह डिजाइनर पटके और नकली सफ़ेद-क्रीम मोतीमाला भी खूब बिक रही है। कपड़ा कारोबारी शेष नारायण त्रिवेदी ने बताया कि स्वागत, सम्मान और अभिनंदन में अब डिजाइनर अंगोछे, स्टोल और पटके का चलन चरम पर है। बिक्री दोगुनी हो गई है। फूल मालाओं की बिक्री घटने से माली दुखी हैं।

एक नजर गमछे के जलवे पर

गया (बिहार) के पटवाटोली में गमछे के 10 हजार से ज्यादा छोटे-बड़े कारखाने हैं। पावरलूम और हथकरघा के जरिये गमछे बनाए जाते हैं। सालाना सौ करोड़ का कारोबार होता है।

पटवाटोली और तमिलनाडु के अलावा हापुड़ और बाराबंकी से सबसे ज्यादा माल आता है यहां। यूं तो भगवा और केसरिया की मांग ज्यादा है, लेकिन नीला, हरा, गुलाबी, नारंगी, छींटदार और चमकदार भी खूब बिकता है।

जानिए गमछा का मतलब: गमुचा बंगाली शब्द है। ग मतलब शरीर और मुचा मायने पोछने वाला। यही शब्द हिंदी भाषी क्षेत्रों में गमछा कहलाया। बताते हैं कि वैदिक काल में भी गमछा था, जिसकी पोटली में रखे सुदामा के चावल कृष्ण भगवान ने खाए थे।

बिक्री बढ़ी, बड़ा कारोबार : कपड़ा कमेटी के संयोजक एवं निदेशक सुमित सागरी ने बताया कि अब केवल लाल-सफेद नहीं, कई रंगों और डिजाइनों में गमछे उपलब्ध हैं। बड़े नेताओं और राजनीतिक दलों ने जब से इसका बड़े पैमाने पर इस्तेमाल शुरू किया है, बिक्री बहुत बढ़ गई है। मोदी और अमित शाह ने इसे क्या धारण किया, यह फैशन में आ गया।

30 से डेढ़ सौ तक में लीजिए

- गमछा सूती, हैण्डलूम, खादी, रेशमी और टेरिकाट का मिलता है। 30 रुपये से डेढ़ सौ तक में खरीद सकते हैं। इसी तरह पटका 20 से 50, स्टोल 75 से 200 और दुपट्टा 50 से ढाई सौ तक में मिल जायेगा। मनोज कुमार की फिल्म उपकार, पहचान, दिलीप कुमार की गंगा-जमुना, अमिताभ बच्चन की डॉन और सचिन की नदिया के पार सहित कई अन्य फिल्मों में गमछा खूब इस्तेमाल हुआ। सिर में बांधो तो मुरैठा, गले में डालो तो हार और बिछा लो बिछौना, कमर में बांध लो तो वस्त्र और पसीना भी पोछ लो।

सिटी ब्रीफ

बेवजह चेन पुलिंग में 1859 यात्रियों पर जुर्माना

कानपुर। भीमसेन से झांसी समेत विभिन्न रेल मार्गों पर ट्रेनों में बेवजह चेन पुलिंग करने वालों पर जनवरी 2025 से अक्टूबर 2025 तक 1859 यात्रियों से रेलवे ने जुर्माना वसूला। उपरोक्त अवधि में चेन पुलिंग के मामले में दर्ज 1859 मामलों में संबंधित 1859 व्यक्तियों की गिरफ्तारी कर उनके विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की गई तथा कुल 5,88,140 रुपये का अर्थदंड वसूला गया। उत्तर मध्य जोन के जनसंपर्क अधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि केवल अक्टूबर 2025 माह में ही 184 प्रकरण दर्ज किए गए जिनमें 184 यात्रियों से 46,760 रुपये का अर्थदंड वसूला गया

रंग पर टिप्पणी कर घर से निकाला

कल्याणपुर। पनकी में एक महिला ने पति व ससुरालियों पर दहेज का पूरा माल व स्त्रीधन हड़प उसके काले रंग पर टिप्पणी कर उसे घर से निकालने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है। पनकी एफ ब्लॉक निवासी सेवानिवृत्ति विद्युत कर्मी की बेटी का विवाह नवंबर 2024 में गुजरात के एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर के साथ हुई थी। आरोप है कि ससुरालीजन महिला पर दस लाख रुप/s अतिरिक्त दहेज की मांग करने लगे। विरोध करने पर उसका सारा धन हड़प उसके काले रंग पर टिप्पणी करते हुए गाली गलौज व मरपीट की। मायके पक्ष के पहुंचने पर उनके साथ भी अभद्रता की।

शादियों वाले दो घरों में मौत से गूंजीं चीखें

भांजी की शादी से लौटते समय तेज रफ्तार ट्रक ने मारी टक्कर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। गुजैनी में पतरसा रोड पर तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से बाइक सवार की जान चली गई। वह भांजी की शादी से लौट रहा था और रविवार को ही उसके छोटे भाई की बारात जानी थी। दो शादियों वाले घर में मौत से कोहराम मच गया। परिजनों ने पुलिस से हाथ जोड़कर एक दिन बाद पोस्टमार्टम करवाने का आग्रह किया है। आंखों में आंसू भरे परिजनों ने कहा, आज बारात जानी है, इस होनी में उस लड़की का क्या कसूर। विदाई के बाद पोस्टमार्टम कराएंगे।

धर्मेंद्र कठेरिया।

जानकारी देते परिजन। अमृत विचार

जूही राखी मंडी निवासी 41 वर्षीय धर्मेंद्र कठेरिया ड्राइवर थे। परिवार में पत्नी सोनी, तीन बेटियां और एक बेटा है। भाई सुरेंद्र ने बताया कि शनिवार को उनकी भांजी गुड़ियां की शादी थी। धर्मेंद्र परिवार समेत शादी समारोह में शामिल होने मर्दनपुर स्थित गेस्ट हाउस गए थे। वहां से देर रात बाइक से अकेले घर लौट रहे थे। तभी रास्ते में पांडुनदी के पास पतरसा रोड पर पीछे से आए तेज गति ट्रक ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। जबरदस्त टक्कर के कारण वह उछलकर सड़क किनारे खंती में जा गिरे और बाइक घिसटती हुई दूर तक चली गई। सिर व शरीर पर गंभीर चोटें आने से गंभीर अवस्था में धर्मेंद्र वहीं पड़े रहे। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें हैलट में भर्ती कराया और परिजनों को हादसे की खबर दी। इलाज के दौरान रविवार भोर पहर धर्मेंद्र की मौत हो गई। इस पर परिजनों में चीख-पुकार मच गई। सुरेंद्र के अनुसार उनके छोटे भाई रोहित की भी शादी है और रविवार शाम को ही साकेतनगर बारात जानी है। इसलिए पुलिस से एक दिन बाद शव का पोस्टमार्टम कराने का आग्रह किया है।

बस रस्म निभानी है, लड़की का क्या कसूर

- आंखों में आंसू भरे सुरेंद्र ने कहा कि एक तरफ भाई का शव रखा है। दूसरी तरफ भाई की बारात जानी है। घर में मातम ऐसा माहौल है। सोच नहीं पा रहे क्या करें। लेकिन इस अनहोनी में उस लड़की का क्यां कसूर। इसलिए रस्म निभानी है। नाते-रिश्तेदार घर में गमगीन बैठे हैं। वहीं ढांढस बंधा रहे हैं। फफकते हुए कहा कि अब विदाई के बाद भाई को कंधा देंगे।

खुशियों को खाक कर गया ट्रक

- रो-रोकर बेसुध हुए परिजनों ने कहा कि उनके परिवार की खुशियों को ट्रक ने मातम में बदल दिया। शादी वाले घर में सिसकियां गूंज रही है। धर्मेंद्र अपने छोटे भाई की शादी में सबकों सजाकर ले जाना चाहते थे, दौड़-भागकर तैयारियां की। शादी की तैयारियों के कारण ही रात में भांजी की शादी से निकल पड़े थे। क्या पता था कि रास्ते में यमदूत बनकर ट्रक आ जाएगा।

शादी समारोह में युवक की करंट लगने से मौत

कानपुर। सेन पश्चिम पारा में शादी समारोह में शामिल युवक करंट से झुलस गया। तत्काल परिजन हैलट लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान तड़के उसकी मौत हो गई। बिजली के खुले तारों की वजह से एक लाइन टेंट के पोल से छूने के कारण युवक की जान चली गई। परिवार में कोहराम मच गया।

प्रदीप कुमार।

तुलसिया गांव निवासी 30 वर्षीय प्रदीप कुमार टाइल्स पत्थर लगाने व घिसाई का काम करते थे। परिवार में पत्नी आरती और दो बच्चे हैं। बड़े भाई संदीप ने बताया कि प्रदीप पड़ोसी इमलीपुर गांव में शनिवार रात राकेश की बेटी की शादी में शामिल होने गया था। जहां रोशन व सजावट के बिजली के खुले तारों के कारण टेंट के पोल में करंट उतर आया। उधर से निकलते समय प्रदीप का हाथ लोहे के पोल पर पड़ा तो करंट लगने से वह गंभीर रूप से झुलस गया। इससे समारोह में शामिल लोगों में अफरातफरी मच गई। लोगों ने खुद को सुरक्षित करते हुए लाइन बंद कराई और परिजनों को हादसे की खबर दी। साथ ही प्रदीप को गंभीर अवस्था में तत्काल हैलट अस्पताल ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान रविवार तड़के उसकी मौत हो गई। परिजनों में चीख-पुकार मच गई। सेनपश्चिम पारा थाना प्रभारी प्रदीप सिंह ने बताया कि परिजनों ने अभी तहरीर नहीं दी है। अगर देंगे तो तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

लावारिस सीवर लाइन का काम रुकवाया गया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- जलकल ने कार्य को रुकवाया बिना बताए हो रहा था कार्य

अमृत विचार। गोविंदनगर स्थित मलिकपुरम में नगर निगम की सड़क पर सीवर लाइन बिछाए जाने का काम जलकल ने रुकवा दिया है। कौन विभाग इसे बिछा रहा था यह सामने नहीं आया था, जिसके बाद नगर आयुक्त के निर्देश पर कार्य को रुकवा दिया गया। जलनिगम और सीएंडडीएस एक दूसरे पर लाइन बिछाने की बात कर रहे थे।

मलिकपुरम में करीब तीन किमी में सीवर लाइन बिछाने का कार्य शुरू हुआ था। इसके लिए गलियों से लेकर मुख्य सड़क तक में खोदाई कर दी गई । उत्तर प्रदेश जलनिगम (नगरीय) का बोर्ड लगाकर अमृत योजना 2.0 के तहत काम दिखाया जा रहा था। इस बारे में जब जलनिगम की अधिशासी अभियंता तुल्लिका श्रीवास्तव से पूछा गया तो उनका कहना था कि मलिकपुरम में लाइन बिछाने के संबंध में पहले भी उनसे फोन कर जानकारी ली गई है। यह काम सीएंडडीएस की ओर कराया जा रहा है। फिर जब सीएंडडीएस के सहायक अभियंता रमित सचिदेव से जानकारी ली गई तो वह भी जलनिगम का काम कहकर बच निकले। नगर निगम की सड़क पर सीवर लाइन बिछाए जाने के लिए चल रही खोदाई के संबंध में जोन पांच के अधिशासी अभियंता कमलेश पटेल ने बताया कि सीवर लाइन बिछाने का काम जलकल की ओर से कराया जा रहा है, उन्हें सड़क काटने की अनुमति लेने की जरूरत नहीं है। आखिर में जलकल ने भी काम करने से मना कर दिया तो रविवार को जलकल ने मौके पर पहुंचकर कार्य बंद करा दिया।

जानलेवा हमले के दो आरोपी गिरफ्तार

कानपुर। नौबस्ता पुलिस ने बेकरी संचालक पर जानलेवा हमले के दो आरोपियों को सटीक सूचना पर गिरफ्तार कर जेल भेजा है। आरोपी बर्रा के हरदेवनगर निवासी सुधांशु तिवारी और योगेंद्र विहार के खाड़पेर निवासी अभिषेक साहू हैं। नौबस्ता थानाप्रभारी बहादुर सिंह ने बताया कि आठ नवंबर की रात आवास विकास हंसपुरम में बेकरी संचालक श्यामजी तिवारी पर हमला हुआ था। करीब 10 बाइकों पर आए नकाबपोशों ने मारपीट कर दुकान में तोड़फोड़ की थी। आरोप है कि हमलावरों में दस हजार रुपये की मांग की थी। मना करने पर पीटा। गले से चेन तोड़ने और 20 हजार रुपये लूटने का भी आरोप था।

कड़कड़ाती ठंड को झेलने के लिए तैयार होंगे रैन बसेरे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- भौतिक जांच के लिए सात एसीएम समेत तहसीलदार और नगर निगम अधिकारी लगाए गए
- डीएम ने जल्द मांगी रिपोर्ट, कहा खुले में सोने से रोकने के लिए रैन बसेरों के आस-पास करें प्रसार

काकादेव में बना नगर निगम का रैन बसेरा। अमृत विचार

अमृत विचार। शहर का तापमान धीरे-धीरें ठंडा होता जा रहा है। ऐसे में प्रशासन को खुले आसमान के नीचे रहने वाले लोगों की याद भी सताने लगी है। दिसंबर और जनवरी की कड़कड़ाती ठंड से बचाने के लिए तैयारी शुरू हुई है। शहर में मौजूद प्रमुख रैनबसेरों की भौतिक जांच के लिए जिलाधिकारी ने सात एसीएम समेत तहसीलदार और नगर निगम अधिकारी लगाए हैं। यह टीम रैनबसेरे में शौचालय, सेनेटाइजर, साबुन, रहने का बिस्तर, भवन की स्थिति, विद्युत, पेजयल, साफ-सफाई समेत अन्य सुविधाओं की जांच करेगी। जिलाधिकारी ने जल्द रिपोर्ट मांगी है।

शीत लहर में निराश्रित व बेघरों को ठंड से बचाने के लिए नगर निगम हर बार अपने रैन बसेरों में रहने के साथ ही अलाव की भी व्यवस्था करता है। इसके साथ ही अस्थाई आश्रय स्थल भी बनाए जाते हैं। प्रमुख रूप से शहर में 32 रैन बसेरे हैं। वहीं, घाटमपुर, बिल्हौर और नर्वल तहसील में भी 7 रैन बसेरे हैं। जिलाधिकारी ने इन सभी रैन बसेरों में सुविधाओं और भवनों की जांच के लिए टीम को तैनात किया है। इसमें एसडीएम, एसीएम 1 से 7 तक के साथ तहसीलदारों को भौतिक जांच के लिए लगाया है। सभी प्रशासनिक अधिकारियों के साथ नगर निगम के जोनल अधिकारी और तहसील के अधिशाषी अधिकारियों को भी रैनबसेरों की जांच के लिए तैनात किया है। यह सभी अपने-अपने रैनबसेरों में जाकर जाचेंगे की यहां रहने की व्यवस्था व सुविधाएं है कि नहीं है। सभी अधिकारियों को हर रैनबसेरे के लिए एक प्रोफार्मा भरना जरूरी होगा। कई स्थानों पर रैन बसेरों की हालत खराब है।

शहर के मुख्य रैनबसेरे

- फूलबाग बाल भवन के बगल में, सरसैयाघाट रैन बसेरा, घंटाघर रेलवे स्टेशन, सुरतखाना रेलवे स्टेशन 8 नम्बर प्लेटफार्म के पास, सुतरखाना नया शेल्टर होम, बीएन भल्ला चिकित्सालय, ढकना पुरवा ट्रान्सपोर्ट नगर, उस्मानपुर अस्पताल, झकरकटी बस अड्डा, पहाड़पुर रैन बसेरा, श्याम नगर डम्प, जाजमऊ सामुदायिक केन्द्र, रामादेवी चौराहा (अस्थायी रैन बसेरा), बादशाहीनाका कलक्टरगंज सब्जी मण्डी के अन्दर, एक्सप्रेस रोड, चाचा नेहरू अस्पताल परिसर, डिप्टी का पडाव, लाला लाजपतराय, परमट पेट्रोल पम्प के पीछे, हृदय रोग संस्थान के पास (नवनिर्मित), मछली याले हाते के सामने, भैरवघाट मार्ग पर, वर्कशाप परिसर चुन्नीगंज, विजय नगर चौराहा, गंदा नाला चौराहा, कालपी रोड, काकादेव कुलवन्ती अस्पताल के बगल में, नवाबगंज मैटरनिटी सेंटर, शिवली रोड कल्यानपुर, जागेश्वर अस्पताल, रतन शुक्ला इण्टर कॉलेज, दर्शनपुरवा मैटरनिटी सेण्ट,र हरिहर नाथ शास्त्री पार्क, पनकी मन्दिर।

114 चौराहों पर अलाव जलवाने की तैयारी

- नगर निगम से मिली जानकारी के अनुसार शहर के प्रमुख स्थानों पर अलाव जलाने के लिए लगभग 80 लाख रुपये से 9920 क्विंटल लकड़ी खरीदने की तैयारी है। प्रमुख चौराहों व बाजारों, अस्पतालों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन व घनी आबादी क्षेत्र में 114 स्थान अलाव के लिए चिह्नित किए गए हैं।

मलबे में दफन नगर निगम के डस्टबिन

शहर में स्वच्छता की जिम्मेदारी जिस विभाग की है उसके संयंत्र मलबे के ढेर में दफन हैं तो शहर को स्वच्छ रखने का संकल्प कैसे पूरा होगा। नगर निगम के अधिकारी, सफाई कर्मी और जनप्रतिनिधियों की अनदेखी का यह परिणाम है कि सर्वोदय नगर में मेडिकल कॉलेज ओवर ब्रिज के नीचे सड़क पर बने अवैध कूड़ा अड्डा में नगर निगम के डस्टबिन कचरे के ढेर में दफन हो गए। अलग-अलग सूखा गीला कचरा एकत्र करने वाले रंग बिरंगे डिब्बों में मलबा भरा हुआ है। ● अमृत विचार

पुलिस कमिश्नर को झंडा लगाया गया। अमृत विचार

नेग को लेकर किन्नरों में मारपीट, दो पक्ष भिड़े

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- दोनों पक्ष ने थाने में दी तहरीर, जांच कर रही पुलिस

अमृत विचार। चकेरी में शादी समारोह में नेग को लेकर हुए विवाद में किन्नरों के दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई। दोनों पक्षों ने पुलिस से शिकायत कर थाने में तहरीर दी है। सनिगवां के एक गेस्ट हाउस में शनिवार रात शादी समारोह का कार्यक्रम चल रहा था। इसी बीच किन्नरों के दो पक्ष नेग लेने के लिए पहुंच गए। एक दूसरे को देखकर दोनों पक्षों में गेस्ट हाउस के बाहर ही कहासुनी फिर मारपीट शुरू हो गई। बरातियों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें किसी तरह शांत कराया। रविवार को दोनों पक्ष ने थाने पहुंचकर मारपीट की तहरीर दी है। एक पक्ष से सनिगवां कांशीराम कॉलोनी निवासी रोली गुड़िया ने बताया कि शनिवार रात नौबस्ता निवासी काजल किन्नर अपने साथियों के साथ जबरन शादी में नेग लेने पहुंची थी। जब उन्होंने पहुंचकर क्षेत्र उनका होने की बात कही तो काजल ने अपने साथी किन्नरों के साथ रोली गुड़िया समेत उनके साथियों के साथ मारपीट कर दी। वहीं दूसरे पक्ष की काजल किन्नर ने आरोप लगाया कि वह अपने ही क्षेत्र में नेग लेने पहुंची थी। लेकिन पहले से घात लगाए रोली गुड़िया समेत उनके साथियों ने मारपीट कर उनकी चेन, अंगूठी और 35 हजार रुपये लूट लिए हैं। दोनों पक्षों में पहले भी मारपीट हो चुकी है। थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। कार्रवाई की जाएगी।

घर में संदिग्ध हालात में शिक्षिका की गई जान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- पति ने पहले कहा, बाथरूम में फिसलीं, फिर बोले बेड से गिरीं
- मायकेवालों ने कहा, संदेह के कारण कराया जा रहा पोस्टमार्टम

साधना यादव।

अमृत विचार। नौबस्ता में संदिग्ध हालात में घायल शिक्षिका की मौत हो गई। शिक्षक पति के बयान पर संदेह जताते हुए मायकेवालों ने पुलिस से शिकायत की। सूचना पर पुलिस ने जांच-पड़ताल के बाद शव पोस्टमार्टम भेजा। महिला के परिजनों ने कहा कि पति ने पहले बाथरूम में फिसलने फिर बेड से गिरने की बात बताई। जिससे संदेह हुआ।

हंसपुरम निवासी राव गजेंद्र यादव कानपुर देहात के बहवलपुर स्थित प्राइमरी विद्यालय में शिक्षक हैं, जबकि उनकी 42 वर्षीय पत्नी साधना प्रतापपुर पतारा के प्राइमरी विद्यालय में शिक्षिका थीं। उनके एक बेटा श्रेयस है। राव गजेंद्र ने बताया कि उनके घर में निर्माण व मरम्मत का काम चल रहा है। इसलिए नीचे वाले पोर्सन में वह सो रहे थे। पत्नी और बेटा अलग कमरे में सोए थे। शनिवार सुबह जब वह उठे तो बाथरूम में पत्नी को घायल अवस्था में पड़ा पाया। तत्काल उन्हें समीप के निजी अस्पताल ले गए। इलाज के दौरान रविवार रात पत्नी की मौत हो गई। हादसे की खबर पाकर पहुंचे शिक्षिका के मायके वालों ने आरोप लगाया कि दामाद की बातों पर संदेह है। पहले उसने बेटी के बाथरूम में फिसलने की बात कहीं, बाद में बताया कि बेड से गिरी है। दो चीजों के कारण पुलिस से शिकायत की गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत की वजह स्पष्ट होने पर आगे के लिए विचार होगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट अनुसार ब्रेन हेमरेज और कोमा में जाने से मौत हुई है। हेमरेज होने से महिला गिरी थी, जिससे सिर पर चोट आई है। नौबस्ता थाना प्रभारी ने बताया कि परिवार की तरफ से तहरीर नहीं मिली है। तहरीर और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई होगी।

सबसे पहले यूपी पुलिस को मिला था शौर्य प्रतीक झंडा

विशेष संवाददाता, कानपुर

- पहले प्रधानमंत्री ने यूपी पुलिस और पीएसी को 23 नवंबर 1952 को प्रदान किया था
- इसका लाल रंग पराक्रम, नीला रंग न्याय और कानून-व्यवस्था का है प्रतीक
- एडीसीपी महेश कुमार ने पुलिस आयुक्त को पुलिस झंडे से अलंकृत किया

अमृत विचार। पुलिस की आन-बान-शान, गर्व, पराक्रम, शौर्य और न्याय के प्रतीक झंडे को रविवार को सेल्यूट कर उसे धारण किया गया। पीएसी अफसरों ने भी ऐसा ही किया। पुलिस अफसरों के बीच एडीसीपी महेश कुमार ने पुलिस आयुक्त रघुवीरलाल को पुलिस झंडे से अलंकृत किया और इसके बाद अन्य पुलिस कर्मियों ने भी इसे गर्व और ससम्मान सीने पर धारण किया। यह पुलिस के लिए गर्व का प्रतीक होने के साथ उन्हें उनके कर्तव्य और निष्ठा की भी याद दिलाता है।

आजादी के बाद 23 नवंबर 1952 में देश प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने यूपी पुलिस के साथ पीएसी को उसकी पहचान ध्वज प्रदान किया था, जो उनके सम्मान और कर्तव्य का प्रतीक है। इसी कारण 23 नवंबर को पुलिस झंडा दिवस मनाया जाता है। पुलिस आयुक्त रघुवीरलाल ने यही बात दोहराई, झंडे का महत्व बताते हुए इसकी शान कायम रखने के लिए प्रेरित किया। इस झंडे को वर्दी पर धारण कर सभी पुलिस वालों का सीना गर्व से फूल जाता है। उन्हें देश और जनसेवा के दौरान बलिदान हुए अपने साथियों की भी याद ताजा कर देता है। इस झंडे का लाल रंग शौर्य, पराक्रम, वीरता का प्रतीक है तो नीला न्याय और कानून-व्यवस्था का। इसकी आन और शान के लिए न जाने कितने पुलिसकर्मियों ने अपनी जान कुर्बान कर दी। इसमें कानपुर के वे आठ पुलिस वाले भी हैं, जो 2020 में चौबेपुर के बिकरू गांव में शातिर विकास दुबे से मुठभेड़ के दौरान शहीद हो गए थे और वह जांबाज सिपाही धर्मेन्द्र भी, जो मॉल रोड पर डीटू गैंग से मुठभेड़ के दौरान जान गंवा बैठा था।

राहत | जूही में नलों से जल्द मिलेगा पानी, वाटर लाइनों के गैप जुड़ना शुरू

1700 परिवारों को गंदे पानी से मुक्ति जल्द

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- बड़ी आबादी पी रही गंदा पानी, अधूरी पेयजल लाइन से स्थानीय परेशान

अमृत विचार। जुही बम्बुरहिया में पिछले कई दशक से चली आ रही पेयजल समस्या का जल्द समाधान होगा। यहां हर परिवार को शुद्ध पेयजल उपलब्ध होगा। एनजीटी की सख्ती और क्षेत्रीय पार्षद के लगातार विरोध के बाद यहां 1500 मीटर नई पाइप लाइन पड़ने का रास्ता साफ हो गया है। इसके साथ ही पूर्व में पड़ी अधूरी पेयजल लाइन के गैप भी जोड़ने की शुरुआत हो गई है। जलकल जीएम एके त्रिपाठी के आश्वासन के बाद कार्य शुरू हुआ है। कार्य पूरा होने के बाद 1700 परिवारों को सीधा लाभ मिलेगा।

जुही बम्बुरहिया के पानी की जांच में क्रोमियम व मरकरी पाया गया है। जिसके बाद यहां सबमर्सिबल पंपों में पानी लेने पर रोक लगी है। मौजूदा समय में टैंकर व अन्य व्यवस्था से पानी पहुंचाया जा रहा है जो पूरी आबादी के लिए पूरा नहीं हो रहा है। पानी की कमी की वजह से स्थानीय लोग दूषित पानी तक पी जा रहे हैं इससे लोग बीमार पड़ रहे। जलकल विभाग द्वारा जुही बम्बुरहिया में प्रत्येक गली में अलग-अलग आगणन बनाकर लगभग 1500 मीटर नयी पाइप लाइन डालकर पूरी जुही बम्बुरहिया पाइप लाइन द्वारा पानी पहुंचाने की जुगत शुरू हुई है। क्षेत्रीय पार्षद शालू सुनील कनौजिया ने बताया कि अलग-अलग स्थानों पर गैप जोड़कर पानी की सप्लाई जल्द शुरू होगी। इससे क्षेत्र में रहने वाले लगभग 1700 परिवारों को दूषित जलापूर्ति से मुक्ति मिल जायेगी।

क्षेत्र में पाइप लाइन को जोड़ने का कार्य शुरू हो गया है। अमृत विचार

पुलिसिया कारनामा, रिपोर्ट दर्ज कर दूसरे दिन खुलासा

- डीसीपी दक्षिण के निर्देश पर रिपोर्ट दर्ज की थी

कानपुर। नौबस्ता पुलिस ने चोरी के पीड़ित को चौंका दिया। पहले रिपोर्ट दर्ज करने लिए टरकाया। फिर डीसीपी दक्षिण के निर्देश पर मुकदमा हुआ। उसके अगले दिन ही चोरी का खुलासा कर दिया। हालांकि चोरी करने वाले सीसीटीवी कैमरे में कैद मिले थे। पुलिस ने चोरी का माल खरीदने वाले ज्वैलर्स को भी गिरफ्तार किया है। 1900 रुपये नकद और चांदी व सोने की छड़ बरामद की हैं।

नौबस्ता थानाप्रभारी बहादुर सिंह ने बताया कि भूरेपुरवा में 18 नवंबर को ऑटो चालक दीपू शुक्ला के बंद घर में चोरी हुई थी। बाइक सवारों ने वारदात को अंजाम दिया था। घटना के समय दीपू का परिवार गंगापुर में भांजी की शादी कार्यक्रम में शामिल होने गया था। शाम को लौटने पर उन्हें घटना की जानकारी हुई थी। सूचना के बाद पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले तो एक कैमरे में बाल अपचारी पर्स और डिब्बों से गहने निकालते कैद हुआ। गहनें निकालने के बाद खाली पर्स और डिब्बों को छोड़ गया था। इसके बाद से पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। रविवार दोपहर उसके क्षेत्र में एक अस्पताल के पास बैठे होने की जानकारी हुई। इस पर उसे दबोच लिया गया। पूछताछ में उसने चोरी का माल राजीव विहार निवासी कबीर ज्वैलर्स के मालिक योगेंद्र सोनी को बेचने की जानकारी दी। इस पर उसे भी भूरेपुरवा तालाब के पास से गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास से 1900 रुपये और गहनों को गलाकर तैयार की गई चांदी की छड़ और सोना बरामद किया है। बाल अपचारी को बाल सुधार गृह इटावा भेजा गया है। ज्वैलर्स को जेल भेजा गया है।

सिटी ब्रीफ

5,121 परीक्षार्थी अनुपस्थित

कानपुर। सीएसजेएम विश्वविद्यालय की सत्र 2025-26 विषम सेमेस्टर की परीक्षाओं में कुल 120019 परीक्षार्थी उपस्थित रहें। जिसमें 46,807 छात्र एवं 73,212 छात्रायें थी। 5,121 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहें। जिसमें 2751 छात्र व 2370 छात्रायें थी। विश्वविद्यालय परीक्षा सातों जिलों में सम्पन्न हुई। विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षाओं को सुचारू रूप से सम्पन्न कराने के लिए पर्यवेक्षक की भी नियुक्ति की गई थी।

व्यापारियों की बैठक होगी आज

कानपुर। उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल कानपुर नगर की पदाधिकारी मंडल की बैठक सोमवार को आयोजित की गई है। उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल कार्यालय लाजपत नगर में होने वाली इस बैठक में शाम को व्यापारी महत्वपूर्ण ऐलान कर सकते हैं। व्यापार मंडल के प्रदेश प्रभारी व कानपुर महानगर अध्यक्ष कपिल सब्बरवाल ने बताया कि बैठक में विभिन्न व्यापारिक समस्याओं के निदान के उपायों पर चर्चा होगी। इसके अलावा संगठन को शक्ति प्रदान करने पर भी विचार किया जाएगा।

राज नारायण याद किये गये

कानपुर। महान समाजवादी चिंतक एवं स्वतंत्रता आंदोलन के सेनानी लोकबंधु राज नारायण की जयंती पर सपा महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद की अध्यक्षता में सपा कार्यालय में विचार गोष्ठी एवं श्रद्धांजलि सभा हुई। संचालन वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिन्टू ने किया। प्रदेश सचिव के के शुक्ला, महासचिव संजय सिंह, नंदलाल जायसवाल, सत्यनारायण गहरवार, राजू पहलवान अंसारी, राजेंद्र जयसवाल आदि मौजूद रहे।

फर्म ने माल का आर्डर देकर 1.12 करोड़ हड़पे

कानपुर। स्वरूपनगर में मक्का कारोबारी ने दूसरी फर्म के दंपती समेत तीन पर 1.12 करोड़ की धोखाधड़ी करने का आरोप लगाते हुए कोर्ट के आदेश पर रिपोर्ट कराई है। स्वरूननगर स्थित एसआर इंडस्ट्रीज के मालिक राज गुप्ता ने बताया कि वह फर्म से मक्का बिक्री करते है। कुछ समय पहले लखनऊ ओमैक्स वॉटर स्केप टॉवर स्थित टीवीएफ एग्रो प्रोडक्ट्स फर्म की मालिक रेनू सिंह, उनके पति विनोद सिंह व तेज प्रताप सिंह ने शुरुआत में छोटे-छोटे आर्डर देकर समय पर भुगतान किया। फिर कई बार बड़े आर्डर देकर करीब 1.12 करोड़ रुपये भुगतान नहीं किया। पैसे मांगने पर आरोपियों ने गाली-गलौज कर फर्जी मुकदमे फंसाने की धमकी दी। थाना प्रभारी ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच की रही है।

200 से अधिक नेत्र रोगियों की जांच

कानपुर। श्री द्वारिकाधीश नेत्र चिकित्सालय द्वारा एम ब्लाक किदवई नगर में डॉ. पीएन द्विवेदी, डॉ. रवि गुप्ता द्वारा रविवार को नि:शुल्क नेत्ररोग शिविर लगाया गया। जिसमें 200 से अधिक रोगियों जिसमें मोतियाबिंद आपरेशन के लिए रोगियों का चयन एवं रेटिना की जांच समेत विभिन्न नेत्र रोगों की जांच अत्याधुनिक उपकरणों द्वारा की गई। रोगियों को चश्मा भी वितरित किया गया।

एसआईआर भाजपा की रीढ़, विपक्ष की राजनीति ठंडी

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) बीएल संतोष ने 17 जिलों के पदाधिकारियों के साथ की बैठक, एक-एक जानकारी जुटाई

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। अभियानों की समीक्षा करने रविवार को शहर आए भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) बीएल. संतोष ने कहा कि विपक्ष गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) का विरोध इसलिए कर रहा है, क्योंकि सही पुनरीक्षण में बोगस एवं मृतक नाम स्वतः कट रहे हैं, जिससे विपक्ष की राजनीति प्रभावित होती है। गहन पुनरीक्षण अभियान भाजपा की संगठनात्मक रीढ़ बन गया है। भाजपा पदाधिकारियों के साथ बैठक के दौरान उन्होंने एक-एक बीएलए-2 से जानकारी भी हासिल की।

कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र के सभी 17 जिलों के जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारी, जिला प्रवासी, सांसद, विधायक, महापौर एवं जिला पंचायत अध्यक्षों के साथ क्षेत्रीय कार्यालय नौबस्ता में आयोजित बैठक में राष्ट्रीय महामंत्री का फोकस एसआईआर पर रहा। बीएल संतोष ने कहा कि गहन मतदाता पुनरीक्षण अभियान पार्टी की शीर्ष प्राथमिकता है। हर स्तर के कार्यकर्ता का प्रथम दायित्व है कि एक-एक पात्र नागरिक मतदाता बन जाए। सभी कार्यकर्ता प्रतिदिन अपने-अपने बूथ पर नियमित प्रवास करें और बीएलओ का पूरा सहयोग दें। उन्होंने कहा कि बूथ पर जिन मतदाताओं का निधन हो चुका है या जो कहीं और स्थानांतरित हो गए हैं, उनका विवरण चिन्हित कर बीएलए-2 तत्परता से कार्य करें। कहा कि वर्ष 2003 के बाद यह सबसे गहन पुनरीक्षण अभियान है, जिसे चुनाव आयोग बिहार चुनाव के बाद देशभर में चला रहा है। हर बूथ पर प्रत्येक कार्यकर्ता की सक्रियता ही सुदृढ़ लोकतंत्र की आधारशिला है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों ने निर्देशों का पालन कर अभियान को गति देने का संकल्प भी दिलाया। इस दौरान उन्होंने पूछा कि सभी जिलों में वंदे मातरम् का गान हुआ है या नहीं, जिसपर पदाधिकारियों ने जानकारी दी। उन्होंने लौह पुरुष सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर चल रही एकता यात्रा की प्रगति भी मांगी। इसके साथ मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान में बीएलए-2 की सक्रियता, बूथवार प्रगति व दैनिक रिपोर्टिंग की भी चर्चा की। बैठक में मुख्य रूप से प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल, क्षेत्रीय प्रभारी अनूप गुप्ता, प्रदेश उपाध्यक्ष मानवेंद्र सिंह, कमलावती सिंह, देवेश कोरी, क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल, जिला अध्यक्ष शिवराम सिंह, अनिल दीक्षित, उपेंद्र पासवान, अनूप अवस्थी, क्षेत्रीय मंत्री सुनील तिवारी, देवेंद्र देव गुप्ता, वीरेंद्र तिवारी, रामकिशोर साहू के साथ सांसद रमेश अवस्थी, महापौर प्रमिला पांडेय व सभी विधायक व अन्य नेता रहे।

सांसद-विधायक मलिन बस्तियों में जाकर भरवाएं फॉर्म: भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) बीएल. संतोष ने बैठक के दौरान विशेष तौर पर सांसद और विधायकों को निर्देश देते हुए कहा कि जहां हम हारे हैं उन बूथों पर प्रवास करें। मतदाता तक पहुंचे। कहा कि बस्तियों में जिन्हें फॉर्म भरने के दिक्कत है वहां भी जाइए और बीएलए-2 और खुद भी फॉर्म भरवानें में लोगों की मदद करें। राष्ट्रीय महामंत्री ने साफ कहा कि मृतक वोटों को हर हाल में हटवाना है। जो वोट शिफ्ट हुए हैं, यदि वह एक ही परिवार के हैं तो जरूरत के हिसाब से उसे कटवाना व नई जगह जुड़वाना है। 17 जिलों की 52 विधानसभा सीटों पर ऐसा करना है।

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) बीएल संतोष बीच में बोलते हुए, साथ में अन्य पदाधिकारी। अमृत विचार

मोदी की आकृति का अनावरण करते धर्मपाल। अमृत विचार

- एसआईआर को लेकर बीएलए-2 से ली जानकारी
- बिहार की जीत के लिए शहर के प्रवासियों को सराहा
- एसआईआर पार्टी की शीर्ष प्राथमिकता में है, सभी पदाधिकारी मन से जुटें

बिहार की जीत के लिए सहयोगियों का आभार

- राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) बीएल. संतोष ने कहा कि बिहार चुनाव की प्रचंड विजय सभी कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम है, उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं को बधाई दी। कहा कि विपक्ष द्वारा फैलाए गए वोट चोरी के नेरेटिव को बिहार के जागरूक महिला एवं युवा मतदाताओं ने सिरे से नकार दिया। बिहार में एनडीए को प्राप्त 48 फीसदी मत सभी गठबंधन दलों के कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम है। उन्होंने कहा कि कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र के युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं एवं महिला विधायकों ने भी बिहार चुनाव में प्रवास कर अहम योगदान दिया, जिसके लिए सभी प्रशंसा के पात्र हैं।

चूड़ा, चावल और कमलगट्टे से बनी मोदी की आकृति

- **कानपुर।** भाजपा प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल ने भाजपा जिला कानपुर उत्तर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आकृति का अनावरण किया। यह आकृति चावल के चूड़ा से निर्मित की गई है। इसमें आंखों का स्वरूप कमलगट्टा से, चश्मे का स्वरूप काले तिल से तथा आंखों की पुतली सफेद चावल से बनाई गई है। इस अवसर पर सांसद रमेश अवस्थी, जिला अध्यक्ष अनिल दीक्षित, रोहित साहू, सुनीता गौड़, विधि राजपाल, अभीराज सिंह चंदेल, यश जायसवाल, अभिषेक दीक्षित आदि रहे।

बीएस-4 को कमजोर करने वालों का निष्कासन होगा

कानपुर। उत्तर प्रदेश में 2027 में होने वाले विस चुनाव में उन्हीं बीए-4 के कार्यकर्ताओं को विस प्रत्याशी बनाया जाएगा जो जनता के बीच अभी से जा रहे हैं और लोगों की समस्याओं का समाधान करा रहे हैं।

रविवार को बीएस-4 का लक्ष्मीपुरवा में सम्मान समारोह एवं संगोष्ठी आयोजित किया गया जिसमें महिला मोर्चा कानपुर उत्तर की जिलाध्यक्ष पूजा अहेरवार ने कहा कि कुछ लोग संगठन को कमजोर करने का कार्य कर रहें है। ऐसे लोग नहीं सुधरे तो जल्द ही उन्हें पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पार्टी में भाई भतीजावाद भी नहीं चलेगा क्योंकि बीएस-4 एक अम्बेडकरवादी मिशन का नाम है। वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष राजू भारती बाल्मीकि ने समाज में और तेजी से जुड़ाव लाने के लिये कहा। कानपुर के मुख्य मंडल प्रभारी बनाये जाने पर संजय सिंह एवं महिला मंडल महिला मोर्चा की प्रभारी फूलमती गौतम को वरिष्ठ नेता सुनैना धीमति एवं पूजा अहेरवार ने फूलमाला पहनाकर उनका स्वागत किया। राजेश कुमार, अलीहसन राईनी, डॉ. राकेश, जगनाथ वर्मा, बालमुकुंद वर्मा, राजेश राठौर, प्रमोद कुमार मधुपिया, ओमप्रकाश पेंटर धीमान, यशोदा बाल्मीकि, रानी बाल्मीकि, पूनम सागर, मालती देवी, पूजा कपूर, पूजा देवी, गीता देवी रहीं।

तिलक हाल में कांग्रेस ग्रामीण की बैठक हुई। अमृत विचार

वास्तविक वोटर कटें न, फर्जी वोटर बढ़ें न

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- कांग्रेस कमेटी कानपुर नगर ग्रामीण की तिलक हाल में समीक्षा बैठक

अमृत विचार। जिला कांग्रेस कमेटी कानपुर नगर ग्रामीण के जिलाध्यक्ष संदीप शुक्ला ने आरोप लगाया है कि एसआईआर में भाजपा दलितों, पिछड़ों, विशेषकर अल्पसंख्यकों को वोट कटवाना चाहती है। ऐसे में कांग्रेस के बीएलए और प्रदेश कांग्रेस द्वारा नियुक्त कोआर्डिनेटर सतर्क रहें और वोटों पर पैनी निगाह रखें। बैठक में महाराजपुर विधानसभा कोआर्डिनेटर अंकित कन्नौजिया और राजू कश्यप ने भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा बोना फाइड वोटर को डिलीट कराए जाने और फर्जी वोटर बढ़ाए जाने का मामला रखा।

बैठक में जिला कांग्रेस ग्रामीण के जिलाध्यक्ष संदीप शुक्ला ने सभी कोआर्डिनेटर और जिला पदाधिकारियों से बीएलए-2 एवं एसआईआर फॉर्म संबंधी कार्यवाही की प्रगति रिपोर्ट लेकर समीक्षा की। संदीप शुक्ला ने कहा कि इस अभियान में बीएलए-2 की महत्तवपूर्ण भूमिका होगी। फॉर्म 6 और 7 का उपयोग वोटर बढ़ाने और वोटर घटाने में सजगता से करनी होगी ताकि वास्तविक वोटर कटने न पाए और फर्जी वोटर भाजपा बढ़ाने न पाए। इसकी सतत निगरानी जरूरी है। कल्याणपुर विधानसभा कॉर्डिनेटर उमेश दीक्षित, ममता तिवारी ने आरोप लगाया कि बीएलओ सहयोग नहीं कर रहे हैं।

घाटमपुर विधानसभा कॉर्डिनेटर विकास सोनकर, ग्रीन बाबू सोनकर, बिठूर विधानसभा कॉर्डिनेटर पुरुषोत्तम त्रिपाठी सतीश दीक्षित आनंद मेहरोत्रा, उमेश दीक्षित, इखलाक अहमद डेविड, राजू कश्यप, शक्ति पांडेय, चंद्र मौली बाजपेई, अजय सिंह, अनिकेत मिश्रा, विजय त्रिवेदी, संदीप मिश्रा, प्रदीप बाजपेई आदि मौजूद रहे।

पराली न जलाएं उसकी खाद बनाएं

कानपुर। सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर की ओर से ग्राम चौपाल लगाई गई। इस दौरान विशेषज्ञों ने किसानों को पराली को जलाने से होने वाले नुकसान के बारे में बताया। यह भी सुझाव दिया कि यदि वे पराली को खाद के रूप में इस्तेमाल करते हैं तो उनके व्यय की बचत होगी।

अनूपपुर गांव में कृषि चौपाल के दौरान किसानों को पराली न जलाने और उसे वैज्ञानिक तरीके से संभालने के महत्व पर जोर दिया गया। मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसानों को फसल अवशेषों को जलाने से होने वाले वायु प्रदूषण और मिट्टी की उर्वरता में कमी के नुकसान बताए। पराली को खेत में मिलाकर खाद बनाना, सुपरसीडर एवं हैप्पीसीडर से गेहूं की बुवाई करने की सलाह दी।

विद्यालयों में शिक्षा मिल रही पर संस्कार नहीं

प्रतियोगिता

कार्यालय संवाददता, कानपुर

- कैलाश सरस्वती इंटर कालेज में हुई प्रतियोगिता
- भारत को जानो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

अमृत विचार। कैलाश सरस्वती इंटर कालेज में भारत विकास परिषद, ब्रह्मावर्त प्रांत की ओर से प्रांत स्तरीय 'भारत को जानो प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रांत के 97 विद्यालयों के लगभग 17 हजार बच्चों ने शिरकत की। जिसमे शाखा स्तर पर आयोजित 40 छात्र और छात्रायें कनिष्ठ और वरिष्ठ वर्ग के विजयी बच्चों ने रविवार को अपनी मेधा दिखाई। प्रतियोगिता में विजेता घोषित किए गए।

प्रेम चन्द्र अग्निहोत्री, निदेशक कैलाश सरस्वती इंटर कालेज कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि लॉर्ड मैकाले की शिक्षा पद्धित्ति ने गुरुकुल परम्परा को नष्ट कर दिया। जिससे छात्र छात्राओं में संस्कारों का क्षय हो रहा है। विद्यालयों में शिक्षा तो दी जा रही है परन्तु संस्कार नहीं। पूर्ण चंद्र विद्यानिकेतन के तनिष्क जादौन व परव मिश्रा व बीएनएसडी शिक्षा निकेतन अवनीश शर्मा व अक्षिता सिंह ने कनिष्ठ वर्ग में बाजी मारी। वरिष्ठ वर्ग में बीएनएसडी शिक्षा निकेतन के अमित कुमार व यश गौतम व मैचलेश विद्या मंदिर इंटर कॉलेज उन्नाव के अनुष्का प्रजापति व सौरभ पाल विजेता बने। प्रतियोगिता के अंतिम चरण में प्रांतीय अध्यक्ष राकेश कुमार श्रीवास्तव व गिरधारी लाल देवनानी ने विचार व्यक्त किए।

प्रश्न मंच का संचालन मादित्य कुमार शुक्ल, प्रांतीय उपाध्यक्ष संस्कार ने किया। प्रतियोगिता में विमलेश अवस्थी, क्षेत्रीय गतिविधि संयोजक पर्यावरण, राकेश कुमार श्रीवास्तव, प्रांत उपाध्यक्ष, बीएनके चतुर्वेदी, प्रांत कीर्ति स्तम्भ, सुरेश चन्द्र श्रीवास्तव, पूर्व गतिविधि संयोजक संस्कार, कमलेश कुमार धीवास्तव, प्रांतीय वित्त सचिव सहित अन्य मौजूद रहे।

प्रतियोगिता में विजयी बच्चों को पुरस्कार दिए गए। अमृत विचार

कठिन चुनौतियों के लिए रोटरी तैयार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- रोटरी क्लब कानपुर सेन्ट्रल की संगोष्ठी

अमृत विचार। रोटरी ने देश से पोलियो को समाप्त किया जिससे समाज में एक सकारात्मक बदलाव हुआ। प्राकृतिक आपदाओं पर भी त्वरित कार्रवाई की जाती है, चुनौतियां चाहे जितनी कठिन हों, रोटरी का कार्य जारी रहेगा। ये कहना है कि रोटरी के चार्टर्ड प्रेसीडेंट डॉ. डीएन रायजादा का। रविवार को रोटरी क्लब कानपुर सेन्ट्रल द्वारा' ग्लोबल ग्रांट एवं डिस्ट्रिक ग्रांट' विषयक एक संगोष्ठी का आयोजन गैन्जेज क्लब में किया गया। यह विषय रोटरी फाउंडेशन माह के अनुसार लिया गया। पी डी जी, रोटेरियन दिनेश चन्द्र शुक्ल ने विषय पर कहा कि हमारे देश में पैसे की नहीं बल्कि योजना की कमी है। इसी योजना से रोटरी ने देश से पोलियो को समाप्त किया जिससे समाज में एक सकारात्मक बदलाव हुआ। प्राकृतिक आपदाओं पर भी फाउंडेशन त्वरित कार्रवाई करता है। डॉ डी एन रायजादा ने कहा चुनौती कितनी भी कठिन हो हमारा काम जारी रहेगा। अध्यक्ष जफर इकबाल ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। सचिव डॉ नीलम त्रिवेदी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर डॉ यूसी सिन्हा, डॉ वेद अग्रवाल, डॉ रश्मि रायजादा, राकेश उपाध्याय, डॉ एसके जयपुरिया एवं रोटेरियन्स उपस्थिति रहे।

कार्यशाला को संबोधित करते डॉक्टर। अमृत विचार

तेजी से बढ़ रहा त्वचा रोग समय से इलाज जरूरी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- रीजेंसी हॉस्पिटल की ओर से हुई कार्यशाला

अमृत विचार। रीजेंसी हॉस्पिटल के लेव साइंसेज विभाग ने आईएपीएम यूपी चैप्टर की ओर से गौर हरि सिंघानिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में डर्मेटोपैथोलॉजी अपडेट का आयोजन किया। इस दौरान बताया गया कि वैश्विक स्तर पर, त्वचा रोग गैर-घातक बीमारियों में चौथे स्थान पर हैं। भारत में इनकी व्यापकता दर 6.3 फीसदी से 11.2 फीसदी तक होती है। बच्चों में यह 35 फीसदी तक है।

कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि डर्मेटोपैथोलॉजी त्वचा रोगों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह ऊतक के नमूने की माइक्रोस्कोप द्वारा जांच करके निदान के लिए स्वर्णमानक प्रदान करती है। यह विशिष्ट रोग पैटर्न की पहचान करने और अन्य स्थितियों को खारिज करने में मदद करता है। यह प्रक्रिया महत्त्वपूर्ण है क्योंकि कई त्वचा रोग दिखने में एक समान होते हैं और सटीक उपचार और पूर्वानुमान के लिए निश्चित निदान (डायग्नोसिस) आवश्यक होती है। यह भी बताया गया कि यदि रोग का निदान प्रारंभिक चरणों में किया जाए, तो बेहतर परिणाम और जीवन की बेहतर गुणवत्ता सुनिश्चित होती है।

सीएमई में इस विषय पर विशेषओं द्वारा कई व्याख्यान दिए गए। सीएमई में डॉ. एमके. सिंह पूर्व प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष, पैथोलॉजी विभाग, एम्स, दिल्ली व डॉ. सोनल शर्मा-विभागाध्यक्ष, पैथोलॉजी विभाग, यूसीएमएम, दिल्ली ने विचार व्यक्त किए। डॉ. मीनाक्षी वट्नानी, डॉ. अतीन सिहई- प्रोफेसर, पैथोलॉजी विभाग, केजीएमयू डॉ. आरए. राव प्रोफेसर, पैथोलॉजी विभाग, एसजीपीजीआई व डॉ. श्वेता ग्रोवर मौजूद रहीं। रीजैसी हॉस्पिटल के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. अतुल कपूर ने सीएमई की शुरुआत की। इस दौरान आईएपीएम, यूपी चैप्टर के अध्यक्ष डॉ. अतिन सिंहई, आयोजन समिति की अध्यक्षा डॉ. अंजलि तिवारी, आयोजन सचिव डॉ. नूपुर त्रिवेदी, डॉ. शैफाली अग्रवाल, डॉ. दीप्ति गुप्ता, कोषाध्यक्ष डॉ. वैभव अग्रवाल और डॉ. पंकज मिश्रा मौजूद रहे।

नेत्र परीक्षण करते डॉक्टर। अमृत विचार

140 मरीजों का नेत्र परीक्षण

कानपुर। सारिम आई केयर हॉस्पिटल गंगा विहार, जाजमऊ का स्थापना दिवस मनाया गया। 9 वर्ष पूरे होने के मौके पर डॉ. काशिफ मेहताब एमएस (आई) ने निशुल्क मोतियाबिंद शिविर का आयोजन किया। जिसके तहत लगभग 140 मरीजों का नेत्र परीक्षण किया गया। जिसमें 30 मोतियाबिंद मरीजों को ऑपरेशन के लिए चिन्हित किये गए। शिविर में आये मरीजों की कई प्रकार की नेत्र से सम्बंधित बीमारियों का परीक्षण किया गया। चिन्हित 30 मरीजों के निशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए समय दिया गया। निशुल्क ऑपरेशन किये जायेंगे। डॉ. मेहताब ने बताया कि मोतियाबिंद तथा और किसी भी प्रकार का ऑपरेशन किसी भी मौसम में कराया जा सकता है, वह पूरी तरह सुरक्षित होते हैं। अस्पताल में आयुष्मान कार्ड द्वारा मरीजों का निशुल्क ऑपरेशन किया जाता है तथा अस्पताल में सभी प्रकार के टीपीए द्वारा कैशलेस ऑपरेशन की सुविधा भी उपलब्ध है। शिविर में सफातुद्दीन खान, जावेद आयूब, मंतशा, प्रभात त्रिवेदी आदि मौजूद रहे।

व्यवस्था | रोजगार संगम पोर्टल पर काउंसलर दिखाएंगे युवाओं को राह

ऑनलाइन हो सकेगी करियर काउंसिलिंग

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

कर सकते हैं चयन

पोर्टल पर विभाग की ओर से लगभग सवा सौ काउंसलर को जोड़े जोन का लक्ष्य है। एक ही जगह पर इतनी बड़ी संख्या में काउंसलर की मौजूदगी से युवा अपनी पसंद के काउंसलर का चयन आसानी से कर सकेंगे। इसके अलावा पोर्टल पर कई सेक्टर के विशेषज्ञ शामिल होंगे। ऐसे में युवा अपनी शिक्षा व ट्रेड के अनुसार काउंसलर का चयन कर सकेंगे।

- अब तक 89 काउंसलर पोर्टल से जुड़े, दिसंबर तक और बढ़ेंगे
- पोर्टल पर नौकरी संबंधी जानकारी के साथ काउंसिलिंग भी

युवाओं को लेना होगा समय

- पोर्टल पर काउंसिलिंग के लिए युवाओं को काउंसलर के साथ पहले से समय लेना होगा। तय समय पर युवा विशेषज्ञ काउंसलर से ऑनलाइन सुझाव हासिल कर सकेंगे। इसके अलावा पोर्टल पर समय-समय पर मास काउंसिलिंग का सत्र चलाए जाने की तैयारी चल रही है। इस सुविधा के तहत कई युवा एक ही साथ काउंसलर केसाथ ऑनलाइन जुड़ सकेंगे।

अमृत विचार। युवाओं को अब करियर काउंसिलिंग के लिए परेशान नहीं होना होगा। न ही उन्हें काउंसलर के लेक्चर का इंतजार करना होगा और न ही उन्हें भारी भरकम फीस चुकानी होगी। सेवायोजन विभाग युवाओं की इस समस्या के समाधान के लिए नई सुविध लेकर आया है। विभाग के रोजगार पोर्टल पर अब युवाओं को ऑनलाइन काउंसिलिंग हासिल हो सकेगी। पोर्टल पर अब तक 89 काउंसलर पंजीकृत हो चुके हैं। अधिकारियों की माने तो दिसंबर के अंतिम सप्ताह तक इनकी संख्या में और अधिक इजाफा हो सकता है।

सेवायोजन विभाग की ओर से शिक्षण संस्थानों में पढाई करने वाले युवाओं के लिए नई सुविधा शुरू होने वाली है। माना जा रहा है कि काउंसिलिंग की यह सुविधा जनवरी महीने से शुरू हो जाएगी। इस सुविधा के तहत युवा सिर्फ एक क्लिक से करियर संबंधी सभी काउंसिलिंग करा सकेंगे। काउंसिलिंग के दौरान युवा साक्षात्कार की तैयारी और अपनी शिक्षा अनुसार करियर का चुनाव संबंधी प्रश्नों के उत्तर भी पूछ सकेंगे। इसके अलावा करियर के बदलाव संबंधी ट्रेंड की जानकारी भी युवा ऑनलाइन ही हासिल कर सकेंगे। युवाओं की ओर से करियर संबंधी असफलता व सफलता का पैमाना भी वे पोर्टल पर विशेषज्ञ काउंसलर के जरिए हासिल कर सकेंगे। युवाओं को दी जाने वाली नई सुविधा पर विभाग की ओर से सभी तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है। पोर्टल पर प्रदेश के अलावा अन्य राज्यों के काउंसलर को जोड़ा जा चुका है। युवा पोर्टल पर अपनी सेवाएं देने वाले काउंसलर से अंग्रेजी और हिंदी दोनो ही भाषाओं में काउंसिलिंग करा सकेंगे। युवाओं को मिलने वाली नई सुविधा पर सहायक निदेशक सेवायोजन उज्जवल कुमार सिंह ने बताया कि पोर्टल पर युवाओं को नौकरी संबंधी जानकारी दिए जाने के साथ ही काउंसलिंग की सुविधा भी मिलेगी। इससे युवाओं को कारियर संबंधी सभी सुविधाएं एक ही पोर्टल पर उपलब्ध हो जाएंगी। युवाओं को कारियर संबंधी समस्याओं के लिए परेशान नहीं होना होगा।

अमृत विचार

कानपुर, सोमवार 24 नवंबर 2025

सिटी ब्रीफ

25 को होंगी परीक्षाएं

कानपुर। श्री गुरु तेग बहादुर जी बलिदान दिवस पर 25 नवंबर को शासन की ओर से सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। इस दिन सीएसजेएमयू परिसर के सभी विभागों, शैक्षणिक संस्थानों व सभी महाविद्यालयों में अवकाश रहेगा। विश्वविद्यालय की ओर से बताया गया कि इस दौरान होने वाली विश्वविद्यालय की परीक्षाएं पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार ही होंगी।

एस्पिरिस ने माइटी मैवरिक्स को हराया

कानपुर। यूनाइटेड चैम्पियंस लीग के पहले मैच में एस्पिरिस ने माइटी मैवरिक्स को रोमांचक मैच में दो रन से पराजित किया। दूसरे मैच में सुविधा ट्रैवल्स ने कानपुर हीरोज को 100 रन से हराया। जाजमऊ मैदान पर खेले गए पहले मैच में एस्पिरिस ने 30 ओवर में छह विकेट पर 181 रन बनाए। टीम की ओर से शहंशाह आलम ने 90 रन व एकलव्य ने 62 रन बनाए। गेंदबाजी में राज सचान ने दो विकेट झटके। जवाब में माइटी मैवरिक्स की टीम 28 .2 ओवर में 179 रन पर ऑलआउट हो गई।

केस्को टीम विजेता बनी

कानपुर। 51वीं यूपी पॉवर सेक्टर डिस्कॉम-परियोजना टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता के डीएवी ग्राउंड पर हुए फाइनल मैच में मेजबान केस्को टीम विजेता बनी। पश्चिमांचल डिस्कॉम की टीम को 30 रनों से हराया। केस्को एमडी सैमुअल पॉल एन ने 20 गेंदों पर 14 रन बनाए। मध्यांचल डिस्कॉम की टीम तीसरे स्थान पर रही। केस्को ने पहले खेलते हुए 9 विकेट खोकर 148 रन बनाए। मयुर तिवारी ने 27 गेंदों पर 30 रन, जय मेहरोत्रा ने 31 गेंदों पर 41 रन, विष्णु ने 25 गेंदों पर 37 रन बनाए। जवाब में पश्चिमांचल की टीम 119 रन ही बना सकी।

करबला वालों के बताये रास्ते पर चलने की शिक्षा

कानपुर। जैनब डे पर अंजुमन मुब्बलिगुल ईमान की जानिब से मकतबे इमामिया जूही मैदान में यौम-ए-जैनब मनाया गया। वक्ताओं ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ सबसे पहले जनाबे जैनब ने ही आवाज उठाई थी। ये बात मोहम्मद आदिल मसूसी ने अपने संबोधन में कही।

गुरु तेग बहादुर जी।

शहीदी पर्व पर निकला नगर कीर्तन। अमृत विचार

महिला जत्था भी शबद गाते चला। अमृत विचार

पंज प्यारों ने की अगुवाई। अमृत विचार

मुगलों की क्रूरता की झांकियां देख भर आईं आंखें

गुरु तेग बहादुर साहिब जी के तीन दिवसीय शहीदी पर्व पर निकला नगर कीर्तन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। गुरु तेग बहादुर साहिब जी के शहीदी पर्व पर निकले नगर कीर्तन में मुगल शासकों की क्रूरता पर आधारित झांकियों को देख लोगों की आंखें भर आईं। झांकियों में गुरु तेग बहादुर साहिब पर किए गए अत्याचारों को दर्शाया गया।

रविवार को श्री गुरु सिंह सभा कानपुर महानगर द्वारा गुरुद्वारा बाबा श्री चंद दरबार ब्लाक नंबर 2 गोविंद नगर से नगर कीर्तन निकाला गया जिसकी अगुवाई पंज प्यारों ने की। सभा के चेयरमैन एवं पूर्व एमएलसी सरदार कुलदीप सिंह एवं सभा के प्रधान सिमरनजीत सिंह ने सफेद गुब्बारे उड़ाकर विश्व शांति का संदेश देने के साथ ही हरी झंडी दिखाकर नगर कीर्तन को रवाना किया। नगर कीर्तन में शामिल झांकियां गुरु पर किए गए जुल्म-ओ-सितम की कहानी बयां कर रही थीं। नगर कीर्तन में सबसे आगे नगाड़ा बजाकर लोगों को सावधान किया जा रहा था कि गुरु महाराज की सवारी आ रही है। उसके पीछे दशमेष शस्त्र दल द्वारा पंजाबी युद्धकला गतका का प्रदर्शन करने के साथ ही अस्त्र-शस्त्र के करतब दिखा रहे थे। अमृतसर से बुलाये गये दरबार साहिब के दरबारी बिगुल बजाते चल रहे थे। विशेष सजे हुऐ रथ पर गुरु महाराज की शाही सवारी चल रही थी इनके पीछे महिलाओं का जत्था शबद कीर्तन करता चल रहा था। नगर कीर्तन पर जगह-जगह फूलों की वर्षा हुई। संगत ने वाहे गुरु का जाप किया। नगर कीर्तन का शुभारंभ अरदास के साथ हुआ। 10 गुरु साहिबान गुरु नानक देव जी महाराज, गुरु अंगददेव जी, गुरु अमरदास जी, गुरु रामदास जी, गुरु अर्जुन देव जी, गुरु हरिगोबिंद जी, गुरु हरिराय जी, गुरु हरिकृष्ण जी, गुरु तेग बहादुर जी, गुरु गोबिंद सिंह जी की झांकियां आकर्षण का केंद्र बनी हुई थीं।

युवाओं ने गतका खेला। अमृत विचार

गुरु ग्रंथ साहिब जी। अमृत विचार

बीड़ साहिब को पालकी साहिब में सजाया

- नगर कीर्तन गोविंदनगर, बाटा चौराहा, चावला मार्केट, कबाड़ी मार्केट, संत नगर चौराहा, गुरुद्वारा कीर्तनगढ़, अशोक नगर होते हुए गुरु गोविंद सिंह द्वार पर पहुंचा जहां पर हजारों श्रद्धालु गुरु साहिब के सवारी का आगमन कर रहे थे वे सावधानी से अदब में खड़े हो गए गुरु गोबिंद सिंह द्वार पर रथ से उतार कर गुरु साहिब की पावन बीड़ साहिब को पालकी साहिब जी में सजाया गया जहां पर सिख नौजवान वीरों ने पालकी साहब को कंधों में उठाकर पंडाल तक पहुंचाया। संगत सड़क के दोनों और खड़ी होकर फूलों की वर्षा करते हुए नंगे पांव सतनाम वाहिगुरु जाप करते हुए गुरु साहब की सवारी के पीछे-पीछे पंडाल तक पहुंचे। भव्य पंडाल में गुरु साहब की बीड़ को मंच पर सजाया गया, यहीं पर कीर्तन का प्रवाह चल रहा था।

विवि में गुरुओं पर शोध पीठ बने, युवाओं की सोच बदलेगी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कानपुर विश्वविद्यालय में सिख गुरुओं की शहादत पर शोध पीठ गठित की जाए ताकि युवा सिखों को पता चल सके कि देश के लिए सिख गुरुओं की कितनी कुर्बानियां दी हैं। जब शोधपीठ के माध्यम से इस ज्ञान की रोशनी विश्व पटल पर पहुंचेगी तो उन सिख युवाओं की सोच में बदलाव आएगा। ये बात श्री गुरु सिंह सभा कानपुर महानगर के चेयरमैन एवं पूर्व एमएलसी सरदार कुलदीप सिंह ने कही।

श्री गुरु सिंह सभा कानपुर महानगर कार्यालय अशोक नगर में पूर्व सिखों को संबोधित करते हुए सरदार कुलदीप सिंह ने कहा कि सिख गुरुओं के बलिदान और राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करने के लिए जन्मदिन और शहादत दिवस को राष्ट्रीय एकता दिवस घोषित किया जाना चाहिए। यह कदम उन भ्रमित विचारधाराओं को भी चुनौती देगा जो यह प्रचार करती हैं कि सिख समुदाय भारत में उपेक्षित है या अलग पहचान बनाए बिना उनका अस्तित्व असंभव है। सिख गुरु साहिबानों का इतिहास केवल किसी एक समुदाय की धरोहर नहीं बल्कि भारत की सांस्कृतिक आत्मा, धार्मिक सहिष्णुता और राष्ट्रीय एकता का आधार है। गुरु तेग बहादुर साहिब जी द्वारा धार्मिक कट्टरता, जुल्म और नरसंहार के विरोध में अपने जीवन का बलिदान देना, पूरी मानवता के लिए प्रेरणा है। कुलदीप सिंह ने बताया कि वर्ष 1996 से लंबित गुरु तेग बहादुर शोध पीठ की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हुआ है क्योंकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक द्वारा बुद्धिजीवी सम्मेलन में घोषणा की गई थी कि विश्वविद्यालय इस दिशा में कार्य प्रारंभ कर चुका है।

कलावली सुपरकिंग्स ने मुकाबला जीता

कानपुर। केसीए की संडे क्रिकेट लीग में रविवार को तीन मुकाबले खेले गए। पहले मैच में कलावती सुपर किंग्स ने राइजिंग कानपुर वॉरियर्स को 22 रन से पराजित किया। दूसरे मैच में ब्लू वॉरियर्स ने नाइट स्कार्चर्स को 57 रन से हराया। तीसरे मैच में मेटाडोर फोम इलेवन ने बीसीए लीजेंड को छह विकेट से पराजित किया।

कानपुर साउथ मैदान पर खेले गए पहले मैच में कलावती सुपर किंग्स ने 30 ओवर में सात विकेट पर 243 रन बनाए। टीम की ओर से अंकुल चौधरी ने 145 रन की शानदार पारी खेली। शिवम ने 25 रन बनाए।

जवाब में राइजिंग कानपुर वॉरियर्स की टीम 29.1 ओवर में 221 रन ही बना सकी। टीम की ओर से संजय यादव ने 51 रन, आशीष यादव ने 30 रन बनाए। गेंदबाजी में सौरभ पाठक व अंकुल ने तीन-तीन विकेट लिया। अंकुल चौधरी को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। एचएएल मैदान पर खेले गए दूसरे मैच में ब्लू वॉरियर्स ने 30 ओवर में चार विकेट पर 240 रन बनाए।

वार्षिकोत्सव में अनुशासन और प्रतिभा की झलक दिखी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। एयर फोर्स स्कूल कानपुर का वार्षिकोत्सव आयोजित हुआ। इस दौरान स्कूल के कार्य, डिसिप्लिन और स्टूडेंट्स के अलग-अलग टैलेंट के लिए कमिटमेंट को दिखाया गया। इस दौरान अनुशासन और प्रतिभा की झलक दिखी।

समारोह में बताया गया कि स्कूल को एकेडमिक ईयर 2025-2026 के लिए इंडियन एयर फ़ोर्स में बेस्ट सीनियर सेकेंडरी स्कूल के तौर पर पहचान मिली है। कार्यक्रम में एयर कमोडोर प्रशांत कुमार नरेंद्र, एयर ऑफिसर कमांडिंग, एयर फ़ोर्स स्टेशन कानपुर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इसी तरह अनुरीता नरेंद्र, प्रेसिडेंट, एयर फ़ोर्स

एयर कमोडोर प्रशांत कुमार नरेंद्र का स्वागत किया गया। अमृत विचार

- एयर फोर्स स्कूल का वार्षिक दिवस समारोह मनाया गया

फैमिलीज़ वेलफेयर एसोसिएशन विशेष अतिथि के रूप में मौजूद रहीं। प्रिंसिपल ने वार्षिक रिपोर्ट में स्कूल की एकेडमिक अचीवमेंट्स, को-करिकुलर एक्टिविटीज़ में प्रोग्रेस और पिछले साल होलिस्टिक एजुकेशन में योगदान पर ज़ोर दिया गया। मेधावी विद्यार्थियों और कर्मचारियों को उनकी उपलब्धियों पर उन्हें सम्मानित किया गया। एयर कमोडोर प्रशांत कुमार नरेंद्र ने स्क्वाड्रन लीडर स्टेफी पॉल, एयर फ़ोर्स स्कूल कानपुर की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर को फॉर्मल तौर पर बेस्ट एयर फ़ोर्स स्कूल (सीनियर सेकेंडरी कैटेगरी) ट्रॉफी दी। समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित हुए। जिसमें थीम पर आधारित डांस परफॉर्मेंस की एक सीरीज़ ने दर्शकों का मनमोह लिया। मुख्य अतिथि ने अलग-अलग फील्ड में बेहतरीन काम करने के लिए स्कूल की तारीफ की।

घाटमपुर में भूमि विवाद का मामला प्रशासन ने सुलझाया

संवाददाता, घाटमपुर

- जनता दर्शन में आया था प्रकरण डीएम के निर्देश पर एसडीएम घाटमपुर ने कराया समाधान
- 1992 में चकबन्दी आदेश के एक चकमार्ग से जुड़ा हुआ था मामला

अमृत विचार। जनता दर्शन में भूमि विवाद का एक प्रकरण आया था । इस प्रकरण को देखते हुए जिला प्रशासन की त्वरित पहल करके समाधान कराया। ग्राम हिरनी, घाटमपुर की कविता पत्नी सतीश कुमार ने जिलाधिकारी को शुक्रवार को जनता दर्शन में बताया कि उन्होंने एक बिस्वा जमीन खरीदी थी, जिस पर मकान निर्माण शुरू किया गया। लेकिन कुछ लोगों ने निर्माण रुकवा दिया, जिससे उनके लगभग डेढ़ लाख रुपये बर्बाद होने की स्थिति बन गई थी।

डीएम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम घाटमपुर को राजस्व टीम बनाकर तथ्यात्मक स्थिति स्पष्ट करने के निर्देश दिए। नायब तहसीलदार खास की अध्यक्षता में राजस्व निरीक्षक और लेखपाल द्वारा की गई जांच में यह स्पष्ट हुआ कि विवाद 1992 के चकबन्दी आदेश के एक चकमार्ग से जुड़ा था, जिसे उस समय नक्शे पर ट्रेस नहीं किया गया था। कविता देवी द्वारा खरीदा गया अंश अभिलेखीय रूप से पूर्णतया साफ पाया गया। दूसरी ओर विपक्षी पक्ष अपने खेत तक पहुंचने के लिए पुराने चकमार्ग की वैध मांग कर रहा था।स्थिति की जटिलता को देखते हुए उपजिलाधिकारी घाटमपुर ने उसी शाम सभी पक्षों को कार्यालय में बुलाकर विस्तृत चर्चा की। कई दौर की बातचीत और विकल्पों पर विचार के बाद आपसी सहमति का रास्ता निकला। तय हुआ कि कविता देवी का मकान निर्माण अबाध रूप से जारी रहेगा। साथ ही विक्रेता अपने शेष खेत से दो मीटर चौड़ा मार्ग उपलब्ध कराएगा, जो दारा सिंह की भूमि तक पहुंचेगा। दारा सिंह के खेत में भी चकमार्ग का पुराना अंश कटा पाया गया था, इसलिए मार्ग वहां से एल आकार में मुड़कर अपने निर्धारित अंतिम बिंदु तक पहुंचेगा। तय सहमतिनामा को सीओ चकबन्दी को भेज दिया गया, ताकि आदेश और अमल में किसी प्रकार की बाधा न रहे। समाधान के बाद कविता देवी का निर्माण कार्य पुनः शुरू हो गया।उपजिलाधिकारी घाटमपुर अबिचल प्रताप सिंह ने कहा, डीएम के निर्देश पर पूरे प्रकरण को संवेदनशीलता से समझा गया। दोनों पक्षों को बैठाकर व समझाकर मामला सुलझाया गया।

कोर्ट के आदेश पर केबल चोरी का मुकदमा दर्ज हुआ

संवाददाता, बिल्हौर

- मार्च में साढ़े सात किलोमीटर केबल काट ले गये थे चोर

अमृत विचार। अरौल थाना क्षेत्र के मेडुआ गांव में बीते 27 मार्च को विद्युत केबल की चोरी हुई थी। मामले में कंपनी ने कानपुर देहात कोर्ट की शरण ली थी। अब कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने चोरी की रिपोर्ट दर्ज की है ।

ल्यूमिनो इंडस्ट्रीज लिमिटेड पश्चिम बंगाल के द्वारा दक्षिणांचल विद्युत लिमिटेड के द्वारा विद्युत लाइन का काम बिल्हौर इलाके में कराया जा रहा था। 27 मार्च को मेंडुआ गांव के पास लगभग साढ़े सात किलोमीटर विद्युत केबल चोरों के द्वारा काट ली गई थी। इसकी जानकारी होने पर कंपनी के अधिकारियों ने अरौल थाने में चोरी की तहरीर दी थी, लेकिन पुलिस कर्मियों की लापरवाही की वजह से रिपोर्ट नहीं दर्ज की गई थी। बाद में कानपुर पुलिस

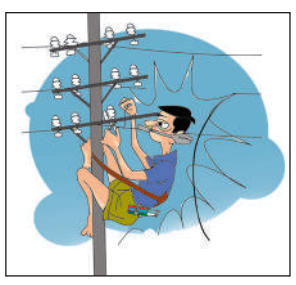

आयुक्त के साथ सहायक पुलिस आयुक्त को भी शिकायती पत्र भेजा गया लेकिन मामले में सुनवाई नहीं हुई। तब कंपनी के कानूनी मैनेजर इंद्रनील भौमिक द्वारा कानपुर देहात न्यायालय में गुहार लगाई गई। इसके बाद कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस को चोरी की रिपोर्ट दर्ज करने का आदेश दिया। पुलिस ने 8 महीने बाद केबल चोरी की रिपोर्ट दर्ज की है।

सड़क निर्माण से मजबूत होगी गांव की कनेक्टिविटी : अवस्थी

संवाददाता, बिठूर

अमृत विचार। कल्याणपुर विकासखंड के अंतर्गत ग्राम सभा गोपालपुर में रविवार को नवनिर्मित इंटरलॉकिंग सड़क का लोकार्पण ब्लॉक प्रमुख द्वारा किया गया। ब्लॉक प्रमुख ने कहा कि आगे भी इस तरह के विकास कार्य होते रहेंगे। सड़क के निर्माण से ग्रामीणों को आवागमन में बेहतर सुविधा मिल सकेगी।

गोपालपुर में नवनिर्मित इंटरलॉकिंग का लोकार्पण ब्लॉक प्रमुख अनुराधा अवस्थी के द्वारा किया गया। उद्घाटन के दौरान वहां पर मौजूद लोगों ने उनका माला पहना कर स्वागत किया। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख अनुराधा अवस्थी ने कहा कि विकास कार्यों को गति देना उनकी प्राथमिकता है और सरकार की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना

नवनिर्मित इंटरलॉकिंग सड़क का लोकार्पण करतीं ब्लॉक प्रमुख अनुराधा अवस्थी।

लगातार जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि ब्लॉक का कोई भी क्षेत्र विकास कार्यों से बच नहीं पायेगा। सभी जगहों पर समान रूप से विकास कार्य कराये जायेंगे। उन्होंने बताया कि सड़क निर्माण से गांव की कनेक्टिविटी मजबूत होगी और स्थानीय नागरिकों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। इस दौरान बीजेपी नेता दिनेश अवस्थी ने लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150 जयंती के अवसर गरीबों को कंबल वितरित किये। ठंड के मौसम में कंबल पाकर ग्रामीणों के चेहरे पर मुस्कान आ गई। कार्यक्रम के दौरान बिनौर जिला पंचायत सदस्य राजू यादव ,ग्राम प्रधान गोपालपुर महेश पाल ,पूर्व प्रधान कैलाश पाल, ग्राम प्रधान पतरसा जमुना पासवान, श्यामसुंदर पासवान, देवी प्रसाद ,राजेश तिवारी ,पुत्तन तिवारी ,बृजेंद्र सिंह चंदेल ,राजू बाजपेई, योगेंद्र पांडे, अरुण अवस्थी समेत स्थानीय गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

खेल के मैदान से | सांसद,विधायक खेल स्पर्धा का हो रहा भव्य आयोजन

वॉलीबाल, खो-खो व बैडमिंटन में दिखाया दमखम

संवाददाता, बिल्हौर

अमृत विचार। युवा कल्याण विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा 'सांसद विधायक खेल स्पर्धा' के अंतर्गत बिल्हौर में तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

सांसद विधायक खेल स्पर्धा प्रतियोगिता के तीसरे दिन रविवार को बीआरडी इंटर कॉलेज बिल्हौर का मैदान वॉलीबाल, खो-खो, बैडमिंटन और शतरंज जैसी विविध खेल विधाओं के रोमांचक मुकाबलों का साक्षी बना। स्थानीय खिलाड़ियों ने ज़बरदस्त उत्साह और खेल भावना का प्रदर्शन करते हुए अपनी अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। खेलकूद प्रतियोगिता के आयोजन में पहुंचे मिश्रिख सांसद अशोक रावत ने तमाम खेलों का लुत्फ उठाया।। इस मौके पर उप जिलाधिकारी डॉ. संजीव दीक्षित, खंड विकास अधिकारी नेमचंद, खंड शिक्षा अधिकारी रवि कुमार सिंह,भाजपा के रवि बाजपेई,जयप्रकाश कटियार, विक्रम मिश्रा, सुशांक मिश्रा ,आदि लोग शामिल रहे।

प्रमाणपत्र व मेडल के साथ विजेता खिलाड़ी। अमृत विचार

समापन आज

- प्रतियोगिता का अंतिम और निर्णायक दिवस सोमवार को होगा। इस दिन कुश्ती, जूडो एवं फुटबॉल जैसी शारीरिक दक्षता वाली विधाओं का आयोजन विश्व प्रसिद्ध ग्रीन पार्क स्टेडियम, कानपुर नगर में किया जाएगा। सभी मुकाबले सुबह 9 :00 बजे से शुरू होंगे, जिसमें क्षेत्र के शीर्ष खिलाड़ी पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे।

अगला चरण आज से 26 नवंबर तक होगा

- क्षेत्रीय युवा खेल अधिकारी स्मिता सिंह ने बताया कि बिल्हौर के सफल आयोजन के बाद, 'सांसद विधायक खेल स्पर्धा' का पंचम चरण घाटमपुर क्षेत्र में प्रस्तावित है। यह चरण 24 से 26 नवंबर तक आयोजित होगा। सभी इच्छुक एवं संभावित प्रतिभागियों को सूचित किया जाता है कि वे इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए अनिवार्य रूप से सांसद पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराने के साथ ही युवा साथी पोर्टल पर भी अपना पंजीकरण अवश्य करा लें।

ट्रक की टक्कर से घायल अधेड़ की थम गई सांस

हमीरपुर । कस्बे की गल्ला मंडी परिसर में सड़क के किनारे छह दिन पहले ट्रक की टक्कर से घायल हुए अधेड़ की अस्पताल में मौत हो गई।

कस्बे के दीवानपुरा निवासी चिराग गुप्ता ने बताया कि उसके पिता अवध कुमार गुप्ता (50) नहर बाईपास पर परचून की दुकान किए थे। गल्ला मंडी में पल्लेदारी भी करते थे। 17 नवंबर की शाम अवध गुप्ता गल्ला मंडी में सड़क किनारे खड़े थे, तभी ट्रक चालक ने टक्कर मार दी थी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें राठ सीएचसी में भर्ती कराया गया था, जहां से डॉक्टर ने झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया था। झांसी में उपचार के दौरान उसके पिता की मौत हो गई है। मृतक अपने पीछे पत्नी मिथलेश, बेटों चिराग, हर्ष व बेटी खुशी को रोता हुआ छोड़ गया।

दबंगों ने लाठी-डंडों से दुकानदार को पीटा

संवाददाता, शिवराजपुर

- मारपीट की घटना सीसीटीवी में हुई कैद, हो रही मामले की जांच

अमृत विचार। शनिवार देर शाम शिवराजपुर कस्बा स्थित खान ऑटो पार्ट्स और सर्विस सेंटर की दुकान पर आधा दर्जन से अधिक नकाबपोश बदमाश डंडे लेकर पहुंचे। बदमाशों ने ऑटो पार्ट्स के मलिक के साथ जमकर मारपीट की पूरी घटना वहां लगे एक सीसीटीवी कमरे में कैद हो गई। पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है

शिवराजपुर कस्बे के वार्ड नंबर सात निवासी राशिद खान उर्फ सुरेश पुत्र शमी खान की भूतेश्वर मंदिर के पास खान ऑटो पार्ट्स और सर्विस सेंटर की दुकान है । राशिद खान ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि शनिवार शाम को वह अपनी दुकान पर बैठे थे। तभी लाठी डंडों से लैश उनकी दुकान पर आदि यादव ,निगम यादव ,अमन पाल और सूरजपाल , अंकित यादव सहित 8 से 10 लोग उनकी दुकान में घुस आये और लाठी डंडों से मारने पीटने लगे, जिससे उनको और उनके सहयोगी समीर को गंभीर चोटें आ गईं। शोर मचाने पर आरोपी गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकले यह पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई । थाना अध्यक्ष वरुण शर्मा ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही है जल्द ही आरोपियों को जेल भेजा जाएगा।

किशोरी से रेप का आरोपी गिरफ्तार

हमीरपुर। क्षेत्र में मानसिक विक्षिप्त किशोरी से दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने मां की तहरीर पर मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की महिला ने तहरीर में बताया था कि 16 नवंबर की रात 8 बजे गांव का ही श्रीराम पुत्र बाबू उसकी नाबालिग बेटी को बहला-फुसला कर गांव के बाहर कॉलेज के पीछे ले गया और मुंह दबाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। इतना ही नहीं, आरोपी ने कहीं भी बताने पर जान से मारने की धमकी दी। मां की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जेल भेज दिया है।

अधेड़ लापता: राठ। पठानपुरा निवासी भारती ने तहरीर देकर बताया कि उसका पति ज्ञानेंद्र 14 नवंबर की सुबह करीब 9 बजे घर से निकला था तब से वापस नहीं आया।

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

खानकाह-ए-नियाजिया : सूफी शिक्षा और आध्यात्मिक विकास का केंद्र

बरेली की खानकाह-ए-नियाजिया को दुनिया में सूफी शिक्षा और आध्यात्मिक विकास के प्रमुख केंद्र के रूप में जाना जाता है। खानकाह में मुस्लिमों के अलावा हिंदू भी बड़ी संख्या में आते हैं, इस तरह यह खानकाह हिंदू-मुस्लिम एकता का प्रतीक भी है। यहां किसी से नहीं पूछा जाता है कि आप किस धर्म-जाति के हैं या कहां से आए हैं। दरगाह मोहब्बत, इंसानियत, सुकून और खिदमत का पैगाम देती है। सूफी संगीत से जुड़े तमाम नामचीन फनकारों के खास जुड़ाव ने भी खानकाह को अलग पहचान दी है।

हजरत शाह नियाज अहमद के सिलसिले से वजूद में आई इस खानकाह का इतिहास करीब ढाई सौ साल पुराना है। सिलसिला-ए-नियाजिया किताब में खानकाह के उस शुरुआती दौर का जिक्र किया गया है, जब हजरत शाह नियाज अहमद बरेली आए थे। उस वक्त बरेली में हाफिज रहमत खां हाकिम थे। हजरत शाह नियाज अहमद ने बिहारीपुर में एक मकान किराये पर लिया और करीब की मस्जिद में देहली की तर्ज पर पढ़ाने लगे। बरेली आने से पहले उनकी शोहरत यहां पहुंच चुकी थी। सैकड़ों लोग उनके दर पर हाजिरी देने लगे। वह अवाम की दिक्कतें हल करने लगे। कुछ ही समय में खानकाह से कौम-मिल्लत, जाति-धर्म से अलग मोहब्बत-नेकी का संदेश निकलने लगा। यह कौमी एकता का घर बन गया।

आज जिस जगह हजरत शाह नियाज अहमद की खानकाह है, उसका नाम खोजी मोहल्ला था जो अब बदलकर ख्वाजा कुतुब हो गया है। यहीं उन्होंने खानकाह और मकान बनाया। देश-दुनिया के लोग यहां आने लगे। खानकाह की अहमियत इसलिए भी है, क्योंकि यहां ख्वाजा गरीब नवाज के रूहानी जानशीन हजरत शाह नियाज बेनियाज की दरगाह भी है। खानकाह में हर साल मन्नतों के चिराग रोशन करने की पुरानी परंपरा है। इसमें हिंदू-मुस्लिम समेत सभी धर्मों के लोग शामिल होते हैं। जश्न-ए-चिरागा में शामिल होने के लिए दुनिया भर से लोग आते हैं। यहां हर रोज अलग-अलग धर्मों के सैकड़ों अकीदतमंद हाजिरी लगाते हैं। खानकाह के मौजूदा सज्जानशीन हजरत मेहंदी मियां ने पुरानी रवायतों को बरकरार रखा है।

हजरत के कलाम पढ़कर शोहरत की बुलंदियों तक पहुंचे कई फनकार

खानकाह-ए-नियाजिया से तमाम नामचीन फनकार का जुड़ाव है। काफी हर साल यहां हाजिरी लगाने भी आते हैं। खानकाह से बड़े-बड़े संगीतकारों, शायरों और कव्वालों को भी सम्मान हासिल हुआ। शास्त्रीय संगीत में वर्ष 1957 में पद्म भूषण सम्मान पाने वाले रामपुर-सहसवान घराने के उस्ताद मुश्ताक हुसैन खां खानकाह के मुरीद थे। खानकाह के मुरीदों में इसके अलावा उस्ताद राशिद खां, पंडित बिरजू महाराज, सारंगी वादक उस्ताद सुल्तान खां जैसे कई और बड़े फनकारों का नाम शामिल हैं, जिन्हें पद्म भूषण मिल चुका है। तबदला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन, विलायत खां, संगीतकारों में एआर रहमान, सलीम सुलेमान, मशहूर शायर वसीम बरेलवी, मुन्नबराना, राहत इंदौरी, कव्वालों में उस्ताद मुराबारक, जाफर बदायूंनी, अजीज नाजा, साबरी ब्रदर्स जायपुर वालों का भी किसी वक्त में खानकाह से जुड़ाव रहा है। हजरत शाह नियाज अहमद की शायरी की कोई मिसाल नहीं है। उन्होंने शायरी के साथ अलग-अलग विषयों पर तमाम किताबें लिखीं। रामपुर निवासी मशहूर कव्वाल शाहिद शमी नियाजी बताते हैं कि गुलाम फरीद साबरी, उस्ताद नुसरत फतेह अली, पाकिस्तानी गायक आबिदा परवीन समेत तमाम फनकारों ने हजरत शाह नियाज अहमद के कलाम पढ़कर शोहरत पाई। लगभग सभी बड़े फनकार यहां अपनी प्रस्तुति दे चुके हैं। शमी नियाजी भी 32 मुल्कों में अपनी कव्वाली का जादू बिखेर चुके हैं। कई फिल्मों में आवाज दे चुके हैं। उन्हें कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुके हैं। वह भी खानकाह से जुड़े हैं।

शाह नियाज अहमद की गजल

इश्क़ में तेरे कोह-ए-ग़म सर पे लिया जो हो सो हो, ऐश-ओ-निशात-ए-ज़िंदगी छोड़ दिया जो हो सो हो।

अक़्ल के मदरसे से हो इश्क़ के मय-कदा में आ, जाम-ए-फ़ना व बे-ख़ुदी अब तो पिया जो हो सो हो।

लाग की आग लग उठी पम्बा तरह सा जल गया, रख़्त-ए-वजूद जान-ओ-तन कुछ न बचा जो हो सो हो।

हिज्र की सब मुसीबतें अर्ज़ कीं उस के रू-ब-रू, नाज़-ओ-अदा से मुस्कुरा कहने लगा जो हो सो हो।

दुनिया के नेक-ओ-बद से काम हम को 'नियाज़' कुछ नहीं, आप से जो गुज़र गया फिर उसे क्या जो हो सो हो।

जारा वारसी : चमची के किरदार से मिली पहचान अब फिल्मों की ओर बढ़े कदम

बरेली की जारा वारसी मायानगरी मुंबई में अपनी प्रतिभा की चमक बिखेर रही हैं। एंड टीवी के लोकप्रिय कॉमेडी शो 'हप्पू की उलटन पलटन' में चाइल्ड आर्टिस्ट के रूप में उनके चमची के किरदार उन्हें मशहूर बनाया जिसके बाद उन्होंने यशराज फिल्म्स बैनर की मंडला मर्डर्स वेब सीरीज में भी अपने काम का लोहा मनवाया। टेलीविजन से अब वह बॉलीवुड की ओर कदम बढ़ा रही हैं। जल्द वह एक फिल्म में नजर आएंगी।

डेलापीर इलाके में रहने वाले जारा के पिता बिट्टन अली एक पेट्रोल पंप के मैनेजर हैं। उनके चार बच्चों में जारा सबसे छोटी हैं। बिट्टन अली के अनुसार जारा को पांच साल की उम्र से ही डांस का शौक था। शहर के रोटरी क्लब दशहरा मेले समेत कई मंचों पर डांस प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेती रही हैं। बेस्ट डांसर के कई अवार्ड भी जीते हैं। लैला ओ लैला..गाने पर उनका डांस अब भी यादगार है। फ्यूचर कॉलेज में हुए एक कार्यक्रम में जारा के इसी गाने पर डांस के दौरान कॉमेडी शो 'भाभी जी घर पर हैं' में हप्पू सिंह दरोगा का किरदार निभाने वाले योगेश त्रिपाठी ने जारा की तारीफ की थी। जारा की कक्षा तीन तक की पढ़ाई हार्टमन स्कूल में हुई। उसी वक्त 'यूपी के सुपरस्टार की तलाश' चल रही थी। जारा ने पिता के साथ लखनऊ में ऑडिशन दिया। जज की भूमिका में अभिनेता योगेश त्रिपाठी थे, जिनसे उन्हें पहले ही शाबासी मिल चुकी थी। दूसरे जज 'भाभी जी घर पर हैं' में टिल्लू का किरदार निभाने वाले सलीम जैदी थे। ऑडिशन के दौरान जारा ने लैला ओ लैला गाने पर डांस किया तो वहां भी छा गईं। इसके बाद एक्टिंग का भी ऑडिशन दिया और सलेक्शन होने के साथ उन्हें हप्पू की उलटन पलटन में चमची का रोल मिल गया। जारा ने चमची के किरदार में ऐसी जान डाली कि दर्शकों के दिल में उतर गईं। बिट्टन अली के मुताबिक जारा इस वक्त वह मुंबई में अपनी मौसी के साथ रहती हैं जहां अदाकारी के साथ कक्षा नौ में पढ़ भी रही हैं। फोन पर हुई बातचीत में जारा ने बताया कि यहां तक पहुंचने का सफर कोई आसान नहीं है, तमाम चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। मेरे लिए सबसे अच्छी बात है कि मुझे परिवार का पूरा सपोर्ट मिला। जारा ने बताया, सुबह आठ से दोपहर दो बजे तक उनका स्कूल होता है। घर आने के बाद शाम को शूटिंग का शेड्यूल रहता है। शूटिंग पर जाते हुए किताबें साथ ले जाती हैं, जब भी मौका मिलता है तो पढ़ाई करती हैं। जारा ने बताया, जल्द वहएक फिल्म में आ रही हैं। दो बड़े विज्ञापन भी कर रही हैं। कुछ और बड़े प्रोजेक्ट हैं, उनसे जुड़ी हैं।

शाहरुख की मां चाहती थीं दिलीप कुमार की तरह सफल हो बेटा

खानकाह-ए-नियाजिया के खानवादा मो. रजा राजी नियाजी कहते हैं कि खानकाह में इंसानियत की भलाई के लिए काम किया जाता है। यहां के बुजुर्ग खुले विचारों के हैं। जर्मन, कनाडा, अमेरिका समेत तमाम देशों के नुमाइंदे यहां आते रहते हैं। देश-दुनिया के लोगों का यहां से जुड़ाव है। इनमें फिल्मी हस्तियां और बड़े फनकार भी शामिल हैं। बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान की मां भी यहां की मुरीद थीं। वह चाहती थीं कि उनका बेटा दिलीप कुमार की तरह सफल हो और बड़े मुकाम पर पहुंचे।

पारस अरोड़ा : पायलट बनना चाहते थे पर उड़ान भरी अभिनय की दुनिया में

■ बरेली के जो लोग टेलीविजन और फिल्मों में चमके, उनमें एक नाम पारस अरोड़ा का भी है। पारस ने होश संभालने के बाद पायलट बनना चाहा था लेकिन उड़ान भरी अभिनय की दुनिया में। अब वे टेलीविजन के कामयाब चेहरों में शामिल हैं और फिल्मों में एक ऐसी भूमिका की तलाश में हैं जो बॉलीवुड में भी उन्हें पहचान दिला दे।

पारस का जन्म 10 जनवरी 1994 को एक पंजाबी परिवार में हुआ था। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा शहर के हांडा पब्लिक स्कूल में ग्रहण की, स्कूल से निकलकर वह कॉलेज भी नहीं पहुंचे कि 2006 में टीवी धारावाहिक 'रावण' में उन्हें युवा राम की भूमिका के साथ ब्रेक मिल गया। इस भूमिका ने उनके लिए टेलीविजन के कई धारावाहिक में काम मिलने का रास्ता खोल दिया। 'रावण' के बाद उन्होंने 'रामायण' में भगवान राम की भूमिका अदा की। इसके बाद 'वीर शिवाजी' में छत्रपति शिवाजी महाराज, 'महाभारत' में अभिमन्यु, और 'उड़ान सपनों की' में विवान राजवंशी की भूमिका निभाई। टीवी धारावाहिकों में काम करते हुए उन्हें कुछ फिल्मों में भी मौका मिला। इनमें प्रमुख रूप से 2009 में 'लेट्स डांस', 2013 में 'रज्जो' और 2018 में 'कप्तान नवाब' शामिल हैं।

कृतिका कामरा : टेलीविजन में मिला मौका फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा

■ कृतिका कामरा का नाम टेलीविजन और फिल्म अभिनेत्री के तौर पर जाना जाता है। बरेली में 25 अक्टूबर 1988 को पैदा हुई कृतिका के पिता रवि कामरा डेंटिस्ट हैं। हालांकि कृतिका के बचपन का ज्यादातर समय मध्यप्रदेश और दिल्ली में गुजरा। उनकी शुरुआती शिक्षा भी मध्यप्रदेश के अशोकनगर और दिल्ली में दिल्ली पब्लिक स्कूल में हुई। शुरुआती पढ़ाई के बाद उन्होंने उन्होंने नेशनल इंस्टिटयूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी दिल्ली में दाखिला लिया, मगर इसी दौरान उन्हें वर्ष 2007 में टीवी शो 'यहां के हम सिकंदर, में काम करने के मौका मिला जिसके बाद उन्होंने पढ़ाई छोड़ दी। टेलीविजन में शुरुआत के बाद कृतिका ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। वह 2009 में चर्चित टीवी शो 'कितनी मोहब्बत है' में आरोही के किरदार से लोकप्रिय हुईं। इसके बाद 'कुछ तो लोग कहेंगे', 'रिपोर्टर्स', 'प्रेमियर पटरोल' जैसे कई शो में अभिनय किया। डांस रियलिटी शो 'झलक दिखला जा' और 'जरा नचके दिखा' में भी वह नजर आ चुकी हैं। कृतिका ने 2018 में फिल्म 'मित्रों' से बॉलीवुड में डेब्यू किया, जिसमें जैकी भगनानी उनके बतौर हीरो उनके साथ थे। इसके बाद उन्होंने वेब सीरीज 'तांडव', 'कौन बनेगा शेखावती', 'मुंबई मेरी जान', 'हश हश' जैसी वेब सीरीज में भी काम किया है।

रति अग्निहोत्री : मॉडलिंग से तमिल फिल्मों और फिर बॉलीवुड तक का सफर

रति अग्निहोत्री वो नाम है जिसने बरेली की धरती पर जन्म लेने के बाद बॉलीवुड में सबसे ज्यादा कामयाबी हासिल की। रति अग्निहोत्री का जन्म 10 दिसंबर 1960 को शहर के एक पंजाबी परिवार में हुआ था। मात्र 10 वर्ष की उम्र में ही उन्होंने मॉडलिंग करियर शुरू किया, ठीक इसी समय उनके पिता रूपकिशन अग्निहोत्री और मां राधिका के साथ पूरा परिवार बरेली से मद्रास चला गया था, जहां 1979 में स्कूल के एक नाटक में भाग लेते हुए रति अग्निहोत्री पर दक्षिण के प्रसिद्ध निर्देशक भारती राजा की नजर पड़ी और उन्होंने उन्हें अपनी तमिल फिल्म 'पुथिया वार्पुकल' के लिए चुन लिया। रति ने इसके बाद मद्रास में ही रहते हुए करीब दो साल के भीतर तमिल, तेलुगु और कन्नड़ सिनेमा की लगभग 15 फिल्मों में काम किया और स्टारडम हासिल किया।

एक दूजे के लिए' ने बॉलीवुड में बनाया सुपरहिट

हिंदी फिल्मों में रति अग्निहोत्री ने अपनी पहचान 1981 में आई 'एक दूजे के लिए' से कायम की। कमल हासन के साथ इस फिल्म ने उन्हें बॉलीवुड में सुपरहिट बना दिया, इस फिल्म के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का फिल्म फेयर नामांकन भी मिला। रति अग्निहोत्री ने इसके बाद 'कुली', 'तवायफ', 'फर्ज और कानून', 'आप के साथ', 'हुकूमत', 'कुछ खट्टी कुछ मीठी' जैसी कई और बड़ी फिल्मों में काम किया। रति का परिवार चूंकि उनके बचपन में ही बरेली से चला गया था और फिर कभी वापस नहीं लौटा, इसलिए उनके बारे में यहां के कम ही लोग जानते हैं।

पाटनी ने पायलट बनना चाहा था मगर मॉडलिंग के शौक ने बदल दी दिशा

प्रियंका चोपड़ा के बाद दिशा पाटनी दूसरी शख्सियत हैं जिन्होंने बरेली से बॉलीवुड तक का सफर किया है और एक कामयाब अभिनेत्री के रूप में अपनी पहचान बनाई। बरेली में ही 13 जून 1992 को जन्मी दिशा पाटनी के पिता जगदीश सिंह पाटनी पुलिस के अफसर थे जो अब रिटायर हो चुके हैं। उनका परिवार अब भी शहर के चौपुला चौराहे के पास रहता है। दिशा ने यहां बीबीएल स्कूल में शुरुआती पढ़ाई की जिसके बाद लखनऊ की एमिटी यूनिवर्सिटी से इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री हासिल की। बड़ी बहन खुशबू जो सेना में मेजर रही हैं, उन्हीं की तरह बचपन में दिशा का भी सपना वायु सेना का पायलट बनने का था, लेकिन कॉलेज में पढ़ाई के दौरान ही उन्हें मॉडलिंग करने का शौक लगा, 2013 में की गई मॉडलिंग की शुरुआत उन्हें फिल्मों में अभिनय की ओर ले गई। दिशा ने 2015 में तेलुगु फिल्म 'लोफर' से अभिनय की शुरुआत की, इसमें वे वरुण तेज के साथ नजर आई थीं।

फिल्म 'एमएस धोनी: द अनटोल्ड स्टोरी' ने दिशा को बॉलीवुड में किया स्थापित

तेलगू फिल्म 'लोफर' से शुरुआत करने के बाद अगले ही साल दिशा को 2016 में हिंदी फिल्म 'एमएस धोनी : द अनटोल्ड स्टोरी' में काम करने का ऑफर मिला। इसमें उन्हें धोनी की प्रेमिका प्रियंका झा का किरदार निभाना था, सुपर हिट हुई फिल्म की इस भूमिका ने उन्हें बड़ी पहचान दी। बॉलीवुड में इस फिल्म से डेब्यू करने के बाद दिशा को एक के बाद एक कई फिल्मों में काम मिला। 2017 में 'कुंग फू योगा', 2018 में 'बागी 2', 2019 में 'भारत', 'मलंग' और 'राधे : योर मोस्ट वांटेड भाई' जैसी फिल्मों में उन्होंने काम किया जो हिट रहीं। दिशा ने अभिनय के साथ फिटनेस के लिए भी काफी पहचान बनाई। वह मॉडलिंग में भी बहुत सक्रिय रहीं और कई बड़े ब्रांड्स के विज्ञापन किए हैं। दिशा ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया था कि उन्होंने मुंबई में केवल 500 रुपये लेकर शुरुआत की और कड़ी मेहनत कर बॉलीवुड में पहचान बनाई।

मॉडलिंग के लिए छोड़ दी इंजीनियरिंग की पढ़ाई

दिशा ने मॉडलिंग उस वक्त शुरू की थी जब वे लखनऊ की एमिटी यूनिवर्सिटी में इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रही थीं। पढ़ाई के दौरान उन्हें मॉडलिंग के लिए लगातार अवसर मिलने शुरू हुए तो उन्होंने पढ़ाई छोड़ दी और मुंबई चली गईं ताकि मॉडलिंग के करियर में खुद को अच्छी तरह स्थापित कर सकें। दिशा के अनुसार, स्कूल के दिनों में उन्हें अपने लुक्स पर ज्यादा ध्यान नहीं था, लेकिन बाद में उन्होंने खुद को डेवलप करना शुरू किया। पिता जगदीश सिंह पाटनी और बहन खुशबू पाटनी ने उनका भरपूर साथ दिया। 2013 में ही दिशा ने 'पॉन्ड्स फेमिना मिस इंडिया' प्रतियोगिता में हिस्सा लेकर पहली रनरअप का खिताब जीता, इसी के बाद उनका मॉडलिंग और अभिनय का सफर शुरू हुआ।

प्रस्तुति : रामराज मिश्रा

अमृत विचार

सोमवार, 24 नवंबर 2025

हर कोई मशहूर नहीं हो सकता, लेकिन हर कोई महान हो सकता है, क्योंकि महानता सद्कर्मों से तय होती है।

–**मार्टिन लूथर किंग,** सिविल राइट्स एक्टिविस्ट

सार्थक संबोधन

अफ्रीका में सोवेटो टाउनशिप के पास जहां नेल्सन मंडेला का घर था, पहली बार आयोजित हो रहा जी-20 शिखर सम्मेलन ट्रंप के प्रखर विरोध के चलते ही नहीं भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इसके दो सत्रों में दिए गए संबोधनों के कारण भी चर्चा में है। ये न केवल अत्यंत अर्थवान थे, बल्कि उन्होंने यह भी सिद्ध किया कि आज भारत वैश्विक विमर्श को दिशा देने की क्षमता रखता है। प्रधानमंत्री ने पुराने विकास मॉडल पर पुनर्विचार की जो अपील की वह अत्यंत दूरदर्शी और व्यावहारिक तथा समयोचित है। दशकों से चल रहे विकास के फार्मूले अत्यधिक खपत, संसाधनों के भीषण दोहन तथा प्रकृति के प्रति उदासीनता से भरे हैं, जिन्होंने वैश्विक असमानता बढ़ाई है। पुराने मॉडल के हिसाब से चलें तो विकसित देशों की आर्थिक वृद्धि अक्सर विकासशील दुनिया के संसाधनों की कीमत पर होती है। इस असंतुलित मॉडल को बदलना अनिवार्य है, क्योंकि वर्तमान संकट- जलवायु से लेकर खाद्य असुरक्षा तक सभी इसी विफल दर्शन का परिणाम हैं। उन्होंने वैश्विक चुनौतियों, भू-राजनीतिक तनाव, खाद्य-ऊर्जा असुरक्षा और जलवायु जोखिम पर भारत का दृष्टिकोण बहुत प्रभावी तरीके से रखा।

उल्लेखनीय बात यह कि विभिन्न देशों के प्रतिनिधि उनकी वैश्विक विभाजन को पाटने और मल्टीलेटरलिज़्म को नया स्वरूप देने की आवश्यकता पर सहमत दिखे। उन्होंने माना कि भारत उभरती दुनिया और विकसित देशों के बीच एक भरोसेमंद सेतु की भूमिका निभा सकता है। मोदी द्वारा श्री अन्न यानी मोटे अनाज, जलवायु परिवर्तन, जी–20 सेटेलाइट डेटा पार्टनरशिप एवं डिजास्टर रिस्क रिडक्शन पर जो बातें कहीं वह जी–20 के लिए अत्यंत समीचीन मुद्दे हैं। कृषि, स्वास्थ्य, और आपदा प्रबंधन विश्वभर में चुनौतीग्रस्त हैं। ऐसे में मोटा अनाज पोषण, खाद्य सुरक्षा और जलवायु-सहिष्णु कृषि मॉडल का वास्तविक विकल्प है। इसी प्रकार, आपदाओं के पूर्वानुमान और प्रबंधन में सेटेलाइट डेटा की साझेदारी ऐसी पहल है जो विकासशील देशों को तकनीकी निर्भरता से मुक्त कर देगी। मोदी ने वैश्विक पारंपरिक ज्ञान भंडार, ड्रग–टेरर नेक्सस के खिलाफ कार्रवाई और अफ्रीकी कौशल को बढ़ावा देने जैसी बातें उठाईं। पारंपरिक ज्ञान, विशेषकर भारत और अफ्रीका जैसे क्षेत्रों का, आज सतत विकास और स्वास्थ्य सुरक्षा में अत्यधिक उपयोगी हो सकता है। वहीं, ड्रग-टेरर नेटवर्क पर चोट करने से आतंकवाद की फंडिंग स्वतः कमजोर होती है, क्योंकि वैश्विक आतंकवाद का बड़ा हिस्सा मादक पदार्थों की तस्करी पर निर्भर करता है। भारत ने पहली बार इस विषय को जी–20 जैसी आर्थिक मंच पर प्रमुखता से उठाकर इसकी सामरिक महत्ता को रेखांकित किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने न केवल मुद्दों को उठाया, बल्कि समाधान-उन्मुख दृष्टि भी प्रस्तुत की। भारत ने यह संदेश दिया कि वह केवल एक उभरती शक्ति नहीं, बल्कि समाधान-प्रदाता देश है, इसलिए जी-20 में भारत की भूमिका को मजबूत, संतुलित और वैश्विक सहमति निर्माण में निर्णायक माना जाना चाहिए। अमेरिका की अनुपस्थिति के बावजूद जी-20 के देशों के रुख से लगता है कि सम्मेलन के प्रतिफलन पर इसका कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

प्रसंगवश

तेजस हादसा और मेक इन इंडिया की साख

21 नवंबर को दुबई वर्ल्ड सेंट्रल (अल-मक्तूम) एयरपोर्ट पर आयोजित एयर शो के दौरान भारतीय वायुसेना का स्वदेशी लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) 'तेजस एमके-1ए' अचानक नियंत्रण खोकर नीचे गिर गया और आग के गोले में बदल गया। भारतीय वायुसेना ने हादसे की पुष्टि करते हुए कहा कि इस दुर्घटना में पायलट की शहादत हुई है और घटना की जांच के लिए कोर्ट-ऑफ-इंक्वायरी गठित की गई है। दुबई एयर शो के दौरान हजारों लोग अपनी आंखें ऊपर टिकाए उस गर्वित क्षण को देख रहे थे, जब भारत का तेजस एमके-1ए आकाश में अपने कौशल की झलक दिखा रहा था, परंतु कुछ ही पलों में यह दृश्य एक भयावह त्रासदी में बदल गया।

योगेश कुमार गोयल

वरिष्ठ पत्रकार

स्वदेशी इंजीनियरिंग का सबसे चमकदार प्रतीक यह वही तेजस है, जिसने पहली बार 2001 में उड़ान भरी थी और 23 वर्षों तक किसी भी दुर्घटना का शिकार नहीं हुआ। दुनिया के कई हल्के लड़ाकू विमानों में तेजस को सबसे सुरक्षित माना जाता था और आज भी उसकी श्रेणी में यह एक अत्यंत विश्वसनीय प्लेटफॉर्म है। तेजस क्रैश का यह दूसरा मामला है। पहला मार्च 2024 में राजस्थान के जैसलमेर के पास हुआ था, जिसमें पायलट सुरक्षित इजेक्ट हो गए थे। बाद की जांच में पाया गया था कि उस दुर्घटना का कारण इंजन का अचानक सीज होना था। इसके पीछे ऑयल पंप में खराबी की संभावना बताई गई थी। उस घटना के बाद पूरे एलसीए एमके-1 बेड़े की विस्तृत सुरक्षा जांच की गई और पाया गया कि विमान में कोई प्रणालीगत सुरक्षा खामी नहीं है। ऐसी स्थिति में दुबई हादसा एक बार फिर प्रश्न उठाता है कि आखिर इस विश्वसनीय प्लेटफॉर्म ने प्रदर्शन के दौरान अचानक ऐसा व्यवहार क्यों किया, जिसने पायलट को प्रतिक्रिया का भी अवसर नहीं दिया?

दुबई एयर शो में विमान द्वारा किए जा रहे मैन्यूवर्स के दौरान जो दृश्य सामने आए, उन्होंने विशेषज्ञों के बीच कई सवाल पैदा किए हैं। विमान तेज गति से एक मोड़ ले रहा था और सामान्यतः ऐसी परिस्थितियों में तेजस जैसे आधुनिक चौथी पीढ़ी के विमान स्थिर रहते हैं, परंतु पलभर में ही उसका नियंत्रित ग्लाइड अचानक एक फ्री-फॉल में तब्दील हो गया। विमान के नीचे आते ही कुछ ही सेकेंड में वह पूरी तरह आग में घिर गया। ऐसे में सवाल यही है कि क्या तेजस में कोई ऐसी खामी थी, जो वह दुर्घटनाग्रस्त हुआ। क्या उसकी उड़ान से पहले फिट होने की सही तरह से जांच नहीं की गई थी? न केवल देश बल्कि दुनिया के सामने यह सामने आना जरूरी है कि आखिर तेजस एकाएक हवा से सीधा जमीन पर क्यों आ गिरा, क्योंकि इसे पूरी तरह सुरक्षित माना जाता है।

दुबई एयरशो में तेजस की उपस्थिति भारत के लिए केवल तकनीक का प्रदर्शन नहीं थी, बल्कि यह एक अंतर्राष्ट्रीय मंच था, जहां भारत अपनी रक्षा विनिर्माण क्षमता का भरोसेमंद चेहरा पेश कर रहा था। ऐसे में तेजस का प्रदर्शनी के दौरान दुर्घटनाग्रस्त होना स्वाभाविक रूप से भारत की निर्यात संभावनाओं के लिए चिंता का विषय है, हालांकि रक्षा विशेषज्ञ इस बात पर सहमत हैं कि एक अकेली दुर्घटना किसी विमान की छवि को स्थायी रूप से धूमिल नहीं करती, बशर्ते जांच पारदर्शी, तेज और गहन हो। एफ-16, मिग-29, राफेल, ग्रिपेन इत्यादि दुनिया के लगभग सभी प्रसिद्ध युद्धक विमानों की शुरुआती वर्षों में दुर्घटनाएं हुई थीं, लेकिन समय के साथ वे दुनिया के सबसे विश्वसनीय प्लेटफॉर्म बने। अतः तेजस के लिए भी यह निर्णायक परीक्षा का समय है।

लेबर रिफॉर्म कानून बन जाना ही काफी नहीं

अंजनी निगम

वरिष्ठ पत्रकार

केंद्र सरकार ने 21 नवंबर से चार श्रम संहिताएं लागू करते हुए इसे भारत के कार्यबल के लिए नए युग का शुभारंभ बताया है। चार लेबर कोड को लागू करते ही पहले के 29 श्रम कानून खत्म हो गए हैं और उनकी जगह एक एकीकृत और सरल कानूनी ढांचा काम करेगा। सरकार का दावा है कि मजदूरी पर कोड (2019), इंडस्ट्रियल रिलेशन कोड (2020), सोशल सिक्योरिटी पर कोड (2020) तथा ऑक्यूपेशनल सेफ्टी, हेल्थ एंड वर्किंग कंडीशंस (OSHWC) कोड (2020) से भारत के लेबर गवर्नेंस को मॉडर्न बनाया जा सकेगा। सरकार ने इसे आत्मनिर्भर भारत के लिए रिफॉर्म बताया है, जैसा सितंबर के महीने में जीएसटी की नई दरें लागू करते समय कहा गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि ये कोड श्रमिक भाई-बहनों के लिए सामाजिक सुरक्षा, समय पर वेतन और सुरक्षित कार्यस्थल की व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने इसे ऐतिहासिक फैसला बताते हुए कहा कि नया फ्रेमवर्क दशकों पुराने लेबर नियमों को आसान बनाएगा। इन कानूनों से भारत का लेबर इकोसिस्टम, दुनिया की सबसे अच्छी प्रैक्टिस करने वाला बनेगा। सरकार ने इस बात पर जोर दिया कि यह बदलाव रोजगार पैदा करने में मदद करेगा।

इन कोड को लागू करने के साथ ही मोदी सरकार की सात गारंटी भी बताई गई हैं, जिन पर गौर करने की आवश्यकता है। इन गारंटियों में पहली गारंटी न्यूनतम और समय पर वेतन की है, लेकिन वास्तविकता इन कानूनों का अनुपालन कराने वाला विभाग अधिक जानता है। न्यूनतम वेतन को लेकर ही देश भर में लाखों मुकदमे श्रम विभाग से लेकर सर्वोच्च न्यायालय तक चल रहे हैं, जिनसे सरकार अनभिज्ञ नहीं है।

दूसरी गारंटी नियुक्ति पत्र देने की कही गई है, लेकिन जो कंपनियां आउट सोर्सिंग या ठेके पर तैनाती करती हैं, उन पर किस तरह से अंकुश लगाया जा सकेगा यह नहीं बताया गया है। वर्तमान ही नहीं पहले की सरकारें भी महिलाओं की समानता की बात करती रही हैं, लेकिन प्रश्न उठता है कि क्या आज भी महिलाओं को समानता मिल सकी है। श्रम विभाग का इंस्पेक्टर कैसे पता लगा सकेगा कि संस्थान महिला श्रमिकों को समान अवसर और समान वेतन दे रहे हैं। प्रथम तो महिला ही नहीं बहुत से पुरुष श्रमिक भी संस्था के रोल पर नहीं होते हैं, फिर उन्हें अपनी नौकरी जाने का डर सताता है, जिसके चलते वे शिकायत भी नहीं कर पाते हैं। जहां तक श्रम विभाग के निरीक्षण की बात है, तो वो लोग प्रबंधन के कमरे में जाकर जांच पूरी कर लेते हैं और कुछ श्रमिकों को प्रबंधक के सामने बुलाकर बयान भी ले लेते हैं।

सरकार ने चौथी गारंटी सामाजिक सुरक्षा बताई है, जो बिना नियुक्ति पत्र के लागू ही नहीं होती। सामाजिक सुरक्षा के लिए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन और कर्मचारी राज्य बीमा निगम जैसी संस्थाएं हैं, जिनके संगठित भ्रष्टाचार पिछले कुछ महीनों में उजागर हो चुके हैं कि किस तरह ये विभाग मालिकों से मिल कर कर्मचारियों के अधिकारों पर कुल्हाड़ी चला रहे थे।

पांचवीं गारंटी में कहा गया है कि निश्चित अवधि की एक वर्ष की नौकरी के बाद ग्रेच्युटी दी जाएगी। इस नियम के बनते ही अब कंपनियां दो या तीन वर्ष का कांट्रेक्ट करने के बजाए 11 महीने का ही करेंगे, ताकि ग्रेच्युटी देने की नौबत ही न आने पाए। कंपनियों ने दो या तीन वर्ष भी इसीलिए किया था, क्योंकि तब ग्रेच्युटी का नियम पांच वर्ष की नौकरी का था। मोदी सरकार की छठी गारंटी निशुल्क स्वास्थ्य जांच अनिवार्य करने के संबंध में है, जो कभी नहीं होती है। बहुत कम कंपनियां ही अपने कर्मचारियों का ग्रुप इंश्योरेंस कराती हैं और पैसा देकर डॉक्टरों की टीम बुलाकर जांच कराना शायद उनकी डिक्शनरी में ही नहीं है।

सातवीं और अंतिम गारंटी जोखिम भरे कामों में 100% स्वास्थ्य सुरक्षा देने की है। असंठित क्षेत्र में लाखों मज़दूर ऐसी स्थितियों में काम करते हैं और कुछ अनहोनी होने पर संस्था पल्ला झाड़ने की कोशिश करती है, परिजनों को मुआवजा पाने को धरना-प्रदर्शन करना पड़ता है।

श्रमिक संगठनों ने इसके लागू होने के साथ ही यह कह कर विरोध करना शुरू कर दिया है कि सरकार इन चार लेबर कोड के जरिए मजदूर वर्ग को कमजोर और असंगठित बना कर उनके संवैधानिक अधिकारों को खत्म करने की कोशिश कर रही है। इतना ही नहीं केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के फेडरेशन ने 26 नवंबर को राष्ट्रीय स्तर पर 'विरोध दिवस' मनाने की घोषणा की है। श्रम संघों का मानना है कि ये कोड वास्तव में कारपोरेट सेक्टर के हितों का ध्यान रखते हुए बनाए गए हैं, 'ईज आफ डूइंग बिजनेस' के नाम पर श्रमिकों पर आधुनिक गुलामी थोपने की कोशिश की जा रही है, इन नियमों से कर्मचारियों को कांट्रैक्ट और असंगठित ढांचे की तरफ धकेला जा रहा है, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

श्रम संगठनों का विरोध कुछ हद तक गलत भी नहीं लगता, क्योंकि उनका कहना है इसमें छंटनी से संबंधित प्रावधान अस्पष्ट हैं, जिसका लाभ लेते हुए सेवायोजक छंटनी करेंगे। सभी जानते हैं बीते साल भर में कई बड़ी कॉरपोरेट कंपनियों में विभिन्न कारणों से बड़े पैमाने पर कर्मचारियों की छंटनी की गई है। छंटनी के साथ ही बंदी या लेऑफ के लिए अनिवार्य सरकारी अनुमति की सीमा बढ़ा दी गई है। जहां पहले 100 या अधिक श्रमिकों वाले प्रतिष्ठानों को सरकार से अनुमति लेनी होती थी, वहीं अब इस सीमा को बढ़ा कर 300 श्रमिक कर दिया गया है। इतना ही नहीं कारखानों में काम का समय नौ घंटे से बढ़ा कर 12 घंटे कर दिया गया है। उन्होंने इसके लिए आम जनता से भी आह्वान किया है कि वे सरकार की इन नीतियों के खिलाफ व्यापक एकजुटता दिखाते हुए 26 नवंबर को होने वाले विरोध में शामिल हों।

कानून बना देना एक काम है और उसे लागू करना दूसरा। लेबर रिफार्म कानून के कई नियम अच्छे हैं। अहम यह है कि इसे लागू कैसे किया जाएगा! दूसरी तरफ इसके कई प्राविधानों का विरोध भी शुरू हो गया है।

आमने

दुनिया के कई बड़े शहरों में मुसलमान मेयर बन सकते हैं, मगर भारत में किसी मुसलमान को विश्वविद्यालय का कुलपति बनने का मौका नहीं मिलता। कोई ऐसा करने की कोशिश करता है, तो उसे आज़म खान जैसी सज़ा भुगतनी पड़ती है। –**मौलाना अरशद मदनी**

अध्यक्ष

जमीयत उलेमा-ए-हिंद

सामने

हमारे यहां के मुसलमान कई शहरों में मेयर बने हैं। भारत का मुसलमान राष्ट्रपति बन सकता है। मुख्य न्यायाधीश बन सकता है। क्रिकेट-हॉकी टीम का कप्तान बन सकता है। वायुसेना का प्रमुख बन सकता है। फिर भी मौलाना अरशद मदनी इस तरह के बयान दे रहे हैं।

–**शाहनवाज हुसैन**

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता

जी-20: समावेशी व न्यायपूर्ण समाज की ओर दुनिया

अरविंद जयतिलक

लेखक

जटिल वैश्विक रणनीतिक-सामरिक गोलबंदी और दांव-पेचों के बीच दक्षिण अफ्रीका के शहर जोहान्सबर्ग में आयोजित जी-20 देशों का 20वां शिखर सम्मेलन समावेशी आर्थिक विकास, जलवायु, लचीलापन, स्वास्थ्य, आतंकवाद, सुरक्षित आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के अलावा कई अन्य महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों पर केंद्रित रहा। इस सम्मेलन की थीम रही 'एकजुटता, समानता और स्थिरता'। सम्मेलन के तीन मुख्य सत्रों में 'समावेशी और स्थिर आर्थिक विकास', 'एक मजबूत दुनिया में जी-20 का योगदान' और 'सभी के लिए एक सही और न्यायपूर्ण भविष्य' पर चर्चा हुई। यह सम्मेलन सिर्फ इस मायने में ही महत्वपूर्ण नहीं है कि इसका आयोजन अफ्रीकी महाद्वीप में पहली बार हुआ है। बल्कि इस मायने में भी महत्वपूर्ण रही कि दृढ़ इच्छाशक्ति और सकारात्मक सोच के जरिए असहमतियों और खींचतान के बावजूद भी वैश्विक लक्ष्यों को हासिल करना कोई कठिन लक्ष्य नहीं है। इस दृष्टि से यह सम्मेलन खरा उतरा है।

सम्मेलन के कुल 122 पैराग्राफ वाले दृष्टिकोण में यह साफ देखने को भी मिला है कि टकराव के बजाय सहमति पर मुहर लगी है, जो कि इस सम्मेलन की बड़ी उपलब्धि है। गौर करें तो सम्मेलन के दृष्टिकोण में मानवीय त्रासदी के लिए जिम्मेदार सुपर शक्तियों को उनकी कारगुजारियों पर परोक्ष रुप से कटाक्ष करते हुए अस्थिर होते वैश्विक अर्थव्यवस्था और संतुलन को लेकर गहरी चिंता जताई गई है। साथ ही इसके समाधान पर भी जोर दिया गया है। दुनिया के जिम्मेदार ताकतवर देशों से अपील की गई कि वे अपने उत्तरदायित्वों का भली-भांति निर्वहन करते हुए यूएन चार्टर के तहत क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता का सम्मान करें। देखा भी जा रहा है कि दुनिया के तमाम देश युद्ध में उलझे हैं और परमाणु युद्ध का खतरा बढ़ता जा रहा है।

सम्मेलन के दृष्टिकोण पर नजर दौडाएं तो निम्न आय वाले देशों की गरीबी और असमानता पर विशेष फोकस करते हुए उससे निपटने पर जोर दिया गया है। विशेष रूप से अफ्रीकी महाद्वीप में पसरी गरीबी और भुखमरी से निपटने, आर्थिक असमानता दूर करने और बुनियादी जरूरतें पूरा करने पर बल दिया गया है। कहा गया है कि 600 मिलियन अफ्रीकी लोगों तक बिजली की पहुंच नहीं है। सम्मेलन बाद उम्मीद की जानी चाहिए कि जी-20 और दुनिया के समर्थ देश अफ्रीकी महाद्वीप के पिछड़े देशों की आर्थिक सेहत सुधारने के लिए कदम आगे बढ़ाएंगे।

सम्मेलन के दृटिकोण के जरिए विकासशील देशों के बिगड़ते हालात की ओर भी ध्यान खींचा गया है। इसमें कहा गया है कि घर में भोजन पकाने के ईंधन की कमी से तकरीबन दो मिलियन अफ्रीकी हर वर्ष जान गंवाते हैं। खाद्य सुरक्षा की जरूरतों को रेखांकित करते हुए कहा गया है कि 2024 में दुनिया के 720 मिलियन लोग भूख से जूझ रहे हैं। इसी तरह तकरीबन 2.6 बिलियन लोगों का संतुलित पोषक भोजन तक पहुंच नहीं है। गौर करें तो यह स्थिति एक स्वस्थ और समृद्ध विश्व के लिए ठीक नहीं है। अगर जी-20 के देश इस भीषण समस्या के समाधान में अपना सकारात्मक योगदान देते हैं तो ठीक है, वरना हालात पहले से भी बदतर होंगे। ऐसा इसलिए कि खाद्य सुरक्षा और पोषण की स्थिति (एसओएफआई) रिपोर्ट-2025 बताती है कि वर्ष 2024 में 63.8 करोड़ से 72 करोड़ लोग जो वैश्विक जनसंख्या का क्रमशः 7.8 और 8.8 प्रतिशत है, भूख का सामना करेंगे।

गौर करें तो संयुक्त राष्ट्र की 2024 की ग्लोबल हंगर इंडेक्स रिपोर्ट भी बताती है कि दुनिया के 36 देशों में भूख का स्तर बेहद गंभीर है। इस नाते विश्व स्तर पर 2025 तक 673 मिलियन लोग भूख का अनुभव करेंगे, जो कि कुल जनसंख्या का 8.2 प्रतिशत है। विडंबना यह कि एक ओर करोड़ों लोग भूख और कुपोषण से दम तोड़ रहे हैं, वहीं विश्व में हर साल लगभग 1.05 अरब टन खाना बर्बाद हो रहा है। यह कुल खाद्य उत्पादन का तकरीबन 19 प्रतिशत है। इसका मतलब यह हुआ कि दुनिया भर में हर दिन लगभग एक अरब से ज्यादा थालियां बर्बाद होती हैं।

अगर जी-20 के देश बर्बाद किए जा रहे अन्न को बचाने का रोडमैप तैयार करते हैं, तो निःसंदेह मानवता का कल्याण होगा। इसे ध्यान में रखते हुए ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस सम्मेलन में 'वसुधैव कुटुंबकम' (एक धरती, एक परिवार, एक भविष्य) के अपने दृष्टिकोण को प्रस्तुत किया। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी अपनी वैचारिक मानवीय सोच और दृढ़ता के लिए जाने जाते हैं। उसकी बानगी इस शिखर सम्मेलन में भी देखने को मिली। उन्होंने वैश्विक विकास के उद्देश्य से चार नई पहलों का प्रस्ताव रखा। यह पहल है- वैश्विक ज्ञान भंडार की स्थापना, अफ्रीका कौशल गुणक पहल, वैश्विक स्वास्थ्य देखभाल प्रतिक्रिया टीम और ड्रग-टेरर नेक्सस का मुकाबला करने की पहल। उन्होंने जी-20 देशों से आग्रह किया कि वे समावेशी और सतत विकास पर जोर दें, ताकि सर्वांगीण विकास के लक्ष्य को आसानी से हासिल किया जा सके। उन्होंने भारतीय मूल्यों और सभ्यागत संस्कारों को दुनिया के लिए मार्गदर्शक, कल्याणकारी और प्रेरणादायक कहा। उन्होंने उम्मीद जताई कि जी-20 वैश्विक पारंपरिक ज्ञान भंडार पारंपरिक ज्ञान का दस्तावेजीकरण करेगा, जो कि टिकाऊ जीवन के समय-परिक्षणित मॉडल को प्रदर्शित करता है।

दृढ़ इच्छाशक्ति और सकारात्मक सोच के जरिए असहमतियों और खींचतान के बावजूद भी वैश्विक लक्ष्यों को हासिल करना कोई कठिन लक्ष्य नहीं है। इस दृष्टि से जी-20 सम्मेलन खरा उतरा है।

सोशल फोरम

आखिर कैसे दिखते थे महात्मा बुद्ध!

प्रवीण झा

लेखक

यूं तो बुद्ध की मूर्तियां आज दुनिया भर में हैं। यह ऐसी मूर्ति है, जो नास्तिकों के घर में भी मिल जाएंगी। नास्तिकों के देश नीदरलैंड के वेश्यालयों में बुद्ध की मूर्ति का जिक्र है, लेकिन ये छवियां बुद्ध के कितने करीब रही होंगी? जहां अन्य कई श्रमण बाल लंबे बढ़ा कर रखते थे, बुद्ध ने अपने बाल बहुत पहले ही मुंडवा लिए थे। अक्सर ऐसा करने वाले श्रमण बालों को खींच-खींच कर जड़ से उखाड़ लेते थे, लेकिन बुद्ध की पोटली में सुई-धागे के साथ एक धारदार चाकू का जिक्र आता है। संभव है कि इससे वह अपने सर को नियमित उस्तरा लगा कर रखते हों।

बुद्ध के वर्णनों में गोल चेहरा, मुंडा सर, पैनी आंखें, दुबला-पतला किंतु मजबूत शरीर, आकर्षक छवि और स्पष्ट वाणी दिखती है। हालांकि धूप में भटक-भटक कर उनका रंग समय के साथ सांवला पड़ गया और अन्य मनुष्यों की तरह उनका भी बुढ़ापा आया। उनके शिष्य और चचेरे भाई आनंद ने उनके विषय में लिखा है, 'उनके चेहरे में अब वह चमक नहीं रही। उस पर झुर्रियां आ गई हैं। हाथ-पैर झूल से गए हैं और रीढ़ सीधी नहीं रही।'

बुद्ध की सबसे विस्तृत छवि एक ब्राह्मण उत्तरा के शब्दों में मिलती है, जिनके गुरु ने उनके पास यह देखने भेजा था कि पता करिए, यह वाकई परम ज्ञानी हैं या नहीं। उन्होंने लौट कर बताया कि एक महापुरुष में जो बत्तीस भौतिक चिन्ह दिखने चाहिए, वह सभी उनके शरीर में दिखते हैं। उनके भोजन करने के विषय में उत्तरा कहते हैं, 'वह जब चावल खाते हैं, तो कटोरे को न ऊपर उठाते हैं, न नीचे रखते हैं, न ही अपनी तरफ झुकाते हैं। न बहुत अधिक खाते हैं, न बहुत कम। वह उसमें उतना ही रस डालते हैं कि उचित कौर बन जाए। वह इसे ठीक से चबा कर निगलते हैं। वह स्वाद लेकर खाते हैं, किंतु इस स्वाद का मोह नहीं रखते।'

बत्तीस भौतिक चिह्नों में लंबे कान, उंगलियों के मध्य कम स्थान, गज के समान मस्तक आदि वर्णित हैं। हालांकि कुछ वर्णनों में ऐसी अतिशयोक्ति नहीं मिलती और बुद्ध को देखने वाले उन्हें सामान्य पुरुषों जैसा ही बताते हैं, लेकिन उनके चेहरे में एक आकर्षक शांति दिखती है। इतना तो कयास लगाया जा सकता है कि बुद्ध की वाणी ऐसी होगी कि लोग उन्हें सुनने बैठ जाएं।

– फेसबुक वाल से

सामयिकी

मुस्लिम समाज का सेकुलर दलों से दरकता रिश्ता

मुस्लिम समाज और धर्मनिरपेक्ष दलों का प्यार और विश्वास का रिश्ता रहा है, किंतु इधर ये दल राजनीतिक हवा की मजबूरी में अल्पसंख्यकों को अपना फिक्स वोट मानकर इन्हें नजरअंदाज करने लगे और दलितों व बहुसंख्यक समाज को रिझाने की ज्यादा कोशिश करने लगे हैं। इस बात से नाखुश अकलियत एआईएमआईएम की तरफ रुख करने लगा है, ताकि उसके विश्वास के पारंपरिक दल डरें, घबराएं और अपने प्यार और विश्वास पर पुनः तवज्जो दें।

बिहार के पिछले दो विधानसभा चुनावों में ऐसा ही हुआ। कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल को नजरंदाज कर मुसलमानों ने औवेसी की झोली में पांच सीटें डाल दीं, अन्य कई सीटों पर महागठबंधन और एआईएमआईएम में अकलियत के वोटों का बंटवारा हुआ और एनडीए को इसका सीधा लाभ मिला। दरअसल बिहार में महागठबंधन की हार के तमाम कारणों में मुस्लिम समाज की नाराजगी और इनके वोटों का बिखराव भी था।

नवेद शिकोह

वरिष्ठ पत्रकार

औवेसी महागठबंधन में आना चाहते थे और उन्होंने साफ कहा था कि उनकी पार्टी वोट कटवा या भाजपा की बी टीम के इल्ज़ाम से बरी होना चाहती है, इसलिए एआईएमआईएम गठबंधन के शीर्ष नेताओं के दरवाजे पर जाकर केवल छह सीटों की गुजारिश की थी, जबकि बिहार में पिछले चुनाव में एआईएमआईएम पांच सीट जीती थी। ओवैसी की इतनी गुजारिश और सफाई देने के बाद भी तेजस्वी यादव ने उन्हें एक भी सीट नहीं दी और कड़वे शब्द इस्तेमाल किए, ये बात मुस्लिम समाज को नागवार गुजरी।

मसला ये है कि मुसलमान चाहता है कि उनका समाज एकजुट होकर धर्मनिरपेक्षता की रक्षा के लिए जिन दलों का समर्थन करता रहा है, वो दल खुल कर मुस्लिम समाज के मुद्दों को उठाएं। टिकट, संगठन, सियासत और हुकुमत में पर्याप्त हिस्सेदारी मिले, लेकिन मुसलमानों के वोट लेने वाले दल भाजपा द्वारा लगाए गए तुष्टिकरण के आरोपों और ध्रुवीकरण के प्रयासों के हथियार कुंद करने के लिए मुसलमान शब्द से भी बचने लगे हैं। सियासी मजबूरी इस क़द्र हावी हो गई है कि समाजवादी पार्टी के पीडीए में मुस्लिम के बजाए अल्पसंख्यक शब्द का इस्तेमाल किया गया है।

देश की आजादी और लोकतांत्रिक व्यवस्था के बाद से अधिकांश कालखंडों में मुस्लिम समाज धर्मनिरपेक्ष दलों के समर्थन में आगे रहा है। समय-समय पर सपा और कांग्रेस जैसे दलों की तरफ अकलियत का झुकाव बढ़ा। मुस्लिम समाज इन दलों का सबसे बड़ा वोट बैंक बन गया। पिछले करीब दस-ग्यारह बरस से भाजपा ने ये माहौल जमा दिया कि सपा-कांग्रेस जैसे दल मुस्लिम तुष्टिकरण में अव्वल हैं। इनकी सत्ता में हिंदुओं को नजरंदाज किया जाता है। उनकी सरकारों में सनातनी सुरक्षित नहीं रहते।

अस्सी-बीस के खेल में ध्रुवीकरण भाजपा को खूब रास आया। तुष्टिकरण जैसे सबसे अधिक आरोप सह रही अखिलेश यादव की नई सपा ने मुस्लिम मामलात और मुद्दों से थोड़ी दूरी बना ली। यदि दो घटनाओं में कहीं दलित के साथ अन्याय हुआ और कहीं मुसलमान के साथ तो अखिलेश यादव ने दलित अन्याय मुद्दे को तो खूब उठाया पर मुस्लिम मामले में वो अधिक मुखर नहीं हुए। अखिलेश यादव की ऐसी राजनीतिक मजबूरी को समझते हुए बिहार में राजद मुखिया तेजस्वी यादव ने भी कुछ ऐसा ही किया। दो राज्यों में नजरअंदाज किए जा रहे अल्पसंख्यक वर्ग ने झटका देते हुए एआईएमआईएम में दिलचस्पी दिखाई। ये झटका बिहार में महागठबंधन को करारी हार की तरफ ले गया। ये तस्वीर अब सपा मुखिया अखिलेश यादव को सताने लगी है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह***

0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

कारें हमेशा से ही सिर्फ सफर का जरिया नहीं रही हैं, बल्कि समाज में स्टेटस सिंबल और पर्सनैलिटी का आईना भी रही हैं, लेकिन जब कार को सिर्फ ड्राइव करने भर का साधन न मानकर उसे अपनी जरूरत और लाइफस्टाइल के हिसाब से ढालने की चाहत जगी, तभी कस्टमाइजेशन की दुनिया का जन्म हुआ। कार निर्माताओं या शोरूम के साथ शुरू हुआ यह सिलसिला जहां सामान्य ग्राहक के लिए एसेसरीज के नाम पर एक बड़ा बाजार बन चुका है, वहीं अमीरों और सेलिब्रेटीज के लिए उनके शौक और शख्सियत की पहचान का हिस्सा है। आज कारों का कस्टमाइजेशन चाहत और पसंद से आगे बढ़कर पर्सनल ब्रांडिंग का प्रतीक जैसा बन चुका है। ऐसे में कस्टमाइजेशन के इस दौर में यह कहना गलत नहीं होगा कि 'कार वही, पर पहचान सिर्फ आपकी।' जाहिर है, जो कार कल तक सिर्फ सफर का साधन थी, आज वह आपकी पहचान और पर्सनैलिटी का हिस्सा है। कस्टमाइजेशन अब लग्जरी नहीं, बल्कि पर्सनल ब्रांडिंग है। इलेक्ट्रिक कारों और सस्टेनेबल मटेरियल के साथ इसका अब नया दौर शुरू हो चुका है। एआई बेस्ड इंफोटेनमेंट और स्मार्ट सेफ्टी फीचर्स जल्दी ही कार को पर्सनल स्पेस तथा टेक्नोलॉजी का कॉम्बो बना देंगे। *-मनोज त्रिपाठी, कानपुर*

जब कार बन जाए आपकी खास पहचान

कस्टमाइज्ड कार की औसत लागत

- बेसिक मॉडिफिकेशन 2 से 5 लाख रुपये में कराया जा सकता है। इसमें अलॉय व्हील्स, बॉडी किट, सीट कवर, लाइटिंग जैसी चीजें शामिल रहती हैं।
- प्रीमियम कस्टमाइजेशन कराने पर खर्च 10 से 30 लाख रुपये तक हो सकता है। इसमें नया इंटीरियर, कस्टम पेंट, एंटरटेनमेंट सिस्टम, लग्जरी सीटिंग जैसे बदलाव किए जा सकते हैं।
- हाई एंड कस्टमाइजेशन कराने पर खर्च बढ़कर 50 लाख से 5 करोड़ तक पहुंच सकता है। इस तरह के बदलाव में बुलेटप्रूफिंग, एआई-इंटिग्रेटेड डैशबोर्ड, होम-थिएटर जैसी टेक्नोलॉजी, पूरी तरह नया बॉडी डिजाइन जैसी चीजों का चुनाव किया जाता है।

कस्टम कारों के हॉट फीचर्स

- 360 डिग्री रोटेटिंग रिक्लाइनर सीटें
- होम थिएटर तथा गेमिंग सेटअप
- मिनी फ्रिज और काफी मशीन
- स्मार्ट लाइटिंग व एआई असिस्टेंट
- कार्बन-फाइबर बॉडी किट
- इलेक्ट्रिक/हाइब्रिड कन्वर्जन

सबसे महंगी कस्टमाइज कार है पूनावाला के पास

भारत की सबसे महंगी कस्टमाइज कार के मामले में योहान पूनावाला की रोल्स-रॉयस फैंटम VIII EWB (Bohemian Red) को गिना जाता है, जिसकी कीमत 22 करोड़ से ज्यादा है। इसमें सॉलिड गोल्ड स्पिरिट ऑफ एक्स्टसी और इल्युमिनेटेड फ्रंट ग्रिल जैसे विशेष कस्टमाइजेशन किए गए हैं। देश की महंगी कस्टमाइज कारों में नीता अंबानी की रोल्स-रॉयस फैंटम VIII EWB (Rose Quartz) और मुकेश अंबानी की बुलेटप्रूफ रोल्स-रॉयस कलिनन भी शामिल हैं। इनके अलावा फिल्म अभिनेता शाहरुख खान, अमिताभ बच्चन, रणवीर सिंह ने भी अपनी कारों को अपनी पसंद के मुताबिक कस्टमाइज्ड कराने पर बड़ी रकम खर्च की है।

कस्टमाइजेशन के फायदे

- कार कस्टमाइजेशन से आपकी गाड़ी को एक आकर्षक तथा अनोखी पहचान मिलती है।
- यह व्यक्तिगत शैली और पसंद को दर्शाने का एक तरीका भी है।
- कस्टमाइजेशन से कार के प्रदर्शन और खूबसूरती में सुधार किया जा सकता है।
- इससे कार को एक नया लुक और लोग मुड़कर देखने के लिए बाध्य होते हैं।

सोने-चांदी की फिटिंग से लेकर हाथी दांत की सजावट तक

20 वीं सदी की शुरुआत में जब यूरोप और अमेरिका में कारें अमीरों का खिलौना मानी जाती थीं, तभी से रईस लोग इन्हें अपनी पसंद और सुविधा के मुताबिक बदलवाने लगे थे। 1920-30 के दशक में रॉल्स-रॉयस, बेंटले और कैडिलैक जैसी कंपनियों के लिए 'कोच बिल्डिंग' का दौर चला, इसमें कार की बॉडी और इंटीरियर ग्राहकों की पसंद से तैयार किए जाते थे। बात भारत की करें, तो यहां पर कस्टमाइजेशन का ट्रेंड शाही रियासतों से शुरू हुआ। अनेक राजा-महाराजाओं ने अपनी कारों को सोने-चांदी की फिटिंग, हाथी दांत की सजावट और यहां तक कि हथियार रखने की जगह तक के साथ बनवाया। किसी ने उसे शानदार बग्घी का स्वरूप दिया, तो किसी ने शाही सवारी जैसा बनवाया। जहां तक दुनिया की बेहतरीन कस्टमाइज्ड कार की बात है, तो सबसे ऊपर रॉल्स-रॉयस स्वेप्टेल का नाम आता है। यह अब तक की सबसे महंगी कस्टमाइज्ड कार गिनी जाती है, जिसे करीब 96 करोड़ रुपये खर्च करके एक अनाम अरबपति ने अपनी लग्जरी यॉट से इंस्पायर्ड डिजाइन कराया था।

सितारों के लिए पर्सनालिटी सिग्नेचर जैसी उनकी गाड़ियां

भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी हार्दिक पांड्या ने बीते दिनों अपनी सुपर एसयूवी लैंबोर्गिनी का मेकओवर करके चर्चा पाई थी। उन्होंने गाड़ी के चमकीले पीले रंग को बोल्ड मेटलिक ग्रे रंग में बदलने के साथ व्हील्स में भी मनपंसद बदलाव कराकर स्मार्ट लुक दिया है। पूर्व भारतीय क्रिकेट टीम कप्तान रोहित शर्मा ने अपनी लैंबोर्गिनी उरुस को इंडियन टीम की जर्सी के रंग से मेल खाते ब्लू इलियोस रंग में कस्टमाइज कराया था। इसी तरह बॉलीवुड अभिनेता जैकी श्रॉफ तो अपनी अनूठी पर्सनैलिटी और कार कलेक्शन के लिए जाने जाते हैं। इसी साल की शुरुआत में उन्होंने मेटैलिक ग्रे शेड में कस्टम-बिल्ट टोयटा हिलक्स खरीदी थी। यह एक ऑफ रोडिंग पिकअप ट्रक है। इसमें आफ्टर मार्केट अलॉय व्हील्स और एलईटी लाइट्स लगाई गई हैं। इन कस्टमाइजेशन ने इस पिकअप ट्रक को और स्टाइलिश तथा ऑफ-रोडिंग के लिए सक्षम बना दिया। अभिनेता जॉन अब्राहम भी कस्टमाइजेशन के दीवाने हैं। उनके पास एक कस्टमाइज्ड ऑडी क्यू-7 और मारुति जिप्सी है, जिसे उन्होंने पसंद के अनुसार मॉडिफाई कराया था। अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने कस्टमाइज्ड रोल्स-रॉयस खरीदी थी। दीपिका पादुकोण ने भी अपनी पसंदीदा कारों मर्सिडीज-मेबैक जीएलएस 600 और ऑडी क्यू -8 को अपनी पसंद के अनुसार कस्टमाइज करा रखा है।

कारों का हुलिया बदलने का हुनर रखने वाले प्रमुख शिल्पकार

दुनिया के सर्वश्रेष्ठ कार डिजाइनरों में जियोर्जेटो गिउगिआरो का नाम आता है, जिन्हें 'सदी के कार डिजाइनर' के रूप में चुना गया था। उनके अलावा मार्सेलो गैंडिनी, जिन्होंने लैंबोर्गिनी जैसी सुपरकारों के लिए पहचानी जाने वाली कई प्रतिष्ठित डिजाइन बनाई हैं तथा बतिस्ता फरीना जिन्होंने फेरारी के लिए कई क्लासिक डिजाइन बनाए हैं, के नाम आते हैं। भारत में डीसी डिजायन या दिलीप छाबारिया डिजाइन स्टूडियो को कार कस्टमाइजेशन की कला को नए मुकाम पर पहुंचाने का श्रेय जाता है। उनकी बनाई कारें जैसे कस्टमाइज्ड टोयोटा इनोवा, बुलेटप्रूफ एसयूवी और फिल्मी सितारों के लिए डिजाइन की गई लिमोजीन लोगों के बीच आइकॉनिक बनीं। फिल्म 'टार्जन की द वंडर' कार का डिजाइन उन्होंने ही किया था। उनके बाद आकांक्षा सेठी का नाम लिया जाता है। देश में कई बुटीक ऑटो स्टूडियो भी डिमांड कस्टमाइजेशन के काम को आगे बढ़ा रहे हैं। इनमें दिल्ली में ऑटोसाई, गुरुग्राम में बिग डैडी, मुंबई में रीवैम्प मोटर्स जैसे नाम शामिल हैं।

मॉय फर्स्ट राइड

जुनून हो जब तो मुमकिन है सब

मैं अपने पापा और भाई को गाड़ी चलाते देखती, तो मेरे मन में भी आता कि मैं भी अन्य लोगों की तरह गाड़ी चलाते हुए फर्राटा भरूं। पापा से तो गाड़ी सीखने की बात कहने की यह सोचकर ही डर लगता था, कहीं पापा यह न कह दें कि शादी के बाद वहां जाकर गाड़ी सीखना, खूब चलाना। यहां रहकर गाड़ी चलाने की तो छोड़ो सीखने की बात भी न सोचना। परंतु मेरे मन में तो गाड़ी सीखने का जुनून सवार था। सो मैंने अपने भाई को मनाया कि वह मुझे गाड़ी चलाना सिखाए, पर भाई भी पापा से डरता था। उसने पहले तो मनाकर दिया, लेकिन बहुत समझाने पर इस शर्त पर मान गया कि जब पापा कहीं बाहर गए, होंगे तभी सिखाऊंगा। एक बार पापा कुछ दिनों के लिए कहीं बाहर गए, तब मैंने भाई से गाड़ी सीखने की बात कही। भाई मुझे कार में बैठाकर एक खुले सुनसान मैदान पर ले गया। मुझे बताया कि चाबी लगाकर पहले गाड़ी स्टार्ट करो, फिर क्लच दबाकर गेयर बदलो पहले गेयर पर धीरे-धीरे बढ़ना फिर दूसरा, तीसरा, टॉप गेयर लगाना है। मैंने भाई के बताए अनुसार गाड़ी स्टार्ट कर पहले गेयर में गाड़ी को धीरे से बढ़ाया। फिर अचानक पता नहीं कैसे एक्सीलेटर तेजी से दब गया। एक्सीलेटर दबते ही एकदम से गाड़ी भाग निकली।

हमारे तो हाथ-पैर फूल गए, परंतु मैदान बड़ा होने के चलते गाड़ी बाउंड्री में लड़ती इसके पहले ही भाई ने गाड़ी को स्वयं अपने हाथ में लेकर रोककर मुझे यह कहकर जमकर डांट लगाई कि अगर गाड़ी बाउंड्री में लड़ जाती और तुम्हें चोट लग जाती, तो पापा दोनों लोगों की हालत खराब कर देते। मैं डरी-सहमी भाई की डांट सहती रही। भाई ने कहा अब हम तुम्हें कभी कार चलाना नहीं सिखाएंगे। मुझे तो गाड़ी सीखने का जुनून सवार था। गाड़ी खड़ी कर हम भाई-बहन थोड़ी देर मैदान में घूमें। फिर मैंने हिम्मत करके कहा भाई मुझे एक मौका और दो अबकी पिछली गलती नहीं होगी। भाई ने जमकर डांट लगाते हुए स्पष्ट शब्दों में मनाकर दिया। मैं रुंआसी हो गई। मेरा उतरा चेहरा देखकर भाई ने बड़ी हिम्मत कर मुझे पुनः गाड़ी चलाने को दिया। इस बार मैंने गाड़ी स्टार्ट कर क्लच दबाकर पहला गेयर डाला और धीरे-धीरे कुछ दूर तक गाड़ी को चलाया भी।

कुछ हिम्मत बढ़ी, तो मैंने गाड़ी को धीरे से घुमाया भी। फिर भाई ने मुझे बैक गियर में गाड़ी चलाने को कहा। उसमें भी मैंने धीरे-धीरे चलाया। पहले दिन तो इतना ही हुआ, पर जैसे हिम्मत से गाड़ी चलाई उससे उस दिन मैं बहुत ही खुश थी। दूसरे दिन फिर उसी तरह पहले गेयर में धीरे-धीरे गाड़ी आगे को चलाई और फिर बैक गेयर में धीरे-धीरे पीछे की ओर गाड़ी चलाई। कुछ दिनों तक तो कुछ दूर लगभग आधा, एक किलोमीटर तक ही गाड़ी चलाई। धीरे-धीरे मेरी दूरी बढ़ाती गई। पापा का डर तो हमेशा हम दोनों को लगा रहता था। पापा के न चाहते हुए भी चुपके-चुपके मैं गाड़ी चलाती थी। एक दिन

मैंने सोचा पापा पूरे दिन के लिए बाहर गए हुए हैं, तब तक मैं कुछ देर गाड़ी चलाकर और हाथ साफ कर लूं। अभी मैं गाड़ी लेकर घर से कुछ दूर तक ही गई थी कि सामने से पापा आ गए। शायद घर में कुछ अपना सामान भूल गए थे। उन्होंने मुझे गाड़ी चलाते देखा वह भी अकेले। मेरा तो खून ही सूख गया। पापा ने कहा गाड़ी से उतरो। पापा ने डांट लगाते हुए कहा यह बताओ कि तुमने यह गाड़ी कब और कहां चलानी सीखी? भाई से, कहकर मैंने पापा को सब सच-सच बता दिया। मुझे डर था यह सच मेरे साथ-साथ मेरे भाई के लिए मुसीबत बनकर आने वाला है। पापा ड्राइविंग सीट के बगल वाली सीट पर बैठकर बोले गाड़ी चलाकर घर ले चलो। मैं पापा को बैठाकर डरते हुए, लेकिन बड़े ही सधे हाथों से गाड़ी चलाकर गाड़ी को घर तक लेकर आ गई। घर आते ही पापा ने हमारे साथ-साथ भाई की व मां को वह डांट पिलाई कि सबकी हालत खराब हो गई। थोड़ी देर बाद पापा को गुस्सा जब थोड़ा शांत हुआ, तो मैं पापा के लिए गिलास में पानी लेकर पहुंची। पापा ने गिलास मेरे हाथ से लेकर जमीन पर रख दिया और मुझे गले लगाकर रोने लगे। पापा को रोता देख मेरे भी आंखों से आंसू निकल आए।

पापा ने कहा बेटा कौन बाप ऐसा है, जो अपनी बेटी की उन्नति नहीं देखना चाहता। बेटी एक बाप की भी स्थिति को समझने की कोशिश करो। मुझे हमेशा डर लगा रहता था कि गाड़ी सीखते वक्त हमारी बेटी को कहीं चोट लग गई और वह चोट हमारी बेटी की शादी में रोड़ा बन गई, तो हम तो जीते जी मर जाएंगे। बस यही डर मुझे तुम्हें गाड़ी सीखने से रोकता था। आज मेरी बेटी गाड़ी चलाकर जब मुझे घर लेकर आई, तो मेरी खुशी का ठिकाना न रहा। तुम सबको तो मैं नकली डांट पिला रहा था। वह दिन मेरी जिंदगी का सबसे सुखद दिन था, जब पापा ने डांट पिलाने के बाद प्रसन्नता में रोए और मुझे भी रुलाया। इस तरह मैं अपने जुनून से अपने पापा की नालायक बिटिया से उसकी दुलारी बिटिया बन गई।

-वंदना सिंह, कानपुर

अब बिना टेंशन पूरा होगा FASTag KYV: जानें नई आसान प्रक्रिया

भारत में हाइवे पर FASTag अब हर वाहन के लिए अनिवार्य है, लेकिन पिछले वर्ष लागू हुई KYV (Know Your Vehicle) प्रक्रिया कई लोगों के लिए झंझट भरी साबित हो रही थी। अलग-अलग एंगल से वाहन की तस्वीरें अपलोड करना, RC डिटेल्स भरना और वेबसाइट पर नेविगेशन इन सबमें यूजर्स को काफी परेशानी हो रही थी। इसी समस्या को देखते हुए NHAI ने इस प्रक्रिया को सरल बनाने का फैसला लिया है, ताकि लोग बिना दिक्कत FASTag से जुड़ी औपचारिकताएं पूरी कर सकें। *-फीचर डेस्क*

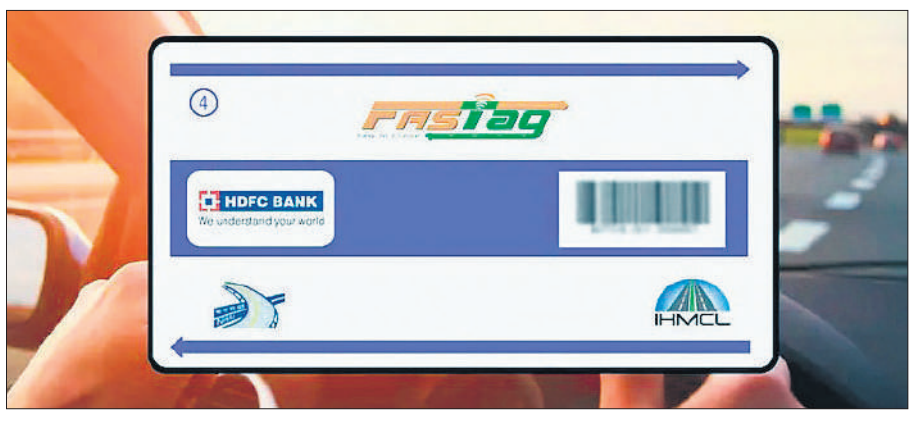

क्या है KYV

KYV यानी Know Your Vehicle एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें FASTag उपयोगकर्ताओं को गाड़ी की RC और वाहन की तस्वीर अपलोड करनी होती है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि FASTag उसी वाहन पर लगा है, जिसे इस्तेमाल किया जा रहा है। यह सिस्टम misuse रोकने के लिए बनाया गया है, जैसे ट्रक चालक कार वाला FASTag लगाकर कम टोल भरने की कोशिश न कर सकें। इसके अलावा, यह वेरिफिकेशन हर तीन साल बाद दोबारा करना अनिवार्य होगा।

नए नियमों में बदलाव

अब तुरंत बंद नहीं होगा FASTag

यह बदलाव वाहन मालिकों के लिए सबसे बड़ा राहत बिंदु है। अब KYV अधूरा रहने पर FASTag को तुरंत निलंबित नहीं किया जाएगा। बैंक यूजर्स को समय-समय पर SMS भेजकर जानकारी देंगे और जरूरत पड़ने पर कॉल के माध्यम से सहायता भी करेंगे।

ऐसे दर्ज करें शिकायत

यदि प्रक्रिया के दौरान किसी यूजर को दिक्कत आती है, तो वह 1033 हेल्पलाइन पर कॉल करके शिकायत दर्ज कर सकता है। NHAI यह बदलाव इसलिए कर रहा है, क्योंकि भविष्य में MLFF (MultiLane Free Flow) टोल सिस्टम लागू किया जाना है, जिसमें बिना टोल बूथ के हाईवे पर 100 प्रतिशत सटीक टैगिंग जरूरी होगी।

अब केवल फ्रंट फोटो पर्याप्त

यूजर्स को अब गाड़ी की साइड फोटो अपलोड करने की आवश्यकता नहीं है। सिर्फ फ्रंट तस्वीर ही अपलोड करनी होगी, जिसमें नंबर प्लेट और FASTag स्पष्ट दिखाई दें।

RC अपलोड की झंझट खत्म

NHAI सिस्टम अब सीधे VAHAN डेटाबेस से वाहन की जानकारी स्वत: प्राप्त कर लेगा। यूजर को सिर्फ Vehicle Number / Chassis Number या मोबाइल नंबर दर्ज करना होगा। यदि एक ही मोबाइल नंबर पर कई वाहन रजिस्टर्ड हैं, तो यूजर अपनी गाड़ी को सूची में से चुन सकता है।

जम्मू में चूना पत्थर के 7 ब्लॉक की होगी नीलामी

नई दिल्ली। जम्मू और कश्मीर में पहली बार चूना पत्थर के कुल 7 ब्लॉक की नीलामी होगी। खान मंत्रालय ने कहा, यह केंद्र शासित प्रदेश में खनन ब्लॉक की पहली नीलामी भी है, जो पारदर्शिता, प्रतिस्पर्धात्मकता और खनिज क्षेत्र में सतत विकास की दिशा में बदलाव को दर्शाती है। इन खनिज भंडारों को जी3 और जी4 अन्वेषण चरणों के तहत वर्गीकृत किया गया है। जम्मू- कश्मीर में चूना पत्थर खनिज खंडों की यह पहली नीलामी 24 नवंबर 2025 को जम्मू में औपचारिक रूप से शुरू होगी।

अमृत विचार

कानपुर, सोमवार, 24 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बिजनेस ब्रीफ

टाटा मोटर्स को बिक्री 5% बढ़ने की उम्मीद

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी शैलेश चंद्रा ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में घरेलू बाजार में यात्री वाहनों की कुल बिक्री 5% बढ़ने का अनुमान है। त्योहारी सत्र खत्म होने के बाद भी दबी हुई मांग बहुत मजबूत है, इसलिए दूसरी छमाही में दो अंकों की वृद्धि की संभावना है। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-सितंबर के दौरान बिक्री में सालाना आधार पर 1.6% की गिरावट आई थी और त्योहारी मौसम में ही घरेलू बाजार में यात्री वाहनों की बिक्री में सुधार हुआ। चंद्रा ने कहा कि अक्टूबर-मार्च में बिक्री दो अंकों में बढ़नी चाहिए। त्योहारी मांग की वजह से सितंबर में उद्योग को पांच प्रतिशत और अक्टूबर में 17% की वृद्धि मिली थी। नवंबर और दिसंबर में भी दबी हुई मांग मजबूत है।

अडाणी ने ट्रेड कैसल टेक पार्क को खरीदा

नई दिल्ली। अडाणी समूह की संयुक्त उद्यम कंपनी ने बुनियादी ढांचा डेवलपर ट्रेड कैसल टेक पार्क को 231.34 करोड़ में खरीद लिया। ट्रेड कैसल टेक पार्क के पास काफी जमीन है। अडाणी समूह की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) ने शेयर बाजार को बताया, उसने और डेटा सेंटर परिचालक एजकॉनेक्स के संयुक्त उद्यम अडानीकॉनेक्स (एसीएक्स) ने टीसीटीपीपीएल में 100% हिस्सेदारी का अधिग्रहण करने के लिए 21 नवंबर 2025 को ट्रेड कैसल टेक पार्क (टीसीटीपीपीएल) तथा उसके मौजूदा शेयरधारक श्री नामन डेवलपर्स और जयेश शाह के साथ एक शेयर खरीद समझौते (एसपीए) पर हस्ताक्षर किए हैं।

मैजिकपिन और रैपिडो ने की साझेदारी

नई दिल्ली। ऑनलाइन ऑर्डर पर खाने का सामान पहुंचाने वाले मंच जोमैटो और स्विगी का मुकाबला करने को मैजिकपिन ने रैपिडो के साथ साझेदारी की है। इस घटनाक्रम से परिचित व्यक्ति ने बताया कि इस साझेदारी में मैजिकपिन अपना देशभर का विशाल रेस्तरां नेटवर्क रैपिडो के स्वामित्व वाले मंच ओनली से जोड़ेगा। ओनली को अगस्त में पेश किया गया था। इस समझौते से रैपिडो की कंपनी ओनली को देशभर में 80,000 से ज्यादा रेस्तरां तक पहुंच मिल जाएगी। वहीं मैजिकपिन को कुछ क्षेत्रों में रैपिडो के डिलीवरी नेटवर्क का लाभ मिलेगा। रैपिडो के प्रवक्ता ने बताया, हम रेस्तरां खुद की मर्चेंट टीम से सीधे जोड़ते हैं।

अगले सप्ताह से जारी होंगे ईपीएम के दिशानिर्देश

केंद्रीय उद्योग मंत्री गोयल बोले- 12 नवंबर को 25,060 करोड़ की दो योजनाओं को दी गई थी मंजूरी

- योजनाओं का मकसद अमेरिका के भारी शुल्कों से निर्यातकों को राहत देना

यरुशलम, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि 25,060 करोड़ रुपये के निर्यात संवर्धन मिशन (ईपीएम) के विस्तृत दिशानिर्देश अगले सप्ताह से जारी होंगे। इसमें योजना के सभी हिस्से और उद्योग को मिलने वाले लाभों की जानकारी होगी। सरकार ने 12 नवंबर को 25,060 करोड़ रुपये की योजनाओं को मंजूरी दी थी। योजना 2025-26 से शुरू होकर छह वित्त वर्षों के लिए है। इसका मकसद अमेरिका के भारी शुल्कों से निर्यातकों को राहत देना है।

यह मिशन दो उप-योजनाओं से लागू होगा- निर्यात प्रोत्साहन (10,401 करोड़) और निर्यात दिशा (14,659 करोड़)। गोयल ने कहा कि निर्यात संवर्धन मिशन के दिशानिर्देश जल्द जारी होंगे। मुझे लगता है कि अगले सप्ताह तक इसके सारे हिस्से और उद्योग को क्या फायदे होंगे, उसकी पूरी जानकारी दे दी जाएगी। मिशन के तहत उन क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जाएगी जो हाल में वैश्विक शुल्क वृद्धि से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। इनमें कपड़ा, चमड़ा, आभूषण, इंजीनियरिंग सामान और समुद्री उत्पाद शामिल हैं। इन क्षेत्रों को अमेरिकी बाजार में भारी चुनौती मिल रही है। ऊंचे आयात शुल्क से अक्टूबर में अमेरिका को भारत का माल निर्यात 8.58% घटकर 6.3 अरब डॉलर रह गया। गोयल ने कहा कि पांच दिसंबर को रूस का प्रतिनिधिमंडल आ रहा है। हम अलग-अलग तरीकों से प्रभावित क्षेत्रों को सहारा दे रहे हैं। मंत्री इस समय इजरायल में हैं। वह 60 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ द्विपक्षीय व्यापार और निवेश बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा कर रहे हैं।

भारत, इजरायल प्रस्तावित एफटीए को दो चरणों में लागू करेंगे

यरुशलम। भारत और इजरायल अपने प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को दो चरणों में लागू करने पर विचार कर रहे हैं, ताकि दोनों देशों के व्यापारिक समुदाय को जल्द लाभ मिले। भारत और इजरायल ने इस समझौते के लिए औपचारिक रूप से वार्ता शुरू करने के लिए गुरुवार को संदर्भ की शर्तों (टीओआर) पर हस्ताक्षर किए थे। इस टीओआर में माल के लिए बाजार पहुंच, शुल्क एवं गैर-शुल्क बाधाओं को दूर करना, निवेश सुगमीकरण, सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को सरल बनाना, नवाचार और तकनीकी हस्तांतरण में सहयोग बढ़ाना तथा सेवा व्यापार को बढ़ावा देने के नियमों में ढील देना शामिल है। गोयल ने कहा कि हम इसे दो चरणों में करने पर विचार कर रहे हैं। वार्ता शुरू होने पर इस बारे में फैसला लिया जाएगा। दोनों मंत्री चाहते हैं कि पहला चरण जल्द पूरा हो जाए ताकि व्यापारिक समुदाय को जल्द फायदा मिलना शुरू हो जाए। मंत्री द्विपक्षीय व्यापार और निवेश बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा करने इजरायल आए हैं। गोयल ने कहा कि दोनों देश देखेंगे कि नवाचार और आरएंडडी किस तरह एक-दूसरे के देशों में ज्यादा निवेश ला सकते हैं। हम संयुक्त परियोजनाओं पर काम करेंगे, जहां हमें उनकी विशेषज्ञता का लाभ मिले और वे भारत जैसे बड़े बाजार का फायदा उठा सकें।

व्यापार बोर्ड निर्यात बढ़ाने पर करेगा चर्चा

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की अध्यक्षता में मंगलवार को व्यापार बोर्ड (बीओटी) की बैठक होगी। इस बैठक में अमेरिका द्वारा लगाए शुल्कों के बीच भारत के निर्यात को बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की जाएगी। वाणिज्य मंत्री की अध्यक्षता वाले इस बोर्ड में विभिन्न राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधि तथा सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होते हैं। बैठक में निर्यात संवर्धन परिषदों के प्रतिनिधि सहित अन्य सदस्य निर्यात क्षेत्र को लेकर अपनी राय रखेंगे। अधिकारी ने बताया, व्यापार बोर्ड की बैठक 25 नवंबर को हो रही है। यह बैठक इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि अमेरिका के ऊंचे शुल्कों के कारण अक्टूबर में देश का निर्यात 11.8 प्रतिशत की भारी गिरावट के साथ 34.38 अरब डॉलर रह गया। व्यापार घाटा रिकॉर्ड 41.68 अरब डॉलर तक पहुंच गया।

शीर्ष 28 रियल एस्टेट कंपनियों ने 92,500 करोड़ की संपत्ति बेची

नई दिल्ली, एजेंसी

- 6 माह में कंपनियों की बिक्री बुकिंग 92,437 करोड़ रही

देश की 28 प्रमुख सूचीबद्ध रियल एस्टेट कंपनियों ने चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में लगभग 92,500 करोड़ रुपये की संपत्तियां बेचीं। शेयर बाजार को दी गई जानकारी के अनुसार चालू वित्त वर्ष के पहले छह महीनों में 28 प्रमुख सूचीबद्ध रियल एस्टेट कंपनियों की कुल बिक्री बुकिंग 92,437 करोड़ रुपये रही।

बिक्री बुकिंग के मामले में, प्रेस्टिज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स लिमिटेड अप्रैल-सितंबर अवधि में अग्रणी कंपनी बनकर उभरी, जिसकी पूर्व-बिक्री 18,143.7 करोड़ रही। डीएलएफ दूसरे स्थान पर रही, जिसकी पूर्व-बिक्री 15,757 करोड़ रुपये रही। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने लगभग 15,587 करोड़ की बिक्री बुकिंग दर्ज की, जबकि लोढ़ा डेवलपर्स ने 9,020 करोड़ मूल्य की संपत्तियां बेचीं। दिल्ली-एनसीआर की सिग्नेचर ग्लोबल ने 4,650 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग हासिल की। एटीएस होमक्राफ्ट ने मजबूत आवासीय मांग और ठोस आंतरिक नकदी प्रवाह का उपयोग करते हुए एचडीएफसी कैपिटल के संपत्ति कोष को 1,250 करोड़ रुपये चुका दिए।

कंपनी ने रविवार को कहा कि उसने एचडीएफसी कैपिटल अफोर्डेबल रियल एस्टेट फंड 2 (एचसीएआरई-2) को 1,250 करोड़ रुपये चुका दिए हैं।

अमेरिका के नए प्रतिबंधों से भारत में रूसी तेल का आयात प्रभावित होने की आशंका

नई दिल्ली, एजेंसी

- दिसंबर और जनवरी के दौरान तेल आपूर्ति में स्पष्ट रूप से गिरावट आने की उम्मीद

रूसी कच्चे तेल के प्रमुख निर्यातकों पर अमेरिका के नए प्रतिबंध लागू होने के बाद ऊर्जा बाजार से जुड़े विश्लेषकों का मानना है कि भारत में रूसी तेल का आयात भविष्य में घटेगा, हालांकि यह बंद नहीं होगा। रॉसनेफ्ट और लुकोइल तथा उनकी सहायक कंपनियों पर अमेरिकी प्रतिबंध 21 नवंबर से लागू हो गए। इससे अब इन कंपनियों का कच्चा तेल खरीदना या बेचना नामुमकिन हो गया है।

भारत ने इस साल औसतन 17 लाख बैरल प्रतिदिन रूसी तेल का आयात किया और प्रतिबंधों से पहले यह मजबूत बना रहा। नवंबर में आयात 18-19 लाख बैरल प्रतिदिन रहने का अनुमान है, क्योंकि रिफाइनरी सस्ते तेल की खरीद को अधिकतम कर रहे हैं। आगे चलकर दिसंबर और जनवरी में आपूर्ति में स्पष्ट गिरावट आने की उम्मीद है। विश्लेषकों के अनुसार यह घटकर लगभग चार लाख बैरल प्रतिदिन तक रह सकता है। परंपरागत रूप से पश्चिम एशियाई तेल पर निर्भर भारत ने फरवरी 2022 में यूक्रेन पर हमले के बाद रूस से अपने तेल आयात में काफी वृद्धि की। पश्चिमी प्रतिबंध और यूरोपीय मांग में कमी के कारण रूस से तेल भारी छूट पर उपलब्ध हुआ।

परिणामस्वरूप, भारत का रूसी कच्चा तेल आयात कुल आयात का एक प्रतिशत से बढ़कर 40 प्रतिशत तक पहुंच गया। नवंबर में भी रूस भारत का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बना रहा, जो कुल आयात का एक तिहाई है। केप्लर के रिफाइनिंग और मॉडलिंग के मुख्य अनुसंधान विश्लेषक सुमित रितोलिया ने कहा कि हम निकट भविष्य में, विशेषकर दिसंबर और जनवरी में भारत के लिए रूसी कच्चे तेल के प्रवाह में स्पष्ट गिरावट की उम्मीद करते हैं।

बाजार पर दिखेगा आर्थिक आंकड़े, वैश्विक रुझान का असर

नई दिल्ली, एजेंसी

विश्लेषकों के अनुसार इस सप्ताह शेयर बाजार की चाल मुख्य रूप से आर्थिक आंकड़ों, वैश्विक रुझानों और विदेशी निवेशकों के रुख पर निर्भर करेगी। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा कि इस सप्ताह नवंबर में खत्म होने वाले वायदा सौदों से पहले उतार-चढ़ाव बढ़ सकता है।

घरेलू स्तर पर बाजार दूसरी तिमाही के जीडीपी आंकड़े और औद्योगिक उत्पादन जैसे बड़े आर्थिक आंकड़ों पर नजर रखेगा। वैश्विक स्तर पर निवेशक अमेरिकी बाजार के प्रदर्शन और वहां के प्रमुख आर्थिक आंकड़ों पर नजर रखेंगे। ये संकेत निकट भविष्य में जोखिम की भावना तय करेंगे और विदेशी पूंजी प्रवाह को प्रभावित करेंगे। पिछले सप्ताह बीएसई सेंसेक्स 669.14 अंक या 0.79% चढ़ा, जबकि निफ्टी 158.1 अंक या 0.61% बढ़कर बंद हुआ। इसबीच 20 नवंबर को सेंसेक्स ने 85,801.70 और निफ्टी ने 26,246.65 का 52 सप्ताह का उच्चतम स्तर बनाया।

जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि अगर रुपये पर दबाव बना रहा तो निकट भविष्य में बाजार में कुछ मुनाफावसूली देखने को मिल सकती है। आने वाले सप्ताह में निवेशक व्यापारिक घटनाक्रम, आईआईपी और जीडीपी आंकड़ों पर बहुत बारीकी से नजर रखेंगे।

सात शीर्ष कंपनियों की पूंजी 1.28 लाख करोड़ बढ़ी

नई दिल्ली। पिछले सप्ताह देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में सात का कुल बाजार पूंजीकरण 1,28,281.52 करोड़ रुपये बढ़ गया। इसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारती एयरटेल सबसे ज्यादा फायदे में रहीं। इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, इंफोसिस और हिंदुस्तान यूनिलीवर को फायदा हुआ। दूसरी ओर बजाज फाइनेंस, लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एलआईसी) और आईसीआईसीआई बैंक के मूल्यांकन में कमी आई।

एफपीआई ने 3,504 करोड़ रुपये का निवेश

मुंबई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने नवंबर में अबतक भारतीय पूंजी बाजार में 3,504 करोड़ का शुद्ध निवेश किया है। नवंबर में एफपीआई इक्विटी बाजार में शुद्ध रूप से बिकवाल रहे जबकि डेट, हाइब्रिड इनस्ट्रूमेंट और म्यूचुअल फंडों में उनका निवेश सकारात्मक रहा है। उन्होंने इक्विटी से इस महीने 3,788 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की। डेट में उनका शुद्ध निवेश 4,467 करोड़ रुपये और म्यूचुअल फंड में 2,713.33 करोड़ रुपये रहा है। हाइब्रिड इनस्ट्रूमेंट्स में भी एफपीआई ने 112.16 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

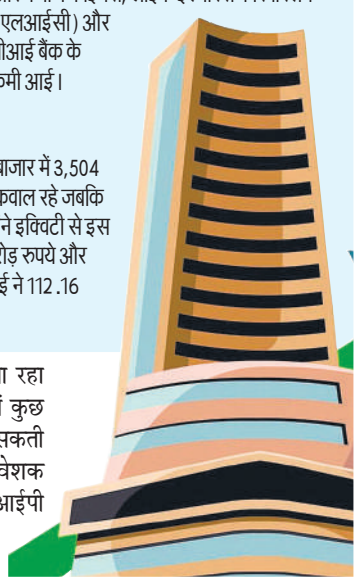

राष्ट्रीय

6 वर्ष से बना रहे थे सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल

अधिकारियों ने आतंकवाद की रणनीति में बदलाव को बताया चिंताजनक

नई दिल्ली, एजेंसी

- उच्च शिक्षित पेशेवरों को डिजिटल माध्यमों से देश के बाहर बैठे आतंकवादी कर रहे तैयार

लाल किले के पास 10 नवंबर को चलती कार में हुए बम विस्फोट के साथ सामने आए 'सफेदपोश' आतंकी मॉड्यूल में शामिल डॉक्टरों का कट्टरपंथ की ओर झुकाव 2019 से ही सोशल मीडिया के जरिये शुरू हो गया था। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

जांच से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि अब तक की जांच से सीमा पार आतंकवाद की रणनीति में ऐसे बदलाव का संकेत मिला है, जो काफी चिंताजनक है। इस रणनीति के तहत पाकिस्तान और दुनिया के अन्य हिस्सों में बैठे आतंकी आकाओं द्वारा उच्च शिक्षित पेशेवरों को पूरी तरह से डिजिटल माध्यमों का सहारा लेकर आतंकी गतिविधियों के लिए तैयार किया जा रहा है।

सूत्रों ने बताया कि आतंकी मॉड्यूल के सदस्यों (डॉ. मुजम्मिल गनई, डॉ. अदील राठेर, डॉ. मुजफ्फर राठेर और डॉ. उमर-उन-नबी) को शुरू में सीमा पार के आकाओं ने फेसबुक और एक्स जैसे सोशल मीडिया मंचों पर सक्रिय पाया था। ऐसे लोगों को टेलीग्राम पर निजी ग्रुप में जोड़ा गया और यहीं से उन्हें बरगलाना शुरू किया गया। आतंकी मॉड्यूल के सदस्यों ने हमलों को अंजाम देने के लिए संवर्धित विस्फोटक उपकरण (आईईडी) बनाने का तरीका सीखने के लिए यूट्यूब का इस्तेमाल किया। विश्लेषण किए गए डिजिटल फुटप्रिंट से पता चला कि इनके मुख्य संचालक उकासा, फैजान और हाशमी हैं। ये तीनों भारत के बाहर से अपनी गतिविधियां चला रहे थे और जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी नेटवर्क से जुड़ी जानकारियों में अक्सर इनके नाम सामने आते हैं।

अधिकारियों ने बताया कि भर्ती किए गए डॉक्टरों ने शुरू में सीरिया या अफगानिस्तान जैसे संघर्ष क्षेत्रों में आतंकवादी समूहों में शामिल होने की इच्छा व्यक्त की थी, लेकिन बाद में उनके आकाओं ने उन्हें भारत में रहने और भीतरी इलाकों में विस्फोट करने को कहा। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने उत्तर प्रदेश और हरियाणा पुलिस के साथ इस सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया। 2018 के बाद से, सोशल मीडिया पर कट्टरपंथ फैलाने के तरीके में आतंकवादी समूहों द्वारा रणनीतिक बदलाव देखा गया है।

पुलिस से मौलवी ने कहा- डॉक्टरों से किराया दिलाए

नई दिल्ली/श्रीनगर। श्रीनगर पुलिस द्वारा हिरासत में लिए हरियाणा के मौलवी का ध्यान गिरफ्तार डॉक्टरों द्वारा बकाया किराए पर केंद्रित है। हरियाणा के मेवात के मौलवी इश्तियाक को जम्मू-कश्मीर पुलिस ने फरीदाबाद के अल फलाह विवि के बाहर स्थित उनके किराए के आवास से अमोनियम नाइट्रेट, पोटैशियम क्लोरेट और सल्फर सहित 2,500 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री बरामद होने के बाद हिरासत में लिया था। विवि से गिरफ्तार डॉ. मुजम्मिल गनई ने इश्तियाक का नाम बताया था। अधिकारियों के अनुसार, इश्तियाक ने दावा किया कि गनई और उमर ने उससे संपर्क किया तथा उसे घर पर उर्वरक जैसी चीजें रखने को कहा था, जिसके एवज में 2500 रुपये मासिक किराया देने का वादा किया गया था। इश्तियाक को स्थिति की गंभीरता की चिंता नहीं थी तथा उसकी चिंता गनई और उमर द्वारा छह महीनों से नहीं दिए किराये को लेकर थी। गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले इश्तियाक ने राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण, श्रीनगर पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारियों से कहा कि वे गनई से बकाया किराया दिलाएं, ताकि वह पैसा अपने घर भेज सके। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि इश्तियाक को आगे की कार्रवाई के लिए राज्य जांच एजेंसी को सौंप दिया गया है।

अल-फलाह विवि से जुड़े मदनी के बयान पर विवाद

भाजपा बोली- आतंकी बचाओ जमात हुई सक्रिय

नई दिल्ली, एजेंसी

अरशद मदनी

शहजाद पूनावाला

दिल्ली विस्फोट मामले से जुड़े अल फलाह विवि का जिक्र करके मुसलमानों के साथ भेदभाव का आरोप लगाने से संबंधित जमीयत उलेमा-ए-हिंद (एएम) के प्रमुख अरशद मदनी के बयान पर विवाद पैदा हो गया है। भाजपा ने मदनी पर कहा कि आतंकी बचाओ जमात सक्रिय हो गई है।

मदनी ने दावा किया कि जोहरान ममदानी न्यूयॉर्क का मेयर जबकि एक खान लंदन का मेयर चुना जा सकता है, लेकिन भारत में कोई मुसलमान विवि का कुलपति नहीं बन सकता। उन्होंने शनिवार को जमीयत मुख्यालय में एक पत्र में कहा, दुनिया सोचती है कि मुसलमान अपाहिज और खत्म हो गए हैं। मैं ऐसा नहीं मानता। आज, एक मुसलमान ममदानी, न्यूयॉर्क का मेयर बन सकता है, एक खान लंदन का मेयर बन सकता है, जबकि भारत में, कोई भी विवि का कुलपति नहीं बन सकता। और अगर कोई ऐसा करता है, तो उसे जेल भेज दिया जाएगा, जैसे आजम खान।

भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि वोट बैंक के नाम पर, तुष्टिकरण के भाईजान और आतंकी बचाओ जमात सक्रिय हो गई है। अरशद मदनी, मेयर की बात छोड़िए, इस देश ने मुसलमानों को राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधान न्यायाधीश, गृह मंत्री बनते देखा है। सबसे बड़े कलाकार और उद्योगपति भी मुस्लिम रहे हैं। जब कोई आतंकी घटना होती है, तो जो लोग कहते हैं कि आतंकवाद का धर्म नहीं होता, वे धर्म के आधार पर आतंकियों का साथ देने लगते हैं।

आतंक के चिकित्सक के पीछे चालबाज चिकित्सक

पूनावाला ने कहा, आतंकवाद के चिकित्सक के पीछे आतंकवाद के चालबाज चिकित्सक हैं। और ये चालबाज चिकित्सक सिर्फ अरशद मदनी ही नहीं हैं, बल्कि पी. चिदंबरम जैसे दूसरे लोग भी हैं, जिन्होंने कहा था कि हालात ही आतंकवादी बनाते हैं। हुसैन दलवई ने कहा है कि वे अन्याय के शिकार हुए। इमरान मसूद उन्हें भटके हुए युवा कहते हैं, महबूबा मुफ्ती और उनकी बेटी भी इस्लामोफोबिया कार्ड खेलते हैं। पूनावाला ने आरोप लगाया, जब आतंकी पकड़ा जाता है, तो वे राष्ट्रीय के बजाय वोट बैंक नीति को तरजीह देते हैं और आतंकवाद का बचाव करते हैं।

ये सोच गलत कि सरकार के खिलाफ फैसला देने पर ही न्यायाधीश स्वतंत्र होता है : गवई

नई दिल्ली, एजेंसी

एससी कोटा से क्रीमी लेयर को बाहर रखने का समर्थन

नई दिल्ली। निवर्तमान प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई ने न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए कॉलेजियम प्रणाली का पुरजोर बचाव किया, अनुसूचित जाति (एससी) कोटा से संपन्न लोगों को बाहर रखने का समर्थन किया और शीर्ष अदालत में अपने कार्यकाल के दौरान किसी भी महिला न्यायाधीश की नियुक्ति नहीं करने पर खेद व्यक्त किया। 52वें प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि वह संस्था को पूर्ण संतुष्टि और संतोष की भावना के साथ छोड़ रहे हैं तथा सेवानिवृत्ति के बाद कोई भी कार्यभार स्वीकार नहीं करने का संकल्प दोहराया। वह पहले बौद्ध सीजेआई होने के अलावा केजी बालकृष्णन के बाद भारतीय न्यायपालिका का नेतृत्व करने वाले दूसरे दलित हैं। गवई ने कहा, मैंने पदभार ग्रहण करते समय ही स्पष्ट कर दिया था कि मैं सेवानिवृत्ति के बाद कोई भी आधिकारिक कार्यभार स्वीकार नहीं करूंगा।

निवर्तमान प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई ने रविवार को इस आम धारणा को गलत बताकर खारिज कर दिया कि न्यायाधीश को तब तक स्वतंत्र नहीं माना जा सकता, जब तक वह सरकार के खिलाफ फैसला न सुनाए।

कार्यकाल के अंतिम दिन अपने आधिकारिक आवास पर न्यायमूर्ति गवई ने कहा, जब तक आप सरकार के खिलाफ फैसला नहीं करते, आप स्वतंत्र न्यायाधीश नहीं हैं... यह सही नहीं है। आप यह तय नहीं करते कि मुकदमा दायर करने वाली सरकार है या आम नागरिक। आप सामने मौजूद दस्तावेजों के हिसाब से फैसला करते हैं। आज के समय में, किसी न्यायाधीश को स्वतंत्र तभी कहा जाता है, जब फैसला सरकार के खिलाफ दिया गया हो। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका में अवसंरचना के विकास के लिए हमें सरकार पर निर्भर रहना पड़ता है। हमारे पास पैसे की शक्ति नहीं है। इसलिए, कभी-कभी टकराव हो सकता है। लेकिन मुझे नहीं लगता कि लगातार टकराव की जरूरत है, इससे अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न होंगी। केंद्र के सहयोग का जिक्र करते हुए गवई ने बताया कि उनके कार्यकाल के दौरान सरकार ने कॉलेजियम की ओर से सुझाए गए सभी नामों को मंजूरी दी। विभिन्न उच्च न्यायालयों में लगभग 107 न्यायाधीश नियुक्त किए गए।

शराब और डीएमएफ घोटालों की जांच के तहत 19 जगहों पर छापेमारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो/आर्थिक अपराध शाखा ने रविवार को पिछली कांग्रेस सरकार के दौरान सामने आए शराब और जिला खनिज फाउंडेशन (डीएमएफ) घोटालों के संबंध में 19 स्थानों पर तलाशी ली। एसीबी/ईओडब्ल्यू के अधिकारी ने बताया कि शराब घोटाला मामले में आठ जगहों पर तलाशी ली गई, जिनमें बिलासपुर जिले में चार, रायपुर में दो और दुर्ग व बस्तर में एक-एक जगह शामिल है।

उन्होंने बताया कि ये परिसर सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारियों अनिल टुटेजा और निरंजन दास के रिश्तेदारों से जुड़े हैं, जिन्हें शराब घोटाले में गिरफ्तार किया गया था। डीएमएफ में 11 जगहों पर तलाशी हुई, जिनमें रायपुर में चार, बिलासपुर और सरगुजा में दो-दो, तथा कोंडागांव, बलरामपुर व धमतरी में एक-एक जगह है।

शीतकालीन सत्र में नहीं लाएंगे चंडीगढ़ विधेयक

- केंद्रीय गृह मंत्रालय ने उपजे राजनीतिक विवाद को देखते हुए लिया निर्णय

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने रविवार को कहा कि संसद के शीतकालीन सत्र में केंद्र के लिए कानून निर्माण की प्रक्रिया को सरल बनाने वाले चंडीगढ़ संबंधी प्रस्तावित विधेयक को लाने का सरकार का कोई इरादा नहीं है। इसका उद्देश्य चंडीगढ़ और पंजाब एवं हरियाणा के बीच पारंपरिक व्यवस्थाओं को बदलना नहीं है।

लोकसभा और राज्यसभा के बुलेटिन में एक दिसंबर से शुरू होने वाले सत्र के लिए 10 विधेयकों की अनंतिम सूची में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक 2025 को शामिल किए जाने के एक दिन बाद सरकार ने अपना रुख स्पष्ट किया। चंडीगढ़ को संविधान के अनुच्छेद 240 के दायरे में लाने संबंधी प्रस्ताव वाले इस विधेयक पर पंजाब के नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। यह अनुच्छेद राष्ट्रपति को केंद्र शासित प्रदेश के लिए नियम बनाने और सीधे कानून बनाने का अधिकार देता है।

मंत्रालय ने कहा कि चंडीगढ़ के हितों को ध्यान में रखते हुए सभी हितधारकों के साथ पर्याप्त परामर्श के बाद ही कोई उपयुक्त निर्णय लिया जाएगा। इस मामले में किसी भी चिंता की कोई आवश्यकता नहीं है। केंद्र का संसद के शीतकालीन सत्र में इस संबंध में कोई विधेयक पेश करने का कोई इरादा नहीं है। मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने इस मामले पर उठाई गई चिंताओं को दूर करते हुए कहा, केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के लिए केंद्र सरकार की कानून-निर्माण प्रक्रिया को सरल बनाने का प्रस्ताव अब भी केंद्र सरकार के पास विचाराधीन है। इस प्रस्ताव पर अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।

राष्ट्रपति को कानून बनाने की अनुमति का नेताओं ने किया विरोध

चंडीगढ़। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, शिरोमणि अकाली दल (शिअद) की नेता हरसिमरत कौर बादल और कांग्रेस नेता प्रताप सिंह बाजवा ने उस संविधान संशोधन विधेयक का रविवार को विरोध किया, जिसमें राष्ट्रपति को चंडीगढ़ के लिए सीधे नियम-कानून बनाने का अधिकार देने का प्रावधान किया गया है। राज्य में सत्ताधारी आप, कांग्रेस और शिअद ने भाजपा की अगुवाई वाली केंद्र सरकार की आलोचना की है। उन्होंने सरकार पर चंडीगढ़ को पंजाब से छीनने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। केजरीवाल ने इसे पंजाब की पहचान और संवैधानिक अधिकारों पर सीधा हमला करार दिया। केजरीवाल ने एक्स पर पोस्ट किया, केंद्र सरकार चंडीगढ़ पर पंजाब के अधिकार को खत्म करने की कोशिश किसी साधारण कदम का हिस्सा नहीं, बल्कि पंजाब की पहचान और संवैधानिक अधिकारों पर सीधा हमला है। संघीय ढांचे की धज्जियां उड़ाकर पंजाबियों के हक छीनने की यह मानसिकता बेहद खतरनाक है। शिअद सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल ने दावा किया कि इस कदम से पंजाब चंडीगढ़ पर अपना अधिकार खो देगा। उन्होंने कहा, शिरोमणि अकाली दल इस शीतकालीन सत्र में केंद्र सरकार द्वारा लाए जा रहे विधेयक का कड़ा विरोध करता है। इस संशोधन से चंडीगढ़ एक राज्य बन जाएगा और पंजाब चंडीगढ़ पर अपना अधिकार पूरी तरह से खो देगा। पार्टी नेता दलजीत सिंह चीमा ने कहा कि शिअद अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में अगले कदम तय किए जाएंगे। कांग्रेस नेता प्रताप बाजवा ने आरोप लगाया कि भाजपा लगातार राजनीतिक माहौल को परखने की कोशिश कर रही है और नया संविधान संशोधन विधेयक भी अस्थिरता पैदा करने की एक और कोशिश है। पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने भी चंडीगढ़ में स्वतंत्र प्रशासक नियुक्त करने के केंद्र के प्रस्ताव की आलोचना की। उनका कहना है कि यह कदम पंजाब को "कमजोर करने" या "खत्म करने" की कोशिश है।

वर्ल्ड ब्रीफ

वियतनाम में मृतकों की संख्या बढ़कर 90 हुई

हनोई। मध्य वियतनाम इलाके में बाढ़ और भूस्खलन से मरने वालों की संख्या रविवार को बढ़कर 90 हो गई। रिपोर्ट के मुताबिक 12 लोग अभी भी लापता हैं। तेज बारिश और बाढ़ से इलाके में 1,154 घरों और 80,800 हेक्टेयर से ज़्यादा चावल और दूसरी फसलों को नुकसान हुआ है। प्रधानमंत्री फाम मिन्ह चिन्ह ने मध्य प्रांतों में गंभीर बाढ़ और प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के उपाय बढ़ाने को कहा है। वियतनामी सरकार ने बुरी तरह प्रभावित इलाकों की सहायता के लिए 700 बिलियन वियतनामी डोंग की आपातकालीन मदद दी है।

ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति गिरफ्तार

रियो द जेनरो। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जैयर बोल्सोनारो को तख्तापलट के मुकदमे में 27 साल की सजा के मामले में पुलिस ने शनिवार को एहतियातन गिरफ्तार कर लिया। संघीय सर्वोच्च न्यायालय ने सितंबर 2025 में उन्हें इस मामले में दोषी पाया था। यह सजा अभी शुरू नहीं हुई थी और वह अपने घर पर ही नजरबंद थे। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि पूर्व राष्ट्रपति को राजधानी ब्रासीलिया में पुलिस ने एहतियातन हिरासत में ले लिया है। उन्हें संघीय सर्वोच्च न्यायालय के एक आदेश के तहत गिरफ्तार किया गया है।

झारखंड में पैंगोलिन के शल्क, बंदूक बरामद

लातेहार। वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो (डब्ल्यूसीसीबी) और पलामू टाइगर रिजर्व (पीटीआर) की एक संयुक्त टीम ने झारखंड के लातेहार में वन्यजीव तस्करी के खिलाफ अभियान के दौरान एक महिला सहित छह लोगों को गिरफ्तार किया। अभियान के तहत टीम ने पिछले दो दिनों में महुआडांड़ और गारू थाना क्षेत्रों में छापेमारी की। पीटीआर के उपनिदेशक प्रजेश कांत जेना ने कहा कि हमने तीन देसी बंदूक, पैंगोलिन के 4.3 किलो शल्क, वन्यजीवों की हड्डियों का चूर्ण और मोर के पैर जब्त किए हैं।

पंजाब की सीमा पर ड्रोन, हेरोइन बरामद

जालंधर। पंजाब के सीमावर्ती क्षेत्र में दो अलग-अलग घटनाओं में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने एक ड्रोन और हेरोइन बरामद की। बीएसएफ के प्रवक्ता ने रविवार को कहा कि खुफिया जानकारी पर आधारित एक ऑपरेशन में जवानों ने गांव- खेमकरण तरनतारन के पास खेत में छिपाकर रखा गया एक ड्रोन डीजेआई मावि्क 3 क्लासिक बरामद किया। एक और ऑपरेशन बीएसएफ इंटेलिजेंस विंग की खास जानकारी के आधार पर सतर्क जवानों ने शनिवार को अमृतसर के मोड़ गांव के इलाके से हेरोइन का एक पैकेट बरामद किया।

बांग्लादेश की सरकार ने हसीना के प्रत्यर्पण के लिए पत्र भेजा

ढाका, एजेंसी

- विशेष न्यायाधिकरण ने पूर्व पीएम को सुनाई है मौत की सजा

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने भारत को एक आधिकारिक पत्र भेजकर पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग की है। हसीना को बांग्लादेश के विशेष न्यायाधिकरण ने मौत की सजा सुनाई है। सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस ने विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन के हवाले से बताया, यह पत्र शुक्रवार को भेजा गया।

विदेश मंत्रालय के एक आधिकारिक सूत्र का हवाला देते हुए एजेंसी ने कहा कि आधिकारिक राजनयिक पत्र नई दिल्ली स्थित बांग्लादेश उच्चायोग के माध्यम से भेजा गया। अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने 17 नवंबर को हसीना (78) और पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल को मृत्युदंड सुनाया था। दोनों पर उनकी अनुपस्थिति में मुकदमा चलाया गया। हसीना फिलहाल भारत में हैं। माना जा रहा है कि कमाल भी भारत में है। छात्रों के नेतृत्व में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शन के चलते पिछले साल पांच अगस्त को हसीना की अवामी लीग सरकार गिर गई थी।

क्या है जी-फोर्स... जिसने कराया तेजस हादसा

जी-फोर्स या गुरुत्व बल एक ऐसी शक्ति है जो हमारे शरीर पर तब महसूस होती है जब कोई वस्तु तेज गति से चलती है, मुड़ती है या अचानक रुकती है। साधारण भाषा में कहें तो जब आप किसी तेज चलती कार में बैठे होते हैं और कार में अचानक ब्रेक लगती है तो शरीर आगे की ओर झटका महसूस करता है। यह झटका जी-फोर्स का प्रभाव होता है। यही अनुभव रोलर कोस्टर, फाइटर जेट, रॉकेट लॉन्च या तेज़ गति वाले खेलों में और अधिक तीव्र होता है। जी-फोर्स यह बताता है कि हमारे शरीर पर पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण की तुलना में कितनी गुना शक्ति पड़ रही है। जी-फोर्स के नियम और नियंत्रण बहुत जरूरी होते हैं। विशेषकर पायलट, अंतरिक्ष यात्री और तेज गति वाले खेलों के खिलाड़ियों के लिए। हाल ही में दुबई में एयर शो के दौरान भारत का एक तेजस लड़ाकू विमान सीधे जमीन पर आ गिरा और पायलट की मौत हो गई। जी-फोर्स को ही इसका कारण माना जा रहा है।

- जी-फोर्स को गुरुत्व बल का माप कहा जाता है। यह बताता है कि किसी वस्तु या व्यक्ति पर पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण (ग्रैविटी) की तुलना में कितनी गुना अधिक या कम शक्ति लग रही है। सामान्य परिस्थितियों में हम 1जी का अनुभव करते हैं, अर्थात् हमारा शरीर उतना भार महसूस करता है जितना पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण के कारण होता है।
- जब कोई वाहन तेज़ गति से आगे बढ़ता है, रुकता है या तेज़ मुड़ता है, तो शरीर पर अतिरिक्त बल महसूस होता है। यही अतिरिक्त बल जी फोर्स कहलाता है। विज्ञान में इसे त्वरण बल भी कहते हैं, क्योंकि यह वस्तु की गति और दिशा में बदलाव के कारण उत्पन्न होता है।

जी-फोर्स कहां-कहां महसूस होती है

- **हवाई जहाज और फाइटर जेट :** फाइटर जेट पायलट सबसे ज्यादा जी फोर्स का सामना करते हैं। एक जेट 9जी तक की शक्ति बना सकता है, जिसे सामान्य व्यक्ति बिना ट्रेनिंग के सहन नहीं कर सकता।
- **अंतरिक्ष यात्रा :** रॉकेट लॉन्च के समय अंतरिक्ष यात्री 3जी-5जी तक की जी फोर्स महसूस करते हैं। यह शरीर को सीट में दबा देता है।
- **रोलर कोस्टर और एडवेंचर राइड्स :** राइड्स में 3जी-6जी तक की जी फोर्स पैदा होती है। इसलिए सुरक्षा बेल्ट जरूरी होती है।
- **कार रेसिंग :** एफ1 कार ड्राइवर 5जी तक का लैटरल जी अनुभव करते हैं, खासकर तेज़ मोड़ों पर।
- **दुर्घटना या टक्कर :** कार टक्कर के समय कुछ ही सेकंड में 20जी-30जी तक की शक्ति पैदा हो जाती है, जो जानलेवा हो सकती है।

पायलटों को प्रशिक्षण

पायलटों को सेंट्रीफ्यूज मशीन में ट्रेनिंग दी जाती है, जहां उन्हें 0जी से 9जी तक का अनुभव करवाया जाता है।

जी-फोर्स विज्ञान, तकनीक और मानव सहनशीलता का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह बताता है कि गति और दिशा में बदलाव शरीर पर किस प्रकार का दबाव बनाते हैं। चाहे रोलर कोस्टर की थ्रिल हो या फाइटर जेट की गति- जी-फोर्स हर जगह सक्रिय रहती है। इसके नियम, सीमा और सुरक्षा उपाय हमें यह समझने में मदद करते हैं कि तेज़ गति वाले वातावरण में शरीर कैसे प्रतिक्रिया करता है और उसे सुरक्षित रखने के लिए क्या आवश्यक है।

निवेश और महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्र में सहयोग बढ़ाएंगे भारत और अफ्रीका

पीएम मोदी ने की दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति रामफोसा से विभिन्न मुद्दों पर चर्चा

जोहानिसबर्ग, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा के साथ बैठक करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को जोहानिसबर्ग में जी20 शिखर सम्मेलन के इतर दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश, खनन, महत्वपूर्ण खनिज, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और खाद्य सुरक्षा समेत कई क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की।

मोदी ने रामफोसा से मुलाकात के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि जोहानिसबर्ग में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा के साथ बहुत शानदार बैठक हुई। हमने भारत-दक्षिण अफ्रीका साझेदारी के संपूर्ण आयाम की समीक्षा की, खास तौर पर वाणिज्य, संस्कृति, निवेश के मामले में संबंधों को बढ़ावा देने तथा प्रौद्योगिकी, कौशल विकास, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, महत्वपूर्ण खनिजों आदि क्षेत्रों में सहयोग में विविधता लाने पर। मोदी ने रामफोसा को जी-20 शिखर सम्मेलन की सफल अध्यक्षता के लिए बधाई दी। उन्होंने नई दिल्ली में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन में लिए गए फैसलों को आगे बढ़ाने और उन पर अमल करने के लिए दक्षिण अफ्रीका की अध्यक्षता में जी-20 में किए गए प्रयासों की सराहना भी की। दक्षिण अफ्रीका, अफ्रीका में आयोजित होने वाले पहले जी20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। 2023 में भारत की अध्यक्षता के दौरान अफ्रीकी संघ जी20 में शामिल हुआ था।

इससे पहले, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति रामफोसा के साथ एक गर्मजोशी भरी और उपयोगी बैठक की। जायसवाल ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि दोनों नेताओं ने प्रौद्योगिकी और लोगों के बीच संबंधों को बढ़ावा देने के लिए युवा प्रतिनिधिमंडलों का आदान-प्रदान शुरू करने पर चर्चा की।

विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि भारत-दक्षिण अफ्रीका संबंधों के ऐतिहासिक आधार को याद करते हुए दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की तथा व्यापार एवं निवेश, खाद्य सुरक्षा, कौशल विकास, खनन, युवा आदान-प्रदान और लोगों के बीच आपसी संपर्क सहित सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों में हुई प्रगति पर संतोष जताया। बयान में कहा गया है कि मोदी और रामफोसा ने एआई, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। इसमें कहा गया है कि दोनों नेताओं ने दक्षिण अफ्रीका में भारतीय कंपनियों की बढ़ती उपस्थिति का स्वागत किया।

कई वैश्विक नेताओं से मिले पीएम मोदी

जोहानिसबर्ग। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को यहां जी-20 शिखर सम्मेलन से इतर जमैका और नीदरलैंड के अपने समकक्षों सहित कई वैश्विक नेताओं से मुलाकात की और द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की। जमैका के प्रधानमंत्री एंड्रयू होल्नेस के साथ बातचीत के बाद, मोदी ने कहा कि भारत और जमैका ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों से समृद्ध मित्रता से बंधे हैं। नीदरलैंड के प्रधानमंत्री डिक शूफ के साथ बातचीत के दौरान मोदी ने जल संसाधन, नवाचार, प्रौद्योगिकी और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की। मोदी ने अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की प्रबंध निदेशक क्रिस्टलीना जॉर्जीवा से भी बातचीत की। मोदी ने जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची से नवाचार एवं रक्षा जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा की। मोदी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि हमने नवाचार, रक्षा, प्रतिभा आदान-प्रदान आदि क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को गति देने के तौर-तरीकों पर चर्चा की। मोदी ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से मुलाकात में व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष, रक्षा और सुरक्षा सहित कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा की।

कोयला माफिया पर कार्रवाई में 14 करोड़ नकदी और जूलरी मिली

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को पश्चिम बंगाल और झारखंड में कोयला माफिया के खिलाफ कार्रवाई में 14 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी और जूलरी मिली है। ईडी के एक अधिकारी ने बताया कि ये बरामदगियां कोयला तस्करी से जुड़ी हैं। एजेंसी ने जमीन की बिक्री, खरीद के एग्रीमेंट पेपर्स और कई डिजिटल डिवाइस तथा इन धंधों के प्रमोटरों द्वारा नियंत्रित की जाने वाली इकाई के खाते भी जब्त किए। कोयले के बड़े पैमाने पर गैर-कानूनी खनन, चोरी, परिवहन, भंडारण और बिक्री के संबंध में मनी लॉन्ड्रिंग अधिनियम के तहत शुक्रवार को दोनों राज्यों में 44 जगहों पर छापे और गहन तलाशी अभियान चलाए गए।

झारखंड के धनबाद और दुमका में 20 जगहें मुख्य रूप से लाल बहादुर सिंह, अनिल गोयल, संजय खेमका, अमर मंडल, उनकी कंपनियों/इकाइयों और उनसे जुड़े लोगों से जुड़ी हैं। वहीं पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर, पुरुलिया, हावड़ा और कोलकाता में 24 जगहें छापे और गहन तलाशी अभियान चलाए गए। पश्चिम बंगाल में नरेंद्र खरका, कृष्ण मुरारी कयाल, युधिष्ठिर घोष, राज किशोर यादव, लोकेश सिंह, चिन्मय मंडल, नीरद बरन मंडल और दूसरों से जुड़े आवासीय जगहों, कार्यालयों की तलाशी ली गई।

राजनीति से वैश्विक सहयोग पर पड़ा विपरीत असर : स्टिल

बेलेम (ब्राजील), एजेंसी

- सीओपी30 पर बोले-संरा जलवायु परिवर्तन कार्यकारी सचिव

संयुक्त राष्ट्र सीओपी30 जलवायु शिखर सम्मेलन के समापन के बीच संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन कार्यकारी सचिव साइमन स्टिल ने कहा कि इस साल अंतर्राष्ट्रीय सहयोग पर इनकार, विभाजन, और भू-राजनीति का बहुत विपरीत प्रभाव पड़ा। ब्राजील में दो सप्ताह की व्यस्त चर्चा के बाद संयुक्त राष्ट्र जलवायु वार्ता देशों को असामान्य मौसम के असर से निपटने के लिए और अधिक वित्तपोषण के संकल्प के साथ समाप्त हुई। हालांकि इसमें इसमें जीवाश्म ईंधन के इस्तेमाल को धीरे-धीरे समाप्त करने की कोई रूपरेखा शामिल नहीं थी। सीओपी30 जलवायु शिखर सम्मेलन के नतीजों पर अपने बयान में, स्टिल ने कहा कि वैश्विक संस्था शायद जलवायु की लड़ाई नहीं जीत रही है, लेकिन पक्ष अभी भी इसमें लगे हुए हैं और पक्के इरादे से लड़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हमें पता था कि यह सीओपी मुश्किल राजनीतिक माहौल में होगा। इनकार, विभाजन और भू-राजनीति ने इस साल अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को भारी नुकसान पहुंचाया है। स्टिल ने कहा कि हालांकि, सीओपी30 शिखर सम्मेलन ने दिखाया कि जलवायु सहयोग बरकरार है और काम कर रहा है, जिससे रहने लायक धरती को लेकर मानवता की लड़ाई बरकरार है और 1.5 डिग्री सेल्सियस के लक्ष्य को पहुंच के अंदर रखने का पक्का इरादा है। उन्होंने कहा कि यहां बेलेम में, देशों ने एकता, विज्ञान और आर्थिक सामान्य समझ का चयन किया।

अमेरिका का नाम लिए बिना स्टिल ने कहा कि इस साल एक देश के पीछे हटने पर बहुत ध्यान दिया गया है। अमेरिका इस साल जनवरी में ऐतिहासिक पेरिस समझौते से पीछे हट गया था, जो जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए विश्व शक्तियों के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता है। स्टिल ने कहा राजनीतिक मुश्किलों के बीच, 194 देशों ने एकजुटता के साथ मजबूती से खड़े होकर जलवायु सहयोग के समर्थन में दृढ़ संकल्प व्यक्त किया। ये 194 देश अरबों लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं और उन्होंने एक आवाज में कहा है कि पेरिस समझौता काम कर रहा है और इसे आगे और तेज़ी से बढ़ाने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा, हम एक नए समझौते में प्रगति देख रहे हैं जो न्यायपूर्ण संक्रमण पर केंद्रित है।

एसआईआर के बाद से बढ़े अवैध बांग्लादेशी

हाकिमपुर, एजेंसी

- हाकिमपुर सीमा चौकी के पास वापसी के लिए लगी भारी भीड़

पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में हाकिमपुर बीएसएफ सीमा चौकी के पास पक्की सड़क से निकलने वाला संकरा, धूल व कीचड़ भरा रास्ता वर्षों तक राज्य में रहने वाले गैरकानूनी बांग्लादेशियोंके लिए वापस जाने का मार्ग बन गया है। विशाल बरगद के पेड़ के नीचे कपड़े के छोटे-छोटे बैग लिए कई परिवार, प्लास्टिक की बोतलें पकड़े बच्चे और पुरुष शनिवार को एक कतार में खड़े थे। वे बीएसएफ कर्मियों से बार- बार एक ही गुहार लगा रहे थे कि हमें घर जाने दो।

दक्षिण बंगाल सीमा क्षेत्र में सुरक्षा कर्मियों और स्थानीय निवासियों का कहना है कि नवंबर की शुरुआत से अपने देश लौटने की कोशिश कर रहे बिना दस्तावेज वाले बांग्लादेशी नागरिकों की संख्या तेजी से बढ़ी है। यह आवाजाही एक असामान्य रिवर्स माइग्रेशन यानी प्रतिलोमी प्रवास का रूप ले चुकी है, जिसे अधिकारी और स्वयं ये लोग पश्चिम बंगाल में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जोड़कर देख रहे हैं। खुद को खुलना जिले की निवासी बताने वाली शाहिन बीबी कोलकाता के पास न्यू टाउन में घरेलू सहायिका के रूप में काम करती थी, वह अपने छोटे बच्चे के साथ सड़क किनारे इंतजार कर रही थी। महिला ने कहा कि मैं यहां इसलिए आई थी क्योंकि हम गरीब थे। मेरे पास कोई सही दस्तावेज नहीं है। महिला ने कहा कि वह लगभग 20,000 रुपये महीना कमाती थी। कतार में खड़े कई लोग स्वीकार करते हैं कि पश्चिम बंगाल में रहने के दौरान उन्होंने दलालों और बिचौलियों के जरिए आधार कार्ड, राशन कार्ड या मतदाता पहचान पत्र बनवाए।

भारतीय जासूस के सम्मान में फ्रांस में डाक टिकट जारी

लंदन। फ्रांस ने मैसुरु के शासक टीपू सुल्तान की वंशज और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान एक अंडरकवर ब्रिटिश एजेंट के रूप में फ्रांसीसी प्रतिरोध में अहम भूमिका निभाने वाली नूर इनायत खान की याद में एक विशेष डाक टिकट जारी किया है। नूर भारतीय मूल की पहली ऐसी महिला हैं, जिनके नाम पर यह उपलब्धि दर्ज हुई है। फ्रांस की डाक सेवा 'ला पोस्ते' ने द्वितीय विश्व युद्ध के खात्मे के 80 साल पूरे होने के मौके पर नाजी जर्मनी से लड़ाई में अहम भूमिका निभाने वाले 12 युद्ध नायकों और नायिकाओं के सम्मान में विशेष डाक टिकट जारी किए।

अमेरिका की शांति योजना पर चर्चा शुरू

- यूक्रेन और पश्चिमी देशों की जिनेवा में बैठक

जिनेवा, एजेंसी

रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए अमेरिका द्वारा प्रस्तावित शांति योजना पर यूक्रेन और उसके पश्चिमी सहयोगी देशों के बीच जिनेवा में वार्ता हो रही है। यूक्रेन के अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

यूक्रेन के प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख, राष्ट्रपति के चीफ ऑफ स्टाफ आंद्रेई यरमक ने सोशल मीडिया पर लिखा कि उन्होंने ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के साथ अपनी पहली बैठक की। यरमक ने कहा, अगली बैठक अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के साथ है। हमें सार्थक वार्ता की उम्मीद है। हम यूक्रेन में स्थायी और न्यायसंगत शांति स्थापित करने के लिए मिलकर काम करना जारी रखेंगे। करीब चार साल से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए अमेरिका द्वारा तैयार किए गए 28 सूत्री प्रस्ताव ने यूक्रेन और अन्य देशों में चिंता पैदा कर दी है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि उनके देश को कठिन विकल्प मिल सकते हैं।

यूक्रेन-यूरोपीय सहयोगियों से मिलेंगे रुबियो

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से यूक्रेन-रूस युद्ध समाप्त करने के लिए पेश शांति समझौता मसौदे पर चर्चा करने के लिए यूक्रेन और उसके यूरोपीय सहयोगियों के साथ वार्ता करेंगे। यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के चीफ ऑफ स्टाफ आंद्रेई यरमक करेंगे और फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के प्रतिनिधियों द्वारा उनका समर्थन किया जाएगा। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल में सेना सचिव डैन ड्रिस्कॉल और राष्ट्रपति ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ के भी शामिल होने की उम्मीद है।

प्रोजेक्ट की निगरानी के लिए ऑनलाइन प्रणाली लागू करेगा एएआई

नई दिल्ली। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) जल्द ही अपनी सभी परियोजनाओं की तत्काल निगरानी के लिए एक ऑनलाइन प्रणाली लागू करने जा रहा है। गौरतलब है कि एएआई हर साल पूंजीगत व्यय पर बड़ी राशि खर्च करता है। प्राधिकरण न सिर्फ हवाई अड्डों का विकास और रखरखाव करता है, बल्कि हवाई यातायात प्रबंधन सेवाएं भी देता है। एएआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस ऑनलाइन निगरानी प्रणाली पर पिछले एक साल से काम चल रहा है और इसे आने वाले कुछ सप्ताहों में पेश कर दिया जाएगा। अधिकारी ने कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य परियोजनाओं की तत्काल निगरानी करना है, ताकि हर वक्त प्रगति की जांच की जा सके और कार्यान्वयन में कोई देरी न हो।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 24 नवंबर, सोमवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, चतुर्थी 21.22 तक तत्पश्चात पंचमी।

आज का पंचांग

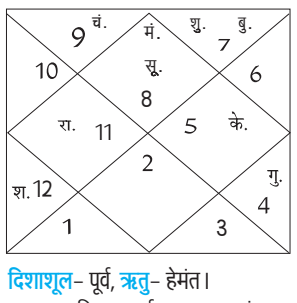

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल-मिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुंभ, मीन।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-पूर्वाषाढ़ा 21.53 तक तत्पश्चात उत्तराषाढ़ा।

मेष — आज बुद्धिमान मित्रों और संतजनों का दर्शन लाभ मिल सकता है। किसी रिश्तेदार के य हां घूमने जा सकते हैं। कार्यक्षेत्र की जटिलता समाप्त होगी। अपनी बातों को मनवाने के लिए किसी पर दबाव न डालें। मन में प्रसन्नता का भाव रहेगा।

वृष — आज आपकी दैनिक आय में कमी आ सकती है। आपको कड़वे अनुभवों का सामना करना पड़ेगा। अहंकार के कारण निजी रिश्तों में टकराहट पैदा हो सकती है। बनते कार्यों में अवरोध आ सकते हैं। नकारात्मक बातों को स्वयं पर हावी न होने दें।

मिथुन — आज स्वादिष्ट भोजन का आनंद उठाएंगे। रियल एस्टेट से जुड़े प्रोजेक्ट्स में सफलता मिलेगी। आपके द्वारा लिए गए निर्णयों की सर्वत्र प्रशंसा होगी। लोग आपको अत्यधिक सम्मान देंगे। घर के लिए आप शॉपिंग कर सकते हैं।

कर्क — आज कारोबार में आप अपने मन की करेंगे, जिसके कारण आपको इच्छित लाभ भी मिलेगा। परिवार में संकोच के कारण दबाव में रहेंगे। अपने कर्तव्यों से पीछे न हटें। किसी उत्सव में सम्मिलित होने का अवसर मिल सकता है।

सिंह — आज व्यवसाय में कोई बड़ा सौदा सावधानी पूर्वक करें। यात्रा के दौरान सावधानी रखें। राजनीति से जुड़े लोगों को अच्छा जनसमर्थन मिलेगा। अपनी कार्यशैली में परिवर्तन लाने का विचार बना सकते हैं। धन के लेन-देन में सावधानी रखें।

कन्या — आज अपनी जीवनशैली में सुधार करें। व्यर्थ के तर्क-वितर्क में अपना समय बर्बाद करने से बचें। अजनबियों की बातों का अधिक विश्वास न करें। कोर्ट-कचहरी के मामलों में समस्या हो सकती है। परिवार के सदस्यों के मध्य अशांति हो सकती है।

तुला — आज आपको मेहनत का उत्तम परिणाम मिलेगा। परिवार में सुख-शांति का वातावरण रहेगा। ननिहाल पक्ष से शुभ समाचार मिलेंगे। कारोबार में प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा। किसी महत्वाकांक्षी योजना का आरंभ करने के लिए दिन हितकारी है।

वृश्चिक — आज शैक्षणिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। अच्छी तरह से परखे और सुने बिना बातों पर प्रतिक्रिया न दें। अपने क्रोध पर नियंत्रण रखें। अपने करियर को लेकर थोड़े नाखुश रहेंगे। धन उधार देने से बचें, क्योंकि फंसने की पर्याप्त संभावना है।

धनु — आज का दिन आराम में बीतेगा। व्यवसाय में आपको बड़ा धन लाभ हो सकता है। करियर में आपको उत्तम विकल्प मिलने की संभावना है। पारिवारिक विवादों को निपटाने का अच्छा अवसर मिल सकता है। पड़ोसियों के साथ कहासुनी हो सकती है।

मकर — आज अनैतिक कार्यों की ओर मन न लगाएं। जीवनसाथी आपसे किसी बात को लेकर नाखुश होगा। हृदय रोगियों को स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। शुभचिंतकों के सुझावों को गंभीरता से लें। धन की स्थिति थोड़ी कमजोर रहेगी।

कुंभ — आज आपकी आय में वृद्धि होगी। उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहे विद्यार्थियों के लिए दिन अत्यंत अनुकूल है। कड़ी मेहनत का सार्थक परिणाम मिलेगा। बच्चों के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें। घर में पूजा-पाठ का माहौल रहेगा। रिश्तेदारों की सहायता मिलने से मन प्रसन्न रहेगा।

मीन — आज आप कुछ नया और इनोवेटिव करना चाहते हैं, जिसके लिए प्रयास भी करेंगे। आर्थिक स्थिति काफी अच्छी रहेगी। आपकी प्रबंधन क्षमता की प्रशंसा होगी। लंबे समय से रुके कार्यों के पूरे होने से मन में संतुष्टि होगी।

सुडोकू-170

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			1					
						4		
	7							
	1			7				
						6		
				9				1
						8		
	8							
			3					

सुडोकू - 169 का हल

8	1	2	3	5	7	6	9	4
4	6	7	2	8	9	1	5	3
3	9	5	6	4	1	2	7	8
1	3	6	4	7	2	5	8	9
5	7	9	8	6	3	4	2	1
2	4	8	9	1	5	3	6	7
9	2	1	7	3	6	8	4	5
6	5	4	1	9	8	7	3	2
7	8	3	5	2	4	9	1	6

ए रैकेट सेकंड लाइफ को भारत लाना मेरे लिए बेहद खास है। इस देश ने मुझे मेरा सफर दिया-कोच, प्रशंसक, सपोर्ट सिस्टम, सबकुछ। अब जब मैं कुछ लौटाने की स्थिति में हूं, तो यह दिल से महसूस होता है। यह सिर्फ प्रोफेशनल के लिए नहीं है, बल्कि हर किसी के लिए है।

-साइना नेहवाल

स्टेडियम

कानपुर नगर, सोमवार 24 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

साइना ने 'द लेजेंड्स' विजन-लेगेसी टूर इंडिया' की शुरुआत की

नई दिल्ली। दिल्ली में आज भारतीय बैडमिंटन के लिए एक यादगार दिन रहा, जब साइना नेहवाल और पीटर गेड ने सीरीफोर्ट डीडीए स्क्वैश एंड बैडमिंटन कॉम्प्लेक्स में आयोजित "द लेजेंड्स' विजन - लेगेसी टूर इंडिया" की शुरुआत की। यह दिन विरासत, युवा ऊर्जा और उद्देश्य का ऐसा संगम लेकर आया, जिसने दिखाया कि जब महान खिलाड़ी अपने नन्हे चाहने वालों के साथ खड़े होते हैं, तो खेल की ताकत कई गुना बढ़ जाती है। आठ साल बाद भारत लौटे 'लेजेंड्स' विजन' का दिल्ली चैप्टर बेहद उत्साह के साथ शुरू हुआ। स्टेडियम शुरुआत से ही दर्शकों से भर गया था-जूनियर खिलाड़ी अपनी क्लब जर्सी में पहुंचे और परिवारों ने इसे एक उत्सव की तरह मनाया। जैसे ही साइना और गेड कोर्ट पर उतरे, गूंजती तालियों ने साफ कर दिया कि शहर इस पल का से इंतज़ार कर रहा था।

बार्सिलोना ने बड़ी जीत के साथ जश्न मनाया

बार्सिलोना (स्पेन) : बार्सिलोना ने स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में एथलेटिक बिलबाओ पर 4-0 की शानदार जीत दर्ज करके अपने पसंदीदा स्टेडियम कैंप नोउ में वापसी का जश्न मनाया। यूरोप के सबसे बड़े फुटबॉल स्टेडियम कैंप नोउ को नए सिरे से तैयार किया गया है। उसे पिछले दो साल से भी अधिक समय तक बंद रखा गया था और अब लगभग आधी क्षमता पर फिर से खोला गया है। इस स्टेडियम में लंबे समय बाद होने वाले इस मैच को देखने के लिए लगभग 45,000 प्रशंसक मौजूद थे। रॉबर्ट लेवांडोव्स्की ने मैच शुरू होने के सिर्फ़ चार मिनट बाद ही गोल करके माहौल बना दिया।

भारत का कोरिया के खिलाफ जीत से आगाज

इपोह : मोहम्मद राहील के पहले क्वार्टर में किये गये इकलौते गोल की बदौलत युवा खिलाड़ियों से सजी भारतीय टीम ने रविवार को सुल्तान अजलन शाह कप हॉकी टूर्नामेंट के पहले मैच में तीन बार की चैंपियन दक्षिण कोरिया को 1-0 से हरा दिया। भारतीय टीम छह साल के अंतराल के बाद इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भाग ले रही है। मैच के 15वें मिनट में दिलप्रीत सिंह के बनाये मौके को राहील ने गोल में बदल कर टीम का खाता खोला। भारत की जीत में टीम के मिडफील्ड में दबदबे का मुख्य योगदान रहा जिसका श्रेय अभिषेक और टीम के कप्तान संजय को जाता है। ये दोनों खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे।

भारतीय महिला टीम ने दृष्टिबाधित टी-20 क्रिकेट विश्व कप जीता

कोलंबो, एजेंसी

- फाइनल में नेपाल को 7 विकेट से हराया
- सेमीफाइनल में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को दी थी मात

भारत ने टी-20 दृष्टिबाधित महिला विश्व कप जीत लिया। फाइनल में रविवार को पी सारा ओवल मैदान में नेपाल को सात विकेट से हराया। दृष्टिबाधित महिला क्रिकेट विश्व कप का यह पहला आयोजन है। भारत ने पहले गेंदबाजी करते हुए नेपाल को पांच विकेट पर 114 रनों पर रोक दिया। इसके बाद महज 12 ओवरों में तीन विकेट पर 117 रन बनाकर खिताब अपने नाम कर लिया। भारत का इस मैच पर दबदबा इतना था कि नेपाल की टीम अपनी पारी में केवल एक चौका ही लगा सकी। फुला सरेन नाबाद 44 रनों की पारी के साथ भारत की सर्वोच्च स्कोरर रही।

भारत ने इससे पहले सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराया था, जबकि नेपाल ने शनिवार को दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान को हराया था। सह-मेजबान श्रीलंका शुरुआती चरण के पांच मैचों में सिर्फ एक मैच (अमेरिका के खिलाफ) ही जीत सका। पाकिस्तान की बी3 (आंशिक रूप से दृष्टिबाधित) खिलाड़ी मेहरीन अली छह टीमों के टूर्नामेंट में सबसे सफल बल्लेबाज रही। उन्होंने 600 से अधिक रन बनाए, जिसमें श्रीलंका के खिलाफ 78 गेंदों में खेली गई 230 रनों की पारी भी शामिल है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी 133 रनों की पारी खेली थी।

सेनुरन मुथुसामी का शतक, यान्सेन चूके

गुवाहाटी टेस्ट का दूसरा दिन : दक्षिण अफ्रीका ने बनाए 489 रन, राहुल व यशस्वी उतरे मैदान पर

रन 109 | गेंद 206 | चौके 10 | छक्के 02

गुवाहाटी, एजेंसी

सेनुरन मुथुसामी ने अपने टेस्ट करियर का पहला शतक लगाया जबकि मार्को यान्सेन केवल सात रन से यह उपलब्धि हासिल करने से चूक गए लेकिन इन दोनों की शानदार पारियों की मदद से दक्षिण अफ्रीका ने भारत के खिलाफ दूसरे एवं अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच के दूसरे दिन रविवार को यहां अपनी पहली पारी में 489 रन का विशाल स्कोर बनाया। मुथुसामी ने 206 गेंद पर 109 रन बनाए जिसमें 10 चौके और दो छक्के शामिल हैं। यान्सेन ने भारतीय स्पिनरों को निशाने पर रखकर 91 गेंद पर छह चौकों और सात छक्कों की मदद से 93 रन की तूफानी पारी खेली। इन दोनों ने आठवें विकेट के लिए 97 रन जोड़कर दक्षिण अफ्रीका का बड़ा स्कोर सुनिश्चित किया।

भारत ने इसके जवाब में दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी पहली पारी में 6.1 ओवर में बिना किसी नुकसान के नौ रन बनाए हैं। यशस्वी जायसवाल (नाबाद सात) और केएल राहुल (नाबाद दो) ने दिन के आखिर में मौका मिलने पर किसी तरह का जोखिम उठाना उचित नहीं समझा लेकिन पिच अब भी सपाट है और इस पर भारतीय बल्लेबाजों से बड़ी पारियों की उम्मीद की जा सकती है। दक्षिण अफ्रीका ने सुबह अपनी पारी छह विकेट पर 247 रन से आगे बढ़ाई और मुथुसामी की अगुवाई में भारतीय गेंदबाजों की एक नहीं चलने दी। भारत को पहले दो सत्र में एकमात्र सफलता काइल वेरिन (45) के रूप में मिली जिन्हें रविंद्र जडेजा ने स्टंप आउट कराया लेकिन इससे पहले उन्होंने दो घंटे तक टिककर अपना काम पूरा कर दिया था। मुथुसामी और वेरिन ने सातवें विकेट के लिए 88 रन की साझेदारी की। भारतीय गेंदबाजों में केवल जसप्रीत बुमराह ही कुछ प्रभावशाली दिखे लेकिन बाद में वह भी थके हुए नजर आए। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और तीनों स्पिनर दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजों के सामने बेअसर दिखे। मुथुसामी सुबह के सत्र में सतर्क नजर आए। उन्होंने तब बीच-बीच में चौके लगाए लेकिन यान्सेन के आने के बाद वह भी आक्रामक हो गए जिससे भारतीय गेंदबाजों की मुश्किल बढ़ गई। मुथुसामी ने कुलदीप यादव पर छक्का जड़कर अपनी रन संख्या 90 रन के पार पहुंचाई। इसके बाद उन्होंने इसी गेंदबाज पर चौका लगाया और फिर सिराज की गेंद पर दो रन लेकर अपना पहला टेस्ट शतक पूरा किया। रिकार्ड के लिए बता दें कि यह उनका 10वां प्रथम श्रेणी शतक है और इससे पहले उन्होंने घरेलू क्रिकेट में 5000 से अधिक रन बनाए थे।

शॉट लगाते मार्को यान्सेन। एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका

489/10 (पहली पारी) (151.1 ओवर)

ऐड ऐडन मार्करम बो बुमराह	38
रिकलटन का पंत बो कुलदीप	35
स्टब्स का राहुल बो कुलदीप	49
बावुमा का जायसवाल बो जडेजा	41
टोनी डि जॉर्जी का पंत बो सिराज	28
मुल्डर का जायसवाल बो कुलदीप	13
मुथुसामी का जायसवाल बो सिराज	109
काइल वेरेने स्ट पंत बो जडेजा	45
मार्को यान्सेन बो कुलदीप	93
सिमोन हार्मर बो बुमराह	05
केशव महाराज नाबाद	12

गेंदबाजी : बुमराह 32-10-75-2, सिराज 30-5-106-2, रेड्डी 6-0-25-0, सुंदर 26-5-58-0, कुलदीप 29.1-4-115-4,जडेजा 28-2-94-2

भारत

09/0 (पहली पारी) (6.1 ओवर)

यशस्वी जायसवाल खेल रहे हैं	07
केएल राहुल खेल रहे हैं	02

गेंदबाजी : मार्को यानसेन 3.1-1-9-0, वियान मुल्डर 3-3-0-0

लगा था कि यहां कभी टेस्ट नहीं खेलूंगा

दक्षिण आफ्रीकी ऑलराउंडर सेनुरन मुथुसामी 2019 में भारत में पदार्पण सीरीज में केवल दो विकेट ले पाए थे, जिससे उन्हें लगा था कि उनका करियर खत्म हो चुका है और वह इस देश में दोबारा कभी नहीं खेल पाएंगे। पर भारतीय मूल के इस हरफनमौला ने 2025 तक उपमहाद्वीप की परिस्थितियों को बेहतर ढंग से समझ लिया और पाकिस्तान में शानदार प्रदर्शन किया जिसमें उन्होंने पहले टेस्ट में 11 विकेट झटके और दूसरे टेस्ट में 89 रन की नाबाद पारी खेलीं अब उन्होंने भारत के खिलाफ 109 रन की पारी ऐसे समय में खेली। मुथुसामी ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के बाद कहा,मेरी यात्रा अनोखी रही है। 2019 में भारत में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट का स्वाद चखा, यहीं पदार्पण किया। फिर कुछ समय के लिए ज्यादा कुछ नहीं कर पाया। पर क्रिकेट एक सफर है जिसमें आप बस हर दिन को एक-एक करके लेते हैं और ज्यादा आगे की नहीं सोचते।

मुथुसामी ने जीवनदान का उठाया पूरा लाभ

जब जडेजा की गेंद पर उन्हें पगबाधा आउट करार दिया गया तो उन्होंने डीआरएस लेकर अपना विकेट बचा लिया, क्योंकि टीवी रिप्ले में दिख रहा था कि गेंद उनके दस्तानों को छूकर गई थी। मुथुसामी ने इसके बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा। मुथुसामी का विकेट आखिर में सिराज को मिला। गेंद उनके बल्ले का किनारा लेकर हवा में लहरा गई जहां जायसवाल ने उसे कैच में तब्दील करने में कोई गलती नहीं की। यान्सेन ने हालांकि गेंदबाजों पर अपना दबदबा बनाए रखा। विशेषकर कुलदीप उनके निशाने पर थे पर आखिर में इसी स्पिनर ने उन्हें बोल्ड करके केवल सात रन से पहले टेस्ट शतक से वंचित कर दिया। कुलदीप भारत के सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 115 रन देकर चार विकेट लिए। बुमराह, सिराज और जडेजा ने दो-दो विकेट लिए।

पिता की बीमारी से स्मृति मंधाना की शादी टली

सांगली। स्मृति मंधाना के पिता श्रीनिवास के बीमार पड़ने के कारण भारतीय महिला टीम की इस दिग्गज क्रिकेटर और संगीतकार पलाश मुच्छल की शादी को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। मंधाना और पलाश की शादी रविवार (23 नवंबर) को होनी थी। मंधाना अपने पिता से भावनात्मक रूप से जुड़ी हुई हैं, जो उनके क्रिकेट करियर में लगातार उनका साथ देते रहे हैं। मंधाना के प्रबंधक तुहिन मिश्रा ने बताया कि विश्व कप विजेता क्रिकेटर के पिता को रविवार सुबह अचानक स्वास्थ्य संबंधी समस्या हो गई।

मिश्रा ने कहा स्मृति मंधाना के पिता श्रीनिवास मंधाना आज सुबह नाश्ता करते समय तबीयत बिगड़ने लगी। हमने सोचा कि वह जल्द ही ठीक हो जाएंगे, लेकिन उनकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ। इसलिए हमने एम्बुलेंस बुलाई और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। वह चिकित्सकों की निगरानी में है। मिश्रा ने कहा कि पिता की स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए मंधाना ने उनके ठीक होने तक अपनी शादी स्थगित करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा मंधाना अपने पिता के बहुत करीब हैं। इसलिए उन्होंने शादी को तब तक के लिए स्थगित करने का फैसला किया है।

गुवाहाटी की पिच 'सड़क' की तरह है : कुलदीप

गुवाहाटी, एजेंसी

- गेंदबाजों का बचाव करते हुए बोले- कोलकाता की पिच थी अलग

स्पिनर कुलदीप यादव ने दक्षिण अफ्रीका के निचले क्रम को जल्दी आउट करने में नाकाम रहे भारतीय गेंदबाजों का बचाव करते हुए रविवार को बरसापारा स्टेडियम की पिच की तुलना 'सड़क' से की।

दक्षिण अफ्रीका के निचले क्रम के बल्लेबाज पहली पारी में टीम के स्कोर को 489 रन तक पहुंचाने में सफल रहे। कोलकाता में खेले गए श्रृंखला के पहले टेस्ट में बल्लेबाजों को संघर्ष करना पड़ा था लेकिन यहां स्पिनरों को पिच से खास मदद नहीं मिल रही थी। कुलदीप से जब दोनों स्थलों के पिच की तुलना से जुड़ा सवाल पूछा गया तो उन्होंने व्यंग्य भरे लहजे में कहा, कोलकाता का विकेट तो अलग था। यह तो 'सड़क (पूरी तरह से सपाट)' की तरह है। इसलिए यह चुनौतीपूर्ण है और इसीलिए इसे टेस्ट मैच कहा जाता है।

कुलदीप भारत की ओर से पहली पारी में सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 29.1 ओवर में 115 रन देकर चार विकेट लिए। यह देखना दिलचस्प होगा कि बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया इस बयान को कैसे लेते हैं क्योंकि यह उनके घरेलू मैदान पर आयोजित होने वाला पहला टेस्ट मैच है और एक सीनियर खिलाड़ी ने पिच का आकलन बहुत अच्छा नहीं किया है। कुलदीप ने कहा कि प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करने के लिए जुझारूपन दिखाना जरूरी है। उन्होंने कहा यह हमेशा दबदबे की बात नहीं होती, बल्कि यह भी बहुत महत्वपूर्ण है कि आप एक अच्छी बल्लेबाजी पिच पर कैसे वापसी करते हैं। यह गेंदबाजों के लिए एक मुश्किल विकेट था क्योंकि मुझे नहीं लगा कि इस विकेट से बहुत मदद मिल रही है। कुलदीप ने कहा कि खिलाड़ियों को पिच की प्रकृति के बारे में सोचकर खुद को तनाव में डालने की जगह इसका लुत्फ उठाना चाहिए।

कहा यह तेज गेंदबाजों के लिए भी ज्यादा मददगार नहीं लग रहा था, लेकिन यह टेस्ट क्रिकेट है और आपको इसका आनंद लेना चाहिए। आपको इसका आनंद लेना चाहिए। आप जैसे-जैसे परिपक्व होते जाते हैं, आप विकेट के बारे में ज्यादा सोचे बिना खेलते है। अगले टेस्ट में इससे बेहतर विकेट हो सकता है, इसलिए कोई शिकायत नहीं। उन्होंने कहा कि मैच के शुरुआती सत्र में थोड़ी नमी थी लेकिन उसके बाद के पांच सत्र में स्पिन गेंदबाजों के लिए कोई मदद नहीं थी। उन्होंने कहा मुझे कल पहले सत्र में लगा कि विकेट में थोड़ी नमी थी, इसलिए मुझे पहले सत्र में थोड़ा टर्न मिला। उसके बाद बल्लेबाजी करना बहुत अच्छा रहा। उन्होंने निराशा भरे अंदाज में कहा कल और फिर आज स्पिन गेंदबाजों को किसी तरह की मदद नहीं मिली।

दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी समाप्त के बाद जश्न मनाते भारतीय खिलाड़ी। एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई ओपन : लक्ष्य ने जीता सत्र का पहला खिताब

सिडनी, एजेंसी

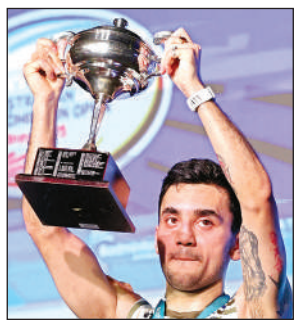

भारत के लक्ष्य सेन ने रविवार को यहां 475,000 डॉलर इनामी आस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल फाइनल में जापान के युशी तनाका को हराकर सत्र का अपना पहला खिताब जीतकर अंतर्राष्ट्रीय सर्किट पर मुश्किल दौर का अंत किया।

पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने के बाद खराब दौर से गुजरने वाले अल्मोड़ा के 24 वर्षीय खिलाड़ी सेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 26 वर्षीय तनाका को 38 मिनट में 21-15, 21-11 से हराया। विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य ने इससे पहले आखिरी बार 2024 में लखनऊ में सैयद मोदी इंटरनेशनल में सुपर 300 खिताब जीता था। वह इस साल सितंबर में हांगकांग सुपर 500 में उपविजेता रहे थे।

इस वर्ष ऑर्लियंस मास्टर्स सुपर 300 खिताब जीतने वाले विश्व के 26वें नंबर के खिलाड़ी तनाका का सामना करते हुए लक्ष्य ने शानदार नियंत्रण और तेजतर्रार खेल का नमूना पेश किया तथा एक भी गेम गंवाए बिना मुकाबला अपने नाम कर लिया।

इस जीत से मौजूदा राष्ट्रमंडल खेल चैंपियन लक्ष्य इस सत्र में बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब जीतने वाले दूसरे भारतीय बन गए। इससे पहले आयुष शेट्टी ने अमेरिकी ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट जीता था। भारत के अन्य खिलाड़ियों में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी हांगकांग और चीन मास्टर्स के फाइनल में पहुंचे थे।

नया मुकाबला | दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट के बाद वनडे की तैयारी, जडेजा की वापसी, बुमराह और सिराज को दिया गया आराम

एकदिवसीय श्रृंखला में केएल राहुल करेंगे कप्तानी

नई दिल्ली, एजेंसी

सीनियर बल्लेबाज केएल राहुल को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के लिए रविवार को भारतीय टीम का कप्तान नियुक्त किया गया जबकि अनुभवी ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा लगभग आठ महीने बाद सफेद गेंद की टीम में वापसी करेंगे।

नियमित कप्तान शुभमन गिल को कोलकाता में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान गर्दन में चोट लगने के कारण सीरीज से बाहर होने के बाद राहुल को टीम की बागडोर सौंपी गई। राहुल को कप्तानी छोटी श्रृंखला को ध्यान में रखकर दी गई है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई को बताया राहुल को एक बार ही कप्तानी सौंपी गई है और इसे उसी रूप में देखा जाना चाहिए। ऋषभ (पंत) के नाम पर विचार नहीं किया गया क्योंकि उन्होंने पिछले एक साल में केवल एक ही वनडे खेला है। चयनकर्ताओं को उम्मीद है कि शुभमन गिल की गर्दन की चोट ठीक हो जाएगी और वह न्यूजीलैंड के खिलाफ जनवरी 2026 में होने वाली तीन वनडे मैचों की सीरीज में वापसी करेंगे।

विकेटकीपर बल्लेबाज पंत इस श्रृंखला के लिए उप कप्तान होंगे। यह श्रृंखला 30 नवंबर को रांची में शुरू होगी और इसके बाद रायपुर (तीन दिसंबर) और विशाखापत्तनम (छह दिसंबर) में मैच होंगे। जडेजा अंतिम दफा वनडे में मार्च में दुबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में खेले थे। उनकी वापसी इसलिए संभव हुई क्योंकि बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल को इस सीरीज के लिए आराम दिया गया है। अक्षर हाल में भारतीय टीम के ऑस्ट्रेलिया दौरे का हिस्सा थे जिससे उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे श्रृंखला से आराम दिया गया है। यह 31 वर्षीय खिलाड़ी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ईडन गार्डन्स टेस्ट में भारत की चार स्पिनर वाली योजना (कुलदीप यादव, वॉशिंगटन सुंदर और जडेजा) का हिस्सा था। कुलदीप और सुंदर दोनों को एकदिवसीय टीम में शामिल किया गया है। हालाकि मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को 2023 विश्व कप फाइनल के बाद अब भी वनडे में वापसी के लिए इंतजार करना होगा। वह इस समय दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला खेल रहे हैं। उन्हें कार्यभार प्रबंधन के तहत आराम दिया गया है।

टीम

केएल राहुल (कप्तान), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, रविंद्र जडेजा, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, रुतुराज गायकवाड़, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल।